हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 सितम्बर, 1994

खण्ड–2 अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 12 सितम्बर, 1994

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)13
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(1)46
अताराकित प्र न एवम उतर	(1)56
घोशणाए	
(क) अध्यक्ष द्वारा	(1)67
(i) पैनल आफ चैयरमैन	(1)67
(II) कमेटी औन पैटी र्ज	(1)67
(ख) सचिव द्वारा	(1)67
राश्ट्रपति राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो संबधी विभिन्न विशयो का उठाया जाना	(1)68
बिजैनस एडवाईजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा	(1)76

करना	
सदन की मेज पर रखे गए/पुन रखे गए कागज पत्र	(1)78
वर्श 1988–89 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मागे प्रस्तुत करना	(1)80
वि ोशधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तत करने के लिए समय बढाना	(1)81
(i) श्री सम्पत सिंह, एम0एल0ए0 तथा प्रतिपक्ष के नेता के विरूद्ध	(1)81
(II) श्री कर्ण सिह दलाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध	(1)81
(III) श्री कर्ण सिह दलाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध	(1)82
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव	(1)83
राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति संबधी	
वैयक्तिये स्पश्टीकरण	(1)96
आवास राज्य मंत्री द्वारा	
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	
राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति संबधी	(1)97

बैठक का समय बढाना	(1)98
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	
राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति संबधी	(1)98
बैठक का समय बढाना	(1)106
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	
राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति संबधी	(1)106
बैठक का समय बढाना	(1)109
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	
राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति संबधी	(1)109

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 12 सितम्बार, 1994

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब औबिचुरी रैफरैसिज होगे।

श्री सुरेन्द्र नाथ, पजाब के राज्यपाल तथा उनका परिवार

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): यह सदन पजाब के राज्यपाल श्री सुरेन्द्र नाथा तथा उनके परिवार के 9 जुलाई, 1994 को हुए दुखद और असामयिक निधान पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन 1926 मे हुआ। वह वर्श 1950 मे भारतीय पुलिस सेवा मे भाामिल हुए। उन्होने 1964 से 1974 तक जम्मु क ामीर मे कार्य किया। जम्मु क ामीर से लौटने के बाद उन्होने मिजोरम मे मुख्य सचिव के पर पर कार्य किया। उन्होने मिजोरम मे विद्रोह के हालात पर सफलता से नियन्त्रण किया। वह

पजाब के राज्यपाल के सलाहकार रहे तथा उन्होने संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य के तौर पर भी कार्य किया।

वर्श 1991 मे उन्होने पजाब के राज्यपाल तथा केन्द्र भाासित प्रदे ा, चण्डीगढ के प्र ाासक के रूप मे पदभार सम्भाला। उन्होने पजाब मे आतकवाद पर नियन्त्रण किया तथा भाान्तिपूर्वक व निश्पक्ष चुनाव कराने का माहौल बनाया। इसके परिणामस्वरूप पजाब मे लोकप्रिय सरकार का गठन हुआ। वर्श 1993 मे उन्होने हिमाचल के राज्यपाल के पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सम्भाली। एक विमान दुर्घटना मे उनका तथा उनके परिवार जनो का अचानक निधन हो गया।

उनके निधन से दे ा एक उत्कृश्ट प्र ाासक तथा सही अर्थो के सहदय व्यक्ति की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री के0 बहानन्द रेडडी, भूतपूर्व केन्द्रीय मत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री के0 ब्रहानन्द रेडडी के 20 मई, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 28 जुलाई सन 1909 मे हुआ। उन्होने स्वतन्त्रता सग्राम मे भाग लिया तथा जेल गए। वह वर्श 1956 से 1964 तक आन्ध्रप्रदे ा मे मंत्री तथा 1964 से 1971 तक मुख्यमंत्री

रहे। वह वर्श 1972 से 1973 तक छठे वित आयोग के अध्यक्ष रहे। वह वर्श 1974 से 1977 तक केन्द्रीय मंत्री रहे। वह 1977 से 1978 तक इडियंन ने ानल काग्रेस के प्रेजीडेट रहे तथा उन्होने वर्श 1998 से 1989 तक महाराश्ट्र के राज्यपाल के पर को सु ाोभित किया।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भााक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री रामदुलारी सिंन्हा, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री तथा राज्यपाल

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रामदुलारी सिंन्हा, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री तथा राज्यपाल के 31 अगस्त, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भााक प्रकट करता है।

उनका जन्म 8 दिस्मबर, 1992 को हुआ। वह वर्श 1952 मे बिहार विधान सभा की सदस्या चुनी गई तथा मंत्री भी रही। वह वर्श 1962, 1980 तथा 1984 मे लोक सभा की सदस्या चुनी गई। वह वर्श 1980 से 1988 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रही। उन्होने वर्श 1988 मे केरल के राज्यपाल के पद को सु ाोभित कियां।

उनके निधन से दे ा एकयोग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के

भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

कुमारी आभा मैती, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री राज्य मंत्री कुमारी आभा मैती, के 2 जुलाई, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 22 अप्रैल, 1925 को हुआ। वह व्यवसाय से एक पत्रकार थी। उन्होने 1942 मे भारत छोडो आन्दोलन मे भाग लिया। वह 1952 से 1957 तथा 1962 से 1969 तक पि चत बंगाल विधान सभा की सदस्या रही। वह राज्य मे मंत्री भी रही। वह वर्श 1960 से 192 तक राज्य सभा सता तथा वर्श 1977 से 1979 तक लोक सभा की सदस्या रही। वह वर्श 1977 से 1979 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रही। उन्होने समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री आर0के0 जयचन्द्र सिंह भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री राज्य मंत्री श्री आर0के0 जयचन्द्र सिंह, के 12, जुन 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 28 फरवरी, 1942 को हुआ। वह व्यवसाय से एक वकील थे। वह वर्श 1964 मे काग्रेस से जुडे रहे। वह 1984 मे राज्य सभा के सदस्य चुने गए तथा 1985 से 1988 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे। वह वर्श 1988 से 1990 तक मणिपूर के मुख्यमंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

चौधरी राम प्रका ा, हरियाणा के भूतपूर्व उपमंत्री तथा ससद सदस्य

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व उपमंत्री तथा ससद सदस्य चौधरी राम प्रका ा, के 19 अप्रेल, 1944 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 7 जनवरी, 1918 को हुआ। उन्होने स्वतन्त्रता सग्राम मे भाग लिया तथा कई बार जेल गए। वह वर्श 1952,1957 व 1962 मे पजाब विधान सभा तथा 1967 और 1968 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1969 मे संसदीय

सविच तथा 1971 मे उप मंत्री रहे। वह 1971,1984,1989 तथा 1991 मे उप मंत्री रहे। वह 1971,1984,1989, तथा 1991 मे लोक सभा के सदस्य चुने गए। उन्होने पिछडे वर्गो तथा अनुसूचित जातियो के कल्याण के लिए कार्य किया। उन्होने अनेक दे ाो की यात्राए की।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

कर्नल महा सिह, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व उपमंत्री कर्नल महा सिह के 23 जुलाई, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 27 सितम्बर, 1913 को हुआ। वह सैन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स मे कमाडैट रहे तथा भारतीय सेना से कर्नल के रूप मे सेवा निवृत हुए। वह वर्श 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1972 से 1977 तक मंत्री रहें वह कई भौक्षणिक सस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन

दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री जसवन्त सिह चौहान, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री जसवन्त सिह चौहान, सह के 21 जुन, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन 1992 मे हुआ। वह वर्श 1967,168,1972 तथा 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह वर्श 1969 मे संसदीय सचिव, 1971 से 1972 तक उप मंत्री तथा 1985 से 1986 तक राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री मान चन्द राणा, हिमाचल प्रदे ा के कृशि मंत्री

यह सदन हिमाचल प्रदे ा के कृशि मंत्री श्री मान चन्द राणा, के 5 सितम्बर, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 20 जुलाई, 1932 को हुआ। वह दो बार हिमाचल विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह वर्श 1993 से अपने निधन तक कृशि मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

ज्ञानी अमरजीत सिंह, हरियाणा आवास बोर्ड के अध्यक्ष

यह सदन हरियाणा आवास बोर्ड के अध्यक्ष ज्ञानी अमरजीत सिह के 6 अप्रैल, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 सितम्बर, 1927 को हुआ। वह वर्श 1986 मे हरियाणा खनिज निगम के अध्यक्ष बने। उन्होने वर्श 1988 से 1991 तक भारत सरकार मे राश्ट्रीय बागवानी बोर्ड के सदस्य के रूप मे कार्य किया। वह वर्श 1991 से अपने निधन तक हरियाणा आवास बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा एक उत्कृश्ट प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

न्यायमूर्ति डी0के0 महाजन, पजाब तथा हरियाणा हाईकोर्ट के भूतपूर्व मुख्य न्यायधी ा

यह सदन पजाब तथा हरियाणा हाईकोर्ट के भूतपूर्व मुख्य श्री डी0के0 महाजन, 12 अगस्त, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 12 मई, 1912 को हुआ। वह वर्श 1959 मे पजाब हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधी ा नियुक्त हुए तथा वर्श 1961 मे स्थायी न्यायाधी ा बने। वह वर्श 1974 मे पजाब तथा हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधी ा नियुक्त हुए। वह ''दि ट्रिब्यून ट्रस्ट'' के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख कानून वि ोशज्ञ तथा योग्य प्र ाकस की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती प्रका ा कोर, पजाब की भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन सयुक्त पजाब की भूतपूर्व राज्य मंत्री श्रीमती प्रका ा कौर के 29 अगस्त, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

वह व्यवसाय से डाक्टर थी। उन्होने राश्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन मे भाग लिया। उनहोने समाज कल्याण कार्यो मे गहरी

रूचि ली। वह वर्श 1946 से पजाब विधान सभा की सदस्या चुनी गई। वह वर्श 1956 से 1962 तक उप मंत्री तथा 1962 मे राज्य मंत्री रहीं।

उनके निधन से दे ा एकयोग्य प्र ाासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री चांदी राम वर्मा सयुक्त पजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजाब की भूतपूर्व सदस्य श्री चांदी राम वर्मा के 4 सितम्बर, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 अक्तूबर, 1899 को हुआ। उन्होने '' भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय भाग लिया तथ जेल गय। वह वर्श 1952 तथा 1962 मे पजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह पजाब मे राज्य मंत्री भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी तथा अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

सरदार बलदेव सिंह सिद्धु, सयुक्त पजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजाब की भूतपूर्व सदस्य सरदार बलदेव सिंह सिद्धू के 13 अप्रेल, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन 1901 मे हुआ। वह वर्श 1952 मे प्रथम पैप्सू विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह ि ारोमणि गुरूद्धारा प्रबन्धक समिति के सदस्य भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

सरदार रतन सिंह सयुक्त पजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजाब की भूतपूर्व सदस्य सरदार रतन सिंह के 15 अप्रेल, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन् 1905 मे हुआ। वह वर्श 1946 मे पजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री दास राम, सामाजिक कार्यकर्ता

यह सदन सामाजिक कार्यकर्ता तथा हरियाणा के संसदीय सचिव श्री राजकुमार के पिता श्री दास राम के 8 मई, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन् 1936 मे हुआ। यह दो वर्श तक सेना मे रहे। दलितो के उत्थान मे उनकी गहरी रूचि थी वहा कई सामाजिक व धार्मिक सगठनो से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से दे ा एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती भान्ति मुखीजा, सामाजिक कार्यकर्ता

यह सदन सामाजिक कार्यकर्ता तथा हरियाणा के संसदीय सचिव श्री भयाम दास मुखीजा की धर्मपत्नी श्रीमती भाान्ति मुखीजा के 12 जुलाई, 1994 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन् 1925 मे हुआ। उन्होने समाज सेवा के अनेक कार्य किए तथा साक्षरता अभियान मे उनकी गहरी रूचि थी।

उनके निधन से दे ा एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

प्रो0 सम्पत सिह (भट्टू कंला): स्पीकर सर, जो भाोक प्रस्ताव सदन के नेता ने रखा है, मै उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू। पिछली बार विधान सभा को जो बजट अधिवे ान समाप्त हुआ था और आज जब अधिव ान भाुरू हुआ है, इस बीच कई महान विभूतिया हमारे बीच मे चली गई है जिनमे न्यायधी ा, राजनेता, स्वतन्त्रता सेनानी, पुलिस अधिकारी और बडे अच्छे प्र ाासक भाामिल है। श्री सुरेन्द्र नाथ, पजाब के राज्यपाल रहे है। उनके और उनके परिवार के साथ जिस तरह की घटना घटी है, इसी तरह की किसी के साथ नही घटी होगी। उनके साथ उनका सारा परिवार खत्म हो गया। सुरेन्द्र नाथ जी ऐसे पहले पुलिस अधिकारी थे जो मिजोरम मे मुख्य सचिव रहे जबकि मुख्य सचिव आई0ए0एस0 अधिकारी बनते है लेकिन इनकी योग्यता की वजह से आई0पी0एस0 होते हुए यह महत्वपूर्ण पद दिया गया। मिजोरम मे जो विद्रोह खडा हुआ था, उसे इन्होने बडी सफलता से दबाया था। उसके बाद इनको पजाब के राज्यपाल के सलाहकार के रूप मे डियूटी मिली जिसको इन्होने अच्छी तरह से निभाया। उसके बाद ये पजाब के गवर्नर बने। गवर्नर बनने से पहले ये यू0पी0एस0सी0 के मैम्बर रहे। पजाब के आतकवाद पर जो नियत्रण किया गया था, उसमे इनका बडा हाथ था। बाद मे इन्हे एडी ान

चार्ज देकर हिमाचल प्रदे ा का राज्यपाल बनाया गया। कोई यह सोच भी नही सकता था कि उन जैसे नेक आदमी के साथ ऐसी दुर्घटना घटेगी। इस घटना से मुझे और मेरी पार्टी को बडा दुख हुआ है। मै उनके परिवार मे प्रति सवेदना प्रकट करता हू।

इसी तरह से श्रीमती रामदुलारी सिन्हा, सैन्टर से स्टेट मिनिस्टर रही है। उनके निधन से हमे बडा भाोक है वे बिहाल विधान सभा की सदस्या रही। तीन बार लोकसभा मे चुनी गई।

श्री के बहानन्द रेडडी, केन्द्र मे मंत्री एवम काग्रेस के प्रेजीडेन्ट रहे और वित आयोग के अध्यक्ष रहे। आंधप्रदे ा मे मंत्री तथा मुख्यमंत्री रहे। केन्द्र मे भी मिनिस्टर व एम0पी0 रहे। उनके अच्छी सेवाओ से दे ा वचित हो गया है। उनके निधन से हमे गहरा भाोक है।

इसी तरह से कुमार आभा मैती, व्यवासाय से एक पत्रकार थी, स्वतन्त्रता सेनानी थी। उन्होने भारत छोडो आन्दोलन मे भाग लिया था। पि चम बगाल विधान सभा मे तीन बार सदस्य रही। केन्द्र मे मंत्री रही। उनके निधन पर हमे गहरा भाोक है।

श्री आर0के0 जयचन्द्र सिंह, केन्द्र मे राज्य मंत्री रहे। उनके निधन पर हमे गहरा दुख है। इसी तरह से, चौधरी रामप्रका ा जी हरियाणा प्रदे ा के सीनियर पोलिटिकल आदमी थे। वे हरियाणा विधान सभा व ज्वाइंट पजाब मे पांच बार सदस्य रहे। चार बार एम0पी0 रहे। जब उनका निधन हुआ तब भी वे

अम्बाला सीट मे एम0पी0 थे। भाोशित वर्ग उनकी सेवाओ से वचित हो गया हैै। हमे उनके निधन से गहरा दुख है।

कर्नल महा सिह, हरियाणा प्रदे ा मे मंत्री रहे। वे सी0आर0पी0एफ0 व सेना मे भी रहे उनका हरियाणा प्रदे ा की प्रगति मे बडा हाथ था। उनके निधन पर हमे गहरा दुख है।

श्री जसवत सिंह चौहान, हरियाणा विधान सभा के चार बार सदस्य रह चुके है, वे संसदीय सचिव, उपमंत्री व राज्य मंत्री भी रहे। उनके निधन मे हमे भाोक है। मै उनके परिवार के प्रति सवेदना प्रकट करता हू।

ज्ञानी अमरजीत सिह, हरियाणा आवास बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उनके निधन मे भी हमे गहार दुख है।

न्यायमुर्ति डी0के0 महाजन, पजाब एवम हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्यन्यायाधी ा रहे। उन जैसे योग्य व्यक्ति के निधन से भी हमे गहरा दुख है। उनके प्रति मै सवेदना प्रकट करता हू।

श्रीमती प्रका ा कौर पजाब मे मंत्री रही है। उनके निधन से भी हमे गहरा भाोक है।

अध्यक्ष महोदय, श्री चांदी राम वर्मा, जो सयुक्त पजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे उनके निधन 4 सितम्बर, 1994 को हो गया है। उनके चले जाने का हमे दुख है।

सरदार बलदेव सिंह भी, सयुक्त पजाब विधान सभा के भूपपूर्व सदस्य थे। उनके इस संसार से चले जाने का भी हमे बहुत अफसोस है।

सरदार रतन सिंह, सयुक्त पजाब विधान सभा के भूपपूर्व सदस्य थे। उनके इस संसार से चले जाने का भी हमे बहुत अफसोस है।

इसी तरह से हमारे संसदीय सचिव श्री राजकुमार के पिता श्री दास राम को भी स्वर्गवास हो गया है। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करता हूं। माता पिता का साया अगर सिर से उठ जाए, जो आदमी अपाहिज की तरह हो जाता है।

स्पीकर साहब, इसी तरह से हमारे राज्य मंत्री श्री मुखीया की धर्मपत्नी श्रीमती भाान्ति मुखीया का निधन 12 जुलाई, 1994 को हो गया था। उनके निधन हमे बहुत ही दुख है। इनका जीवन साथी इस संसार से चला गया। इसका हम सब को बहुत अफसोस है। भगवान उनकी आत्मा को भाान्ति दे। अध्यक्ष महोदय, विधाता का नियम है कि जो आता है वह एक न एक दिन इस संसार से जाता है।

अध्यक्ष महोदय, श्री मान चंद राणा जो हिमाचल प्रदे ा के एग्रीकलचर मिनिटर थे उनका स्वर्गवास 5 सितम्बर, 1994 को हो गया है। मुझे उनके मिलने का मौका मिला था। वे बहुत ही

अच्छे आदमी थे। मै उनके प्रति भी सवेंदना प्रकट करता हू। धन्यवाद।

चौधरी बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, उसका मै समर्थन करता हू और पिछले सै ान से इस सै ान के बीच मे, हमारे बहुत से साथी हमे छोडकर चले गए है। उनके प्रति मै सवेदना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, विधाता ने जो लिख दिया, वही होता है। उनके सामने किसी का भी जोर नही चलता।

श्री सुरेन्द्र नाथ जी, पजाब के गवर्नर थे, वे एक बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे और बडे अच्छे प्र ाासक थे। वे बहुत सी ऊंची जगहो पर रहे और सब से ज्याद अफसोस की बात यह है कि जिस ढग से उनका निधन हुआ वह बहुत ही ट्रेजिक बात थी। वे पूरे खानदान के साथ इस संसार से चले गए, यह बहुत ही दुख की बात है। वे एक बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे और बहुत ही अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर थे। उनकी मृत्यु तथा उनके पूरे कुटुम्ब के लोगो की मृत्यु का मुझे बहुत ही अफसोस है।

श्रीमती रामदुलारी सिन्हा, बिहार की असैम्बली की मैम्बर भी रही और मंत्री भी रहे। वे केन्द्र मे भी राज्य मंत्री के पद पर रही। वे एक बहुत ही सुलझी हुई अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर और पालियामैटरियन थी। मै उनके निधन पर भाोक प्रकट करता हू। श्री बहानन्द रेडडी आन्ध्र प्रदे ा मे मंत्री रहे तथा मुख्यमत्री रहे।

वे काफी समय तक दिल्ली मे केन्द्रीय मंत्री भी रहे। अध्यक्ष महोदय, वे काग्रेस के प्रधान रहे तथा फाईनेंस कमि ान के अध्यक्ष रहे। वे महाराश्ट्र के राज्यपाल के पर पर भी सु ाोभित रहे। वे एक पुराने फ्रीडम फाईटर थे। मै उनके निधन पर भााक प्रकट करता हू।

कुमारी आभा मैती प्रोफै ान के एक पत्रकार थी। वे पि चम बंगाल विधान सभा की सदस्या रही तथा मंत्री रही। वे एक बहुत अच्छी सो ाल वर्कर थी। उनके निधन पर मै भााक प्रकट करता हू।

श्री आर0के0 जयचन्द्र सिंह, मणिपूर की राजनीती मे रहे थे। वे मणिपूर के मुख्यमंत्री भी रहे थे और केन्द्र मे राज्य मंत्री भी रहे। मै उनके निधन पर भााक प्रकट करता हू।

चौधरी राम प्रका ा, जो उपमत्री रहे तथा मौजूदा पालियामैट के मैम्बर थे, उनके निधन पर मै भााक प्रकट करता हू।

कर्नल महा सिंह एक सुलझे हुए तथा एक नेक इंसान थे। मेरी सरकार मे वे मंत्री रहे थें। वे एक सो ाल वर्कर थे। वे एक बहुत ही ईमानदार और अच्छे निश्ठावान व्यक्ति थे। उनके निधन पर मै भााक प्रकट करता हू।

श्री जंसवत सिंह चौहान इस सदन मे काफी समय तक सदस्य रहे और मेरी सरकार मे उपमंत्री थे। वे बहुत ही नेक और भारीफ इन्संान थे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करता हू।

जस्टिस डी0के0 महाजन पजाब तथा हरियाणा हाई कार्ट के भूतपूर्व चीफ जस्टिस थे। इससे पहले वे पजाब तथा हरियाण हाई कोर्ट के जज रहे थे। वे एक बहुत ही निर्भीक जज थे। उनके निधन पर मै भाोक प्रकट करता हू।

इस तरह से श्रीमती भाान्ति मुखीजा, जो कि मौजूदा सरकार के राज्य मंत्री श्री भयाम लाल मुखीजा जी की धर्मपत्नी थी, उनके निधन पर भी मै अपनी सवेंदना प्रकट करता हू।

बाकी जिन जिन महानुभावो का नाम, अभी सदन के नेता ने लिया है। उन सब के प्रति मै भाोक प्रकट करता हू और अपने आप को इस प्रस्ताव के साथ एसोि ाऐट करता हू।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Leader of the House and the Leaders of other parties have expressed their sentiments about the departed souls. I also associate my self with their feelings.हमारे पजाब के गवर्नर, हिमाचल प्रदे ा के गवर्नर श्री सुरेन्द्र नाथ जी अपनी फेमिली के दूसरे सदस्यो के साथ वे तीन क्रयू के मैम्बर्ज के साथ हवाई जहाज के ऐक्सीडैन्ट मे मारे गये, जिसका हमे बडा भारी दुख है। सब से पहले वे पुलिस अधिकारी के तौर पर आई0पी0सी0 मे सिलैक्ट हुए और अपना काम बडी समझदारी से करते रहे। वे एक योग्य प्र ाासक

की हैसियत से भी रहे। वे ईस्टर्न स्टेटस मे भी रहे और इसी तरह से जम्मु क मीर व यहा पजाब मे एक एडवाईजर भी रहे। फिर गवर्नर के पद पर आसीन हुए। वे बडी ही सो ाल व्यक्ति थे। उनकी धर्मपत्नी एक सामाजिक कार्यकर्ता थी। श्री सुरेन्द्र नाथ जी बडे ही प्रसन्नचित व्यक्ति थे। हम सभी को उनकी अकस्मात मृत्यु पर बडा भारी दुख है।

श्रीमती रामदुलारी सिंन्हा, केन्द्र मे स्टेट मिनिस्टर रही और लोकसभा की मैम्बर भी रही और एक दफा नही कई दफा रही। वे केरल की गवर्नर भी रही।

इसी तरह से के0 बहानन्द रेडडी जी जो केन्द्र मे मंत्री पद पर भी रहे, आन्ध्र प्रदे ा के मुख्यमंत्री भी रहे और महाराश्ट्र के राज्यपाल भी रहे व काग्रेस के प्रधान भी रहे। इस सभी के चले जाने से हमे बडा भारी दुख है।

कुमारी आभा मैती, जो कि केन्द्र मे राज्यमंत्री थी और कई सालो तक पि चम बगाल विधान सभा की मैम्बार भी रही लोक सभा मे भी रही। उनके निधन पर हमे गहरा भाोक है।

श्री आर0के0 जयचन्द्र सिह, जोकि भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री थे, वे मणिपूर वे चीफ मिनिस्टर भी रहे और वे 1984 मे राज्यसभा के सदस्य भी चुने गये। उनके निधन पर भी हमे बडा भारी दुख है।

इसी तरह से कर्नल महा सिंह जी, जो कि इस हाउस के मैम्बर थे और पचायत डिवैल्पमैट मिनिस्टर भी रहे है। वे फौज मे छोटे पर से ऊपर पद से ऊपर वे कर्नल के पद तक पहुचे। वे सैन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स मे कमाडैन्ट भी रहे। उनके निधन पर हमे बडा ही दुख है।

श्री जसवन्त सिह चौहान, यह की असैम्बली के एक दफा नही, चार दफा मैम्बर चुने गये और वे राई हल्के से संबध रखते थे। वे बहुत ही समझदार व्यक्ति थे। वे पालियामैटरी सैक्रेंटरी भी रहे। डिप्टी मिनिस्टर भी रहे और राज्य मंत्री के पद पर भी आसीन रहे।

ज्ञानी अमरजीत सिंह, हरियाणा मिनरल्ज के चैयरमैन थे। वे भारत सरकार मे हार्टीकल्चर बोर्ड के सदस्य के रूप मे भी एसोि ाएटिड रहे। वे हरियाणा हाऊसिंग बोर्ड के चेयरमैन भी रहे। 66 साल की आयु मे उनका निधन हुआ जिसका हमे बडा भारी दुख है।

जस्टिस डी0के0 महाजन, यही पर पजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज थे। बाद मे वे चीफ जस्टिस बने। ट्रिब्यून ट्रस्ट जो सरदार दयाल सिह मजीठिया ने कायम यिका था, उसके भी वे मैम्बर रहे। इस ट्रस्ट के मैम्बर उच्च कोटि पर पहुचे हुए ही लोग होते है। उनके निधन से हम सभी को दुख है।

श्रीमती प्रका ा कौर पजांब की भूतपूर्व राज्य मंत्री थी। वे कई बार पजाब मे एम0एल0ए0 रही, डिप्टी मिनिस्टर भी रही और स्टेट मिनिस्टर भी रही। वे स्वतन्त्रता सेनानी भी थी। उनके निधन से भी हमे दुख हुआ है।

पडित रघुवीर भारण जी 90 साल की लम्बी उमर ले चुके थे। वे सयुक्त पजाब मे दो बार, 1957 और 1962 मे एम0एल0सी0 रहे। वे एक स्वतन्त्रता सेनानी भी थे। श्री चान्दी राम वर्मा 1952 और 1962 मे दो बार पजाब विधान सभा के मैम्बर रहे उनके निधन से भी दुख हुआ है।

सरदार बलदेव सिंह सिद्धु का 93 साल की उमर मे देहात हो गया है। वे गुरूद्धारा प्रबन्धक कमेटी के मैम्बर थे। वे पैप्सू मे 1952 मे एम0एल0ए0 बने। उनके निधन मे भी हमे दुख है।

सरदार रतन सिंह भी सयुक्त पजाब मे विधान सभा के मैम्बर रहे। उनके निधन से भी हमे दुख है।

श्री मान चन्द राणा हिमाचल प्रदे ा मे एग्रीकल्चर मिनिस्टर थे। उनका अभी 5 सितम्बर का निधन हो गया। वे एक बडे योग्य प्र ाासक थे और समाज सेवक भी थे। उनके निधन से भी दुख है।

श्री दास राम हमारे पालियामैटरी सैक्रेटरी श्री राजकुमार के पिता थे। वे एक बडे समाज सेवक थे और वे करनाल मे बडे प्रतिश्ठिता थे। उनके निधन से भी बहुत दुख है।

श्रीमती भाान्ति मुखीजा हमारे मुखीजा साहब की धर्म पत्नी थी। उनके निधन से भी हमे दुख हुआ है।

इन सभी महानुभावो के बारे मे सारे सदन के नेताओ ने जो सैटीमैटस जाहिर किए है, उनको मै अपनी तरफ से और विधान सभा के सभी सदस्यो की तरफ से असैम्बली की मार्फत भाोक सतप्त परिवारो को भिजवा दूगा। अब आपसे प्रार्थना है कि दिवंगत नेताओ ने सम्मान मे दो मिनट के लिए खडे हो कर मौन धारण करें।

(इस समय दिवंगत व्यक्तियो के सम्मान मे सदन के सदस्यो ने खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, the question hour.

Loan received from World Bank

***941 Shri Jai Parkash:** Wil the Minister for Finance be pleased to state-

(a) the details of the amout of loan reveived form World Bank for various projects during the years 1991 and 1992 to date;

(b) the total amout of annual interest to be paid on the loan;

(c) whether the Government have chalked out any medalities for the repayment of these loans; and

(d) the number of years in which the loan as refferred to in part (a) above is likely to be repaid?

Finance Minister (Shri Mange Ram Gupta):

(a) The total loan reveived form the year 1991-92 to July] 1994 for World Bank/Externally Ajded Projects are Rs. 130.37 crores, details of which is as under:-

(Rs. Crores)

1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	Total
23.75	44.97	55.69	5.96	130.37

(b) The annual interest on loans reffered to in (a) above during 1991-92,1992-93,1993-94 and 1994-95 (July 1994) works out to Rs. 2.49 crores. Rs. 5.60 crores. Rs. 6-61 crores and Rs. 0.72 crores, respectively.

(c) These lonas are being repaid as per terms and conditions determined by the Govt. of India.

(d) As per terms & conditions fixed by the Govt. of India these lons are to be repaid in 20 annual equal instalments together with interest on the oustystanding balances.

श्री जयप्रका ाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि रिप्लाई मे लोन की जो फिग्गर्ज दी गई है वे फिग्गर्ज प्रोजैक्ट वाइज कितनी कितनी है। इसके साथ ही मै यह जानना चाहूगा कि प्रोजैक्ट वाइज जो लोन लिया गया, क्या वह लोन सारा इस्तेमाल हो चुका है? इसके साथ साथ मै दूसरा सवाल यह पूछना चाहता हू कि हमे जितना लोन मिला, उसका रेट औफ इट्रैस्ट कितना था और उस लोन मे से ब्याज समेत कितना लोन री पे कर दिया गया है?

श्री मागे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने लोन की फिग्गर्ज आपक सामने सदन की टेबल पर रखी है। हमारे 6 प्रोजैक्टस ऐसे है, जो वर्ल्ड बैक और सैट्रली एडिड है। एक हरियाणा इरीगे ान का सैकिण्ड प्रोजैक्ट है। जिसके लिए हमे 1991–92 मे 22.15 करोड रूपये लोन मिला था और 9.50 करोड रूपए ग्राट मिली थी। इसके लिए टोटल 31.65 करोड रूपए मिले थे। दूसरा है नै ानल एग्रीकल्चर एक्सटै ान प्रोजैक्ट। इसके लिए 1991–962 मे 0.98 करोड रूपए लोन मिला था और 0.42 करोड रूपए ग्राट मिली थी टोटल 1.40 करोड रूपए मिले थे। तीसरा है इन्टैग्रेटिड वाटर डिवैल्पमैट प्रोजैक्ट कंडी एरिया। इसके लिए 1991–962 मे कोई लोन नही मिला था और ना ही ग्राट मिली थी । चौथा है। ई0सी0री0 रीहैबलीटे ान काम लैड अरावली हिल्ज। इसके लिए 1991–962 मे 0.62 करोड रूपए लोन मिला था और 0. 26करोड रूपए ग्राट मिली थी टोटल 0.88 करोड रूपया मिला था।

पांचवा है नै ानल वाटर मैनेजमैट प्रोजैक्ट। इसके लिए 1991–962 मे कोई लोन नही मिला था और न ही ग्राट मिली थी। छठा हैः एजुके ान प्रोजैक्ट। इसके लिए 1991–962 कोई लोन नही मिला था और न ही ग्राट मिली थी। इसके अलावा मैने टोटल लोन कि फिग्गर्ज ईयर वाइज सदन की टेबल पर रख दी है। इसके साथ साथ मै यह भी बताना चाहूगा कि हम बिद इट्रेस्ट लोन की कि त री पे करने मे कभी भी डिफाल्टर नही हुए। जब भी लोन की कि त डयू हुई, हमने वह ब्याज समेत दी है। केन्द्रीय सरकार की जो टमर्ज एड कमी ांज है, उनके मताबिक हमे यह लोन और ग्राट मिली हुई है। जितनी भी हमारी स्कीम है, जैसे एग्रीकल्चर डिपार्टमैट की स्कीम है, तो एग्रीकल्चर डिपार्टमैट की फाईनैस डिपार्टमैट ईयन्ली बजट अलाट कर देता है। यदि एजुके ान डिपार्टमैट की स्कीम है, तो एजुके ान डिपार्टमैट को फाईनैस डिपार्टमैट ईयरली बजट अलाट कर देता है। यदि इरीगे ान डिपार्टमैट की स्कीम है तो इरोगे ान डिपार्टमैट के लिए फाईनैस डिपार्टमैट ईयन्ली बजट अलाट कर देता है और यदि टैक्नीकल एजुके ान की स्कीम है, तो टैक्नीकल एजुके ान डिपार्टमैट को फाईनैस डिपार्टमैट बजट अलाट कर देता है। सभी डिपार्टमैटस उस पैसे को सही इस्तेमाल करते है। जिन जिन स्कीम्ज के लिए पैसे अलाट किया गया, उस पैसे का सभी डिपार्टमैटस ने सही इस्तेमाल किया है। उसके बारे मे पब्लिक की तरफ से और वर्ल्ड बैक की तरफ से किसी प्रकार की कोई ि ाकायत नही है।

श्री जयप्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय का ध्यान दिलाते हुए याद दिलाना चाहता हू कि पिछले दिनो अखबारो मे भी आया था और सिचाई विभाग के जो इन्जीनियर इन चीफ मि0 गुप्ता जी थे, उन्होने भी कमेटी मे बताया था कि वर्ल्ड बैक से हमे 800 करोड रूपए मिलने वाले है। मै मंत्री महोदय से इस लोन की लैटैस्ट पोजी ान जानना चाहता हू?

श्री मागे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह मामला अभी अन्डर कन्सीड्रै ान है। अभी तक पैसा मिला नही है। ज्यो ही यह पैसा हमे वर्ल्ड बैक से मिल जाएगा विधान सभा मे बता दिया जाएगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा भ ख्याल तो यही था, जो गुप्ता जी ने पूछा है। इसमे मै फरदर पूछना चाहताह हू। इस लोन के बारे मे हमारे सिचाई मंत्री श्री जगदी ा नेहरा जी का कई बार ब्यान आया है कि हमे यह पैसा मिल गया है जबकि वित मंत्री जो कह रहे है कि यह पैसा नही मिला। कही ऐसा तो नही कि यह पैसा सीधा ही सिचाई विभाग का आ गया हो। इस बारे मे बे ाक सिचाई मंत्री जो अपना जवाब दे दे। दूसरे मै यह पूछना चाहता हू कि किस कन्डी ान पर कुल कितने रूपयो का यह प्रोजेक्ट है? इस प्रोजैक्ट मे स्टेट गवर्नमैट ने भी किस रे ाो के हिसाब से अपना हिस्सा डालना है? क्या वर्ल्ड बैक ने ऐसी कोई कडी ान लगाई है? दूसरे क्या यह तो नही है कि 800 करोड

रूपए जो मिलेगा, उनकी भार्तो के हिसाब से स्टेट गवर्नमैट को हर साल आबियान 10 परसेट बढाना पडेगा?

श्री मागे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने इस बारे मे अभी कुछ देर पहले भी बताया है कि यह प्रोजैक्ट फाईनल होकर हमारे पास नही आया कि उनकी क्या क्या भार्ते होगी। इस बारे मे तो सिचाई मंत्री महोदय ही बता सकते है। एफ0डी0 मे अभी तक इस प्रोजैक्ट की कोई स्कीम फाईनल नही आयी है। जब भी पैसा आ जाएगा, बता दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह प्रोजैक्ट कुल 812 करोड रूपए की वर्ल्ड बैक द्वारा मजूर हो चुका है, सिचाई के लिए नहरो की डिवैल्पमैट के लिए, माइनरो को पक्का करने के लिए और टेल तक पानी पहुचाने के लिए। इस सबध मे अभी 2–9–1994 को एक मीटिग हुई थी। उसमे भी इस विशय पर चर्चा हुई थी। उस समय भारत सरकार ने कहा था कि एक मीटिग और करके आपको जल्दी ही इस महीने इस पैसे को रीलीज कर दिया जाएगा। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि वर्ल्ड बैक से जब कोई पैसा आता है, तो वह विभिन्न स्कीमो के लिए अलग अलग भार्तो के आधार पर आता है। कुछ पर सबसिडी होती है, कुछ पर ब्याज नही होता तथा कुछ पर कम ब्याज होता है। जो लोन मिलता है, उसको हम 20 सालो मे वापस करना होता है और उसके पहले 5 साल तक कोई लोन की री पैमट नही पडती। हा, बाद मे जो 15 साल रह जाते है, उसमे

भार्त के आधार पर सारा पैसा ब्याज सहित 15 कि तो मे वापिस करना होता है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैने यह पूछाा था कि यह प्रोजैक्ट कुल कितने रूपयो का है, क्या इसमे कुछ हिस्सा राज्य सरकार का भी है या नही। जो रिपोर्ट मेरे पास है, उस हिसाब मे यह प्रोजैक्ट 1600 करोड रूपए का बैठता है। दूसरे मै यह पूछा था कि क्या वर्ल्ड बैक की भार्तो के मुताबिक इस पैसे को लेने के लिए आबियान 10 परसैट हर साल बढाना पडेगा तथा स्टेट गवर्नमैट को बराबर पैसा खर्च करना पडेगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको चाहता हू कि इस प्रोजैक्ट मे बराबर की कडी ान का कोई सवाल नही है। यह 812 करोड रूपए का प्रोजैक्ट है। ऐसी किसी भोयर की कोई कन्डी ान इस प्रोजैक्ट मे वर्ल्ड बैक की नही है। जहा तक आबियाना बढाने का सवाल है, उस बारे मे मै बताना चाहता हू कि जो कर्ज देता है, वह सारी चीजे देखता है कि आया जिसको कर्ज दिया जा रहा है, उसमे वापिस आयेगा या नही। इसलिए वह अपनी तरफ से सुझाव दे सकता है कि आप अगर हम बिजली के लिए पैसा किसी से लेना चाहेगे तो वह कहेगा कि आपके पौसिबल हो सकेगा, उसके मुताबिक बढायेगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, प्रोजैक्ट रिपोर्ट की कापी मेरे पास भी है, जिसमे टोटल प्रोजैक्ट करीब 1800 करोड रूपए का बनता है जो कि सरकार ने वर्ल्ड बैक को भेजा है इस रा ि ा मे से 900 करोड समथिग तो हरियाणा सरकार खर्च करेगी और 800 करोड समथिंग, उसके मुकाबले मे वर्ल्ड बैक देगा। (विघ्न) स्पीकर साहब, यह इनकी अपनी प्रोजैक्ट रिपोर्ट है।

Mr. Speaker: What do you want to convey? What is the speirit behind you asking this supplementary?

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, what is the amout of the loan?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो स्कीम भेजी जाती है और जो एक्चुअल लोन मिलता है, उसमे फर्क तो होता है वर्ल्ड बैक ने जितना लोन देना माना है उनता ही हमने बताया हैं। केवल स्कीम भेजने से कोई लोन नही मिल जाता। मान लीजिए एक व्यक्ति एक लाख रूपए के लोन के लिए एप्लाई करता है। लेकिन उसको लोन 80 हजार का मिलता है तो लोन तो 80 हजार का ही माना जाएगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कण्डी ान के बारे मे तो इन्होने बताया ही नही। पता नही ये इस बात को सीक्रेट क्यो रखना चाहते है। यह पैसा पब्लिक वैल्फेयर के लिए खर्च होना है। नहरो की लाईनिंग, माडलिग बगैरा करनी होगी। मै यह नही कह रहा कि पैसा खुर्द बुर्द करने की कोई बात है। मै तो सिर्फ इतना

ही कर रहा हू कि क्या सरकार को बराबर का खर्च करना होगा? (विघ्न)

(इस प्र ान का उतर नही दिया गया)

Grant given to Municipal Committess

***870 Shri Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state the total amout of grant given to each Municipal Committee during the years 1992-93 and 1993-94 in the State?

Minister of State for Local Govrnment (Chaudhary Dharambir Gauba): A statement is laid on the table of the house.

Statement showing the Grant in Aid-given to Municiapal Councils/Committees during the year 1992-93 &1993-94

Sr.	Name of M.C	Environmental Improvement of Urban Slums		Adhov Revenue Earning Scheme		Development work (non plan)		Urban basic Service for Poor		Flood Relief	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	Ambala City	488000	733425	90625	-	110000	50000	-	-	-	800000
2.	Ambala Cant	370000	558075	90625	-	90000	50000	-	-	-	-
3.	Kalka	110000	167475	75000	-	50000	240000	-	-	-	-
4.	Naraingarh	55000	85050	50000	-	37000	28800	-	-	-	40000
5.	YamunNagarh	725000	1241000	90625	-	110000	50000	-	-	-	-
6.	Jagdhri	300000	579600	75000	-	70000	40000	-	-	-	-

7.	Buria	25000	48300	50000	-	37000	28800	-	-	-	40000
8.	Chhachharaul i	25000	45150	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
9.	Radaur	35000	62475	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
10.	Sadhaura	35000	72450	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
11.	Thanesar	320000	499275	90625	-	90000	50000	-	-	-	-
12.	Shabad	125000	193200	75000	-	50000	40000	-	-	-	-
13.	Ladwa	125000	119700	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
14.	Pehwoa	75000	134925	50000	-	137000	28800	-	-	-	-
15.	Kaithal	375000	436800	90625	-	90000	50000	-	-	-	-
16.	Pundri	50000	86675	50000	-	37000	28800	-	-	-	290000
17.	Cheeka	55000	129675	50000	-	37000	28800	-	-	-	100000
18.	Kalayat	50000	79275	50000	-	37000	28800	-	-	-	-

19.	Karnal	700000	1067325	90625	-	140000	50000	-	-	-	-
20.	Gharaunda	75000	129675	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
21.	Nilokheri	55000	86100	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
22.	Taraori	55000	98700	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
23.	Assandh	55000	102375	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
24.	Indri	45000	68250	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
25.	Rohtak	850000	1327725	90625	-	150000	50000	-	-	-	500000
26.	Bahadurgarh	275000	486150	75000	-	70000	40000	-	-	-	50000
27.	Jhajjar	110000	170100	75000	-	50000	40000	-	-	-	-
28.	Kalanaur	100000	139250	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
29.	Meham	100000	92925	50000	-	37000	228800	-	-	-	-

30.	Beri	50000	88725	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
31.	Panipat	1025000	1644300	90625	-	140000	50000	-	-	-	500000
32.	Smalkha	70000	112375	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
33.	Sonepat	900000	1237950	90625	-	110000	250000	603000	137000	-	150000
34.	Gohana	125000	197925	75000	-	50000	40000	-	-	-	200000
35.	Ganaru	75000	128625	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
36.	Kharkhoda	50000	80850	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
37-	Gurgaon	110000	1244750	90625	-	110000	50000	1183000	-	273000	50000
38.	Fizhirka	45000	76125	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
39.	Farukh Nagar	75000	49350	50000	-	37000	28000	-	-	-	-

40.	Nuh	55000	245375	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
41.	Sohna	125000	200000	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
42.	Taoru	50000	77125	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
43.	Pataudi	45000	69300	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
44.	Punhana	25000	53550	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
45.	Haily Mandi	50000	81375	50000	-	37000	28000	-	-	-	-
46.	Faridabad	2000000	1000000	-	-	-	-	874000	535000	-	-
47.	Palwal	200000	363300	75000	-	70000	40000	-	-	-	-
48.	Hodel	100000	157500	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
49.	Hathin	25000	48825	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
50.	Hassanpur	75000	43575	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
51.	Rewari	300000	647325	90625	-	90000	250000	-	-	-	-

52.	Bawal	75000	56175	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
53.	Narnaul	200000	318150	75000	-	70000	40000	-	-	-	-
54.	Ateli Mandi	55000	27300	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
55.	Kanina	35000	54075	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
56.	Mohindergarh	75000	120025	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
57.	Bhiwani	490000	747075	90625	-	110000	50000	-	-	-	-
58.	Ch. Dadri	125000	157925	75000	-	50000	40000	-	-	-	-
59.	Loharu	35000	55650	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
60.	Bawani Khera	50000	87150	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
61.	Tosham	25000	51450	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
62.	Jind	35000	523950	90625	-	90000	50000	-	-	-	300000
63.	Narwana	150000	236775	75000	-	50000	40000	-	-	-	50000

64.	Julana	40000	62475	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
65.	Uchana	40000	62475	50000	-	37000	28800	-	-	-	50000
66.	Safidon	75000	123375	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
67.	Hisar	300000	1261025	90625	-	140000	50000	-	-	-	1000000
68.	Hansi	300000	366450	90625	-	900000	50000	-	-	-	300000
69.	Fatehabad	175000	379300	75000	-	50000	40000	-	-	-	1400000
70.	Tohana	200000	310000	75000	-	50000	40000	-	-	-	600000
71.	Ratia	65000	108150	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
72.	Barwala	95000	202775	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
73.	Narnaund	50000	75075	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
74.	Uklana Mandi	25000	53025	50000	-	37000	28800	-	-	-	80000

75.	Siwani	45000	68250	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
76.	Jakhal	25000	34650	50000	-	37000	28800	-	-	-	150000 0
77.	Sirsa	450000	693000	90625	-	110000	50000	-	-	-	468000 0
78.	M/ Dabwali	125000	222075	75000	-	50000	40000	-	-	-	200000
79.	Rania	50000	143325	75000	-	50000	40000	-	-	-	-
80.	Kalanwali	75000	122325	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
81.	Ellenabad	75000	137028	50000	-	37000	28800	-	-	-	-
82.	Mata Sheetla Devi Gurgaon	-	--	-	-	500000	-	-	-	-	-
83.	Mata Bhima Devi Beri	-	-	-	-	-	40000	-	-	-	-
	G.Total	170000	238000	500000		500000	400000	26600	9450	-	179800

		00	00	0		0	0	00	00		00

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेगे कि म्यूनिसिपल कमेटियो को जो ग्रान्ट दी जाती है, उसका सही आधार क्या है। क्या ग्रान्ट आबादी के आधार पर दी जाती है या कुछ और बात सरकार ध्यान मे रख कर ग्रान्ट देती है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै माननीय मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहूगा कि जिन नगरपालिकाओ की आर्थिक स्थिति इतनी ज्यादा खराब है कि वे अपने कर्मचारियो की तनख्वाह तक नही दे पा रही है। क्या उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान मे रख करे, उनके लिए कोई वि ोश प्रावधान सरकार कर रही है?

चौधरी धर्मबीर सिंह गाबाः अध्यक्ष महोदय, म्युनिसिपल कमेटियो को जो ग्रान्ट हम देते है, उसमे कई बातो को देखते हुए जैसे कि म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया मे कितने स्लम्ज है और उनमे कितनी आबादी है। जहां तक ग्रान्ट देने का ताल्लुक है, इस बारे मे सरकार की पालिसी है कि नगरपालिका का जितना विकास होगा उसके हिसाब से ही नगरपालिका को ग्रानट देंगे। जो नगरपालिका मु तर्का डिवैल्पमैट पर ज्यादा से ज्यादा खर्च करे या जिनके पास ऐसी स्कीमे है, उनके आईटेरिया के मुताबिक उनको पैसा दिया जाता है जो स्कीमज हमारे पास आती है उनको देख कर ही हमे पता लगता है कि कौन सी नगरपालिका कितनी तरक्की कर रही है। हम कमैटियो को उनकी स्कीमो के मुताबिक पैसा देते है। जो म्यूनिसिपल कमेटिया अपने पैरो पर खडा होता

चाहती है, उनके लिए भी स्कीम्ज है 60 प्रति ात लोन और 30 प्रति ात ग्रान्ट लोन के अतिरिक्त देगे ताकि वे अपने पैरो पर खडी हो सके। जिन कमेटियो की आर्थिक हालत खराब है, उनके लिए मुख्यमंत्री जी ने 50 लाख रूपया दिया है जो कि हम सब ग्रान्ट के रूप मे देगे। जिन म्यूनिसिपल कमेटियो की फाईनैि ायल पोजी ान ज्यादा खराब है, उनको हम अधिक से अधिक सहायता देने की कोि ा ा करेगे।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि डिवेल्पमैट वर्क्स के लिए जो पैसा दिया गया है, उसका आखिर आईटीरिया क्या है? मिसाल के तौर पर कालका को 2 लाख 40 हजार रूपया दिया गया है जब कि करनाल को 50 हजार रूपया दिया गया है। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि क्या कालका को पैरिस बनाने की कोई योजना है या इसका कोई आधार है? यह इतना डिफरैस क्यो है। (विघ्न)

मुख्यमत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होने भिवानी का नही पढा है। भिवानी के लिए 1992–93 मे 4.90 लाख था। 1993–94 का 7.40 लाख है।

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मैने इनसे पहले भी अर्ज किया है कि हम कोई डिफरैन्स रखते है, हम पैसा तो

नीडज के हिसाब से देते हैं। अगर कोई डिवैल्पमैट का काम करना चाहता है तो उसको ज्यादा पैसा देते है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, क्या कोई ऐसी कमेटी भी है, जो डिवैल्पमैट का काम नही करना चाहती है?

चौधरी धर्मबीर गाबाः जी हा, होती है। अध्यक्ष महोदय, हमने पिछले साल साथ कमेटिया से स्कीम मगाई थी ताकि हम उनको पैसा दे सके। लेनिक हमारे पास कोई स्कीम नही आई।

सरदार जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि पेहवा मे म्यूनिसिपल कमेटी के कर्मचारियो की तीन माह से तन्खवाह के पैसे नही दिए गए है। तो क्या मंत्री जी उन कर्मचारियेा को तनख्वाह दिलाने की कृपा करेगे?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, हमने डिप्टी डायरैक्टर को डिप्यूट किया है ताकि वहा पर पैसा जा सके। अब जो दिक्कत हमारे सामने है वह यह है कि जिस वक्त ये मैम्बर साहिबान पावर मे थे तो इन्होने किसी रिलेटिव या मित्र जिसके जिम्मे सरकार के पैसे पडे थे, उससे वापिस लेने को ठीक नही समझा। उससे पैसा वापिस मांगा नही। हमारे यह सारा पैसा वापिस लेने के लिए डिप्टी डायरैक्टर को डिप्यूट किया है।

चौधरी सुरजभान काजलः अध्यक्ष महोदय, म्यूनिसिपल कमेटी के जिन कर्मचारियो की तनख्वाह नही दी जा रही है, क्या मंत्री जी उन कर्मचारियो को तनख्वाह देने का विचार रखते है?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, जिनको तनख्वाह नही मिल रही है, कमेटी उनको तनख्वाह देगी। मैने पहले भी बताया है कि हमने डिप्टी डायरैक्टर डिप्यूट कर रखा है ताकि उन भाईयो को जल्दी से जल्दी तनख्वाह मिल जाए।

श्री के0एल0 भार्माः अध्यक्ष महोदय, अभी अभी मंत्री जी ने बताया कि म्यूनिसिपल कमेटी की स्कीमो को देखते हुए अनुदान देते है। मै मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हू कि इन्होने जो विवरणी दी है, उसमे गुडगाव का नाम सबसे ऊपर है। लेकिन भााहबाद के अन्दर एक सडक जाती है, जो वर्शा होने के बाद बन्द हो जाती है। न तो बाहर जाया जा सकता है और न ही अन्दर आया जा सकता है। हमने बार बार स्कीमे बनाकर इनको भेजी है। तो मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या यह जो 50 लाख रूपया आया है, उसमे से भााहबाद का भी ध्यान रखेगे?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, ये कहते है कि भाहबाद को पैसा नही दिया गया। 1992–93 मे 1.22 लाख, 1993–94 मे 1.93 लाख रूपए दिए गए। एडहाक रैवेन्यू अनिग स्कीम के तहत 1992–93 मे 75 हजार रूपए दिए गए। इसके

अलावा डिवेल्पमैट के लिए 1992–93 मे 50 हजार तथ 1993–94 मे 40 हजार रूपए दिए गए। ये कैसे कहते है कि पैसे नही दिए है?

श्री के0एल0 भार्मा: स्पीकर साहब, इन्होने जो पैसा वहां के लिए दिया है उसमे तो कुल मिलाकर आधा किलोमीटर सडक ही बनती है।नीड के अनुसार तो वहा के लिए और पैसा चाहिए। स्पीकर साहब, ये कही पर तो लाख लाख रूपए दे रहे है और दूसरी तरफ कही कही पर पचास हजार रूपए ही दिए जा रहे है। पचास पचास हजार से कुछ नही बनता है। सर, जो पचास लाख रूपया इनको मुख्यमंत्री जी की तरफ से दिया गया है, क्या इनके पैस मे ये हमारा भी ध्यान रखेगे?

(इस प्र ान का उतर नही दिया गया)

श्री धर्मपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब मे फरमाया है कि म्यूनिसिपल कमेटी को अनुदान स्लम एरिया के हिसाब से दिया जाता है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या इनके पास कोई ि ाकायत आई है कि जो रा ि ा इन्होने स्लम एरिया मे खर्च करने के लिए नि चत की थी वह रा ि ा वहा पर खर्च न होकर किसी दूसरे कार्य मे खर्च कर दी गई हो? अगर इस तरह की ि ाकायते मंत्री जी के पास आयी है, तो वे कितनी ि ाकायत है और इन ि ाकायत के अनुरूप आपने कितने दोशी व्यक्तियो के खिलाफ कार्यवाही की है?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, म्यूनिसिपल कमेटी को स्लम एरिया के लिए जब पैसा दिया जाता है तो उस समय म्यूनिसिपल कमेटी को वह इस्ट्रक ान दी जाती है कि आप स्लम एरिया पर खर्च किए जाने वाले पैस को किसी दूसरे डिवैल्पमैट के कार्यो पर खर्च नही कर सकते। सर, ऐसा हो ही नही सकता। हा यह हो सकता है कि अगर हमने किसी म्यूनिसिपल कमेटी को स्लम एरिया पर खर्च करने के लिए चार लाख रूपए दिए है तो वह उस रा ि ा मे और रा ि ा मिलाकर यानी पांच लाख रूपए तो खर्च कर सकती है। इसलिए जो चार लाख रूपए हमने उनको स्लम एरिया पर खर्च करने के लिए दिए है, तो वह इस पर ही खर्च होते है।

साथी लहरी सिंह: स्पीकर साहब, जैसे रादौर म्यूनिसिपल कमेटी के बारे मे मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई मे बताया है कि रादौर म्यूनिसिपल कमेटी को 1992–93 मे 350000 रूपय और 50000 रूपए दिए गए है। सर, मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी अभी पिछले दिनो रादौर गए थे और इन्होने वहा के लिए कुछ स्कीम्ज मजूर की थी, जो कि वहा के सीवरेज और तीन सडको के बारे मे थी। मै इनसे जानना चाहूगा कि क्या उन स्कीम्ज पर अभी तक कोई कार्यवाही की गई है? अगर कोई कार्यवाही इन पर की गई है, तो इन स्कीमज पर कितना पैसा लग रहा है और ये स्कीम्ज कब तक कार्यान्वित हो जाएगी?

चौधरी धर्मबीर गाथा: स्पीकर साहब, मै अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि अब हमारे पास सीवरेज को ठीक करने का कार्य नही रह गया है बल्कि यह कार्य अब पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैट के पास चला गया है। लेकिन हमने इनका केस रिकमैड करके पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैट को दे दिया है ताकि इनके केस मे जल्दी कुछ हो सके। जहा तक इनके यहा की सडको के बारे मे बात है तो हम इन सडको के लिए पैसा जरूर देगे।

डा0 राम प्रका I: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि कुरूक्षेत्र मे गांधी बस्ती बिल्कुल स्लम एरिया जैसी है। वहा पर जो सुलभ भौचालय बनाने के लिए पैसा लगाया था उसके काम की क्वालिटी इतनी गदी थी कि अगर उसमे कोई अपने पांव की ऐडी मार दे, तो उसके अंदर पाव चला जाता था। वहां के सैम्पल भी भरे गए थे पर इस पर आज तक भी कोई कार्यवाही नही हुई। क्या मंत्री जी इसको ठीक करने के लिए कोई कार्यवाही करने जा रहे है? दूसरा मेरा सवाल यह है कि कुरूक्षेत्र मे कोआप्रेटिव बैक के निकट तथा अनाज मंडी के पीछे बरसात मे दो दो फुट पानी खडा हो जाता है जिसकी वजह से वहा पर सारे लोग तंग आकर सडको पर निकल आते है। सरकारी कर्मचारियो के लिए भी उस एरिया मे लोगो के सामने जाना बडा ही मु कल हो जाता हैं। मै जानना चाहूगा कि उस पानी की निकासी का क्या कोई प्रबध किया जाएगा? इसके अलावा मेरा इनसे यह भी निवेदन है कि लाडवा म्यूनिसिपल कमेटी के सफाई

कर्मचारी साल मे दो बार धरने पर बैठते है क्योकि उनको लगातार वेतन नही मिलता। जो कर्मचारी रिटायर हो चुके है उनको ग्रेच्यूटी भी समय पर नही मिलती। क्या मंत्री जी इसके लिए कोई व्यवस्था करेगे?

चौधरी धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, मुझसे यह सवाल पूछा गया था कि म्यूनिसिपल कमेटीज को 1992–93 और 1993–94 मे कितनी ग्रट दी गई है। फिर भी मै इनको बताना चाहता हू कि जहां तक कुरूक्षेत्र का ताल्लुक है इसके लिए मै ही कुरूक्षेत्र डिवैल्पमैट बोर्ड भी ऐसे कार्यो पर पैसा लगाता है। इसके बावजूद भी अगर इनकी कोई ि ाकायत है तो मै समझता हू वह ठीक नही है। अगर इनको कोई स्पैसिफिक दिक्कत है तो ये बताएं। मै मानता हू कि अनाज मंडी के पीछे पानी खडा हो जाता है लेकिन हम तो म्यूनिसिपल कमेटी को लिख देते है कि यह दिक्कत जल्दी से जल्दी खत्म कर दी जानी चाहिए।

15.00 बजे।

डा0 राम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, लाडवा म्यूनिसिपल कमेटी की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि एच0एस0ई0वी0 के बिलो की 6–7 साल मे पेमैट नही हो पाई है जिसकी वजह से हर रोज बिजली काट दी जाती है क्या इस स्थिति को सुधारने के लिए मंत्री महोदय स्पै ाल ग्राट देने पर विचार करेगे।

चौधरी धर्मबीर गाबाः बिल्कुल करेगे।

Vacant posts of Teachers/Masters etc.

***876 Prof Chhatter Singh Chauhan:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the number of posts of Teachers, Masters, Head Masters, Lecturers and Principals lying vacant in schools and colleges in the State at present; and

(b) the period form which the posts as referred to in part (a) above are lying vacant?

Education Minister (Shri Phool Chand Mullana):

(a) & (b) A statement is laid on the table of the House.

Sr.	Destgnation	No. of Posts Vacant	Period form which Vacant
		(High Education side)	
1.	Principal (College)	5	As per Annexure –I
2.	Lecturers (College)	358	As per Annexure-II
		(Secondary side)	

1.	Principal (College)	92	As per Annexure-III
2.	Lecturers (College)	441	
3.	Headmaster/Headmistresses	360	do
4.	Masters/Mistresses	695	do
5.	C&V Teachers	769	do
		(Primary Side)	
1.	Head Teachers	1633	As per Annexure-IV
2.	J.B.T Teachers	2394	Do

Sr. No.	Name of College	Period from which vacant
1	2	3
1.	Govt. College, Narwana	1-2-1993
2.	Govt. College for Women Narnaul	1-10-1993
3.	Govt. College, Nahar	May, 1994
4.	Govt. College, Bhattu Kalan	May, 1994

5.	Govt, College, Naraingarh	1-9-1994

ANNEXURE-III

Details of posts of Lecturers lying vancant in Govt. College with dates form which the posts are vancant

Sr.	Name of the College	Subject in which post is lying Vacant	Number of posts lying Vacant	Date from which the posts is are vachant
1	2	3	4	5
1.	G.C Jind	English	Two	7-10-1996
		Physics	Two	4-8-1992
		Chemistry	Three	7-12-1992
		Commerce	Three	23-8-1991
		Zoology	One	N.A
		Comp. Sc,	One	N.A
2.	G.C Narwana	English	Three	8/93
		Hindi	One	7/93
		History	Two	12/91
		Sociology	One	7/90
		Commerce	One	12/91

		Geography	Three	9/93
		Chemistry	Two	8/93
3.	G.C Safidon	English	One	12/92
		Geography	Two	7/92
		History	One	7/93
		Pol. Sc.	One	1/94
		Home Sc.	One	8/93
		Music-V	One	8/93
		Music-1	One	8/93
		Physics	Two	8/93 9/91
		Zoology	One	11/92
4.	G.C Gurgaon	Music V	One	5/91
		Econmics	One	1/94
		Physics	Two	2/94
		Pol. Sc.	One	1/94
		Botany	One+One	8/93,2/94
		Zoology	One	2/94

5.	D.G.C Gurgaon	Commerce	Tow	2/93,11/93
		English	One	2/94
		Physics	Two	9/93
		Psychology	One	9/93
		Phy. Edu.	One	9/93
6.	G.C jatauli, Haily Mandi	Hindi	One	6/93
		Economics	One	8/93
		History	One	11/93
7.	G.C Sidharawali	Hindi	One	9/91
		English	One	2/94
		Sanskrit	One	11/92
		Pol. Sc.	One	2/94
		Economics	One	8/93
		Commerce	One	9/92
8.	G.C Taoru	Hindi	One	9/91

		Commerce	One	11/92
		Economics	One	9/93
9.	G.C Nagina	English	One	8/92
		Hindi	Two	8/92,10/93
		Sanskrit	One	11/92
		History	One	10/92
		Pol. Sc.	Two	1/92,8/93
		Economics	Two	3/93,10/92
		Maths	One	2/94
		Commerce	One	8/93
		Phy.Edu.	One	11/90
10.	G.C Narnaul	History	One	11/93
		Botany	One	11/93
		Zoology	Three	
		English	Six	
		Physics	Three	4/93
		Chemistry	Two	

		Hindi	Two	
		Phy. Edu.	One	
11.	G.C (W) Narnaul	Pol. Sc,	One	2/94
		Sanskrit	One	11/93
		Music-1	One	8/91
		Mill, Sc.	One	8/90
		History	One	1/94
		Commerce	One	1/94
		Hindi	One	1/94
12.	G.C Mohindergarh	English	Nine	(2) 8/91,1/91,7/92,8/93,6/93,//94,(2)
		Hindi	Four	4/92,9/93 (2) 11/93
		Math.	One	
		Pol. Sc.	Three	12/91,8/92,1/94
		Economics	Four	6/93,1/94
		Sanskrit	One	8/93
		Music V	One	7/90

		Home Sc.	One	8/90 (2) No student
		Chemistry	Three	8/92,(2) 8/93
		Physics	One	7/93
13.	G.C Loharu	English	One	1/94
		Hindi	One	1/94
		Commerce	Two	5/93,8/93
		Pol. Sc.	One	2/94
		History	One	2/94
		Economics	One	8/93
		Botany	One	-
		Physics	One	8/93
14.	Govt College of Educations	Nil		
15.	G.C Bhiwani	English	Two	10/93
		Pol. Sc.	One	9/93
		Chemistry	One	6/93
		Math.	One	9/93
		History	One	12/93

		Gerography	One	9/93
16.	G.C Hansi	Hindi	One	11/93
		English	One	8/93
		Commerce	One	11/92
		Geography	Two	9/93,2/94
		Pol. Sc.	One	2/94
		History	One	4/93
17.	G.C Bhattu Kalan	English	Two	7/92,2/94
		Hindi	One	11/93
		Commerce	One	8/93
		Math.	Two	9/93
		History	One	8/90
		Pol. Sc.	One	12/91
		Sanskrit	One	2/94
		Public Admn.	One	7/89
		Phy. Edu.	One	12/90

		Gerography	One	2/94
18.	G.C Adampur	Hindi	Two	1/94,7/92
		English	Four	1/94,7/92,2/94 (2)
		Pol. Sc.	Two	1/94
		Zoology	One	1/94
		Electronics	One	7/92
		Music-1	One	-
		Mil. Sc.	One	2/94
		History	One	2/94
		Sociology	One	2/94
19.	G.C Tohana	English	One	8/93
		Hindi	Two	8/93
		Punjabi	One	2/94
		History	One	8/91
		Pol. Sc.	One	8/92
		Sanskrit	One	2/94
		Math.	Two	2/94

		Commerce	One	2/94
		Physics	One	2/94
		Music –V	One	8/90
20.	G.C Hisar	English	Two	8/93,2/94
		Hindi	One	11/93
		Commerce	One	1/92
		Sociology	One	2/94
		Geography	Two	9/93,2/94
		Pol. Sc.	One	2/94
		History	One	4/93
		Computer Sc.	Two	8/92,2/94
21.	G.C Nalwa	Geography	One	2/94
		English	One	8/93
		Hindi	One	8/93
		Economics	One	12/92
		Math.	One	10/92

		Commerce	One	10/92
		History	One	1/92
		Phy. Edu.	One	10/92
22.	G.C Faridabad	Chemistry	One	11/93
		Economics	One	10/93
		Geography	One	1/94
		Music 1 & V	Two	1/94
		English	One	11/93
		Physics	Two	8/91,11/93
		Psychology	Tow	1/94
		Comp. Sc.	One	7/90
		Sanskrit	One	10/92
		History	One	12/93
		Commerce	One	8/93
23.	G.C Faridabad	Phy. Edu	One	2/94

	Women			
		Maths.	One	2/94
		English	One	4/93
24.	G.C Tigaon	Phy. Edu.	One	1/94
		History	One	2/94
25.	G.C Hodel	English	Two	3/93 (2)
		Maths	One	2/94
		Economics	One	2/94
		History	One	3/93
		Hindi	One	1/94
		Phy.Edu	One	9/90
26.	G.C W. Rohtak	Hindi	One	12/91
		Math.	One	2/94
		Geography	One	12/92
		Psychology	one	2/94
		Home. Sc.	One	9/90

		Fine Arts	One	9/93
		Physics	One	8/91
		Botany	One	2/93
		Phy. Edu.	One	11/90
27.	G.C Jhajjar	English	One	11/93
		Maths	One	1/94
		Mil. Sc.	Two	10/90,2/94
		Physics	Two	6/93,8/89 (1)
		Chemistry	Two	6/93,8/89
		Botany	One	8/89
		Phy Edu.	One	9/93
		Math.	One	1/94
		Mil.Sc.	Two	10/90,2/94
		Physics	Two	6/93,8/89(1)
		Chemistry	Tow	6/93,8/90
		Botany	One	8/89
		Phy.Edu.	One	8/93
28.	G.C Meham	Hindi	Two	11/93,12/93
		Geograph	One	11/93,12/93

		y		
		English	One	2/94
		Math.	One	2/94
		Commerce	One	2/94
		Geography	One	2/94
29.	G.C Dubaldhan	English	Three	8/86,8/93,1/94
		Hindi	Two	11/93,1/94
		Math.	One	7/93
		Sanskrit	One	1/94
		History	One	1/94
		Economics	One	1/94
30.	G.C Dujana	English	One	1/94
		Geography	One	1/94
		Economics	One	1/94
		Sanskrit	One	8/93
31.	G.C Naher	English	Two	12/91,8/92

		Hindi	One	4/93
		Math.	One	2/94
		Pol. Sc.	One	8/92
		History	Two	12/91,12/93
		Commerce	Two	10/91,12/91
		Phy Edu.	One	9/90
32.	G.C Bahadurgarh	Gerography	One	2/94
		English	One	2/94
33.	G.C Panchkula	Psychology	One	2/94
34.	G.C Naraingarh	Sanskrit	One	5/93
		Music V	One	8/91
		Pol. Sc.	One	12/93
		Geography	One	9/91
		History	One	8/91
		Phy. Edu.	One	7/90
		Psychology	One	2/94

		Commerce	One	2/94
35.	G.C Kalka	English	One	12/93
		Hindi	Two	1/94
		Public Admn.	One	7/92
		History	Two	10/93,12/93
		Geography	Two	1/94
		Physics	One	10/92
		Economics	Two	1/94
		Computer Sc.	One	8/93
36.	G.C Gohana	English	Three	8/91,8/93,1/94
		Geography	One	1/94
37.	G.C Karnal	Econmics	One	11/93
		Bio Chemistry	One	10/88
		Computer Sc.	One	5/90

		English	One	2/94
		Commerce	One	2/94
		Gerogrph y	Three	2/94
		Psycholog y	One	2/94
38.	G.C Gharaunda	Economic s	One	2/94
		Geograph y	One	2/94
39.	G.C Kalawali	Economic s	One	2/94
		Pol.Sc.	One	2/94
		English	One	8/93
		Math.	One	8/93
		Physics	One	8/93
		Chemistry	One	8/93
40.	G.C Sirsa	Botany	One	2/94
		History	One	2/94
		Psycholog y	Three	2/94 (2),8/92

		English	One	2/94
		Hindi	One	8/93
		Punjabi	Two	12/91,8/93
		Pol. Sc.	Two	11/90,1/92
		Public Admn.	One	8/91
		Music-1 & V	Two	8/92
41.	G.C Nathusari Chopta	Hindi	One	7/90
		Gergraphy	One	2/94
		Commerce	One	7/90
		Home Sc.	One	7/90
		History	One	7/90
		Phy. Edu.	One	7/90
		English	One	2/94
		Pol. Sc.	One	2/94
42.	G.C Bawal	Zoology	One	8/93
		Geograph	One	2/94

		y		
		Pol. Sc.	Two	8/93,11/93
43.	G.C Barwala	History	One	8/93
		Total		

Category	Upto on month	1-3 months	3-6 months	6-12 months	More then a year	Total
1	2	3	4	5	6	7
Principals	6	19	16	17	34	92
Lecturers	32	86	44	113	166	441
Headmaster/ Headmistresses s	-	80	52	134	94	360
Master/ Mistresses	235	143	84	127	106	695
C& V Teachers	12	95	86	127	449	769
JBT Teachers	189	248	235	472	1250	2394

Head Teachers	61	51	213	251	957	1633

प्रो0 छतर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि इन्होने राज्य की ि ाक्षण सस्थाओ से रिक्त पदो को जो सूची दी है वह बहुत ही हदय विदाकर है। 6747 पद खाली हो और वे भी अगस्त 1991 से जब इनकी सरकार आई उसके बाद से खाली हो। यह बडे दुख की बात है। प्राइमरी स्कूल मे हैड ट्रीचर्ज के 1633 पर खाली है, 2394 पद जे0बी0टी0 के खाली है एक एक कालेज मे 16–16 लैक्चरर्ज की पोस्टे खाली है।

श्री अध्यक्षः आप प्र न पूछिए।

प्रो0 छतर सिंहः स्पीकर साहब, मै प्र ान ही पूछना चाहता हू । मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि 1991 से अब तक ये पद क्यो नही भरे गए और यह भी आ वासन चाहता हू कि ये पद कब तक भर दिए जाएगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को या तो विवरण पढना नही आया या फिर जान बूझकर तथ्यो को तोड मरोड कर सदन मे पे ा किया जा रहा है। मै सदन की सूचना के लिए बता देता हू कि जब से यह सरकार सता मे आई है उससे पहले चार साल के अंतराल मे एक पद भी नही भरा गया था, पिछले दो साल के अर्से मे हमने लगभग 10 हजार लैक्चरर्ज,

मास्टर्ज, हैड मास्टर्ज, प्रिसिपल और जे0बी0टी0 अध्यापको को चयन करके लगाया है और रिक्त पदो को भरा है जिनमे से दो सौ के लगभग कालेज के लैक्चरर्ज है। सैकेण्डरी साईड पर हमने 6300 मास्टल लगाए है और प्राईमरी साईड पर 3760 मास्टर लगाए है। जो पद खाली पडे है, उनमे से कुछ रिजर्व कैटेगरी के कैन्डीडैटस उपलब्ध नही है, इसलिए नही भर पाए। उनके लिए ऐडवरटाईजमैट भेज दिया गया है। एक सूचना देते हुए मुझे हर्श होता है कि जो सिलैक ान हमने की है, वह हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट कही तक चैलेन्ज नही हो पाई है। आप अखबारो मे पढते है कि पिछली सरकार के फेसले कोर्ट मे रद्द हो रहे है जो पद खाली पडे है, उनको भीघ्र भर दिया जाएगा, यह मै आ वासन दे रहा हू।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मैने तो गलत नही पढा। मंत्री महोदय ने अपनी बात ऊपर रखने के लिए बता दिया। एक कालेज मे अगस्त, 1991 मे हिस्टरी के लैक्चरर के दो पद खाली पडे है और बहुत से कालेजिज मे कोमर्स की पोस्टस खाली पडी है और कई सबजैक्टस के लैक्चरर्ज की पोस्टस खाली पडी है, लेकिन मंत्री महोदय यह कहते है कि हमने पोस्टस भर दी है। जो विवरण हमे दिया गया है, उससे पता लगात है कि अगस्त, 1991 मे बहुत सी पोस्टस खाली है। यह सरकार ि ाक्षा के साथ खिलवाड कर रही है और गलत आकडे देकर सदन को गुमराह

कर रही है। क्या मंत्री महोदय यह आ वासन देगे कि कौन से महीने तक ये सारी खाली पोस्टस भर दी जाएगी?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने कालेज साईड के बारे मे ज्यादा पूछा है कालेज साईड मे सरकार की जो मैक ाड पोस्टस है, वे 2279 है और इनमे से केवल 363 पोस्टस खाली है। इन 363 पोस्टस को भरने के लिए देरी इसलिए हो रही है कि यूनिवर्सिटी ग्राटस कमि ान ने क्वालीफिके ान के जो नार्म्ज है, वे बदल दिए और सरकार ने उनको एडाप्ट कर लिया। पब्लिक सर्विस कमि ान को रिक्वीजी ान भेजी जा रही है और ये पद बहुत जल्दी ही भर दिए जाएगें। जहां तक इन्होने यह कहा है कि पूरा विवरण नही दिया, मै इस बारे मे कहना चाहता हू कि मैने पूरा विवरण दिया है मैने पूरी सूची दी है। ये उसको पढ सकते है।

श्री सतबीर सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै यह जानना चाहता हू कि पिछले तीन साल मे कितने टिचर्ज, चाहे वे मास्टर थे, हैडमास्टर थे यह जे0बी0टी0 टीचर थे, रिटायर हुए? अध्यक्ष महोदय, तीन साल पहले कई हजार टीचर लगाए गए थे और रैगुलर हुए, यह ब्यान मंत्री जी ने गलत दिया है। हरियाणा के अन्दर जो टीचर्ज को रिकूटमैट हुई, उसमे सरकार सुप्रीम कोर्ट से हारी लेकिन उसके बाद वाया भटिन्डा उनको रगुलर किया गया। अध्यक्ष महोदय, टोहाना के कालेज मे तीन इगलि ा के लैकचरर्ज की पोस्टस खाली है और महेन्द्रगढ मे हिन्दी के

लैक्चरर्ज की चार पोस्टस खाली है। इसी तरह से बहुत से कालेजो मे पोस्टस खाली पडी है। क्या मंत्री महोदय, इन पोस्टस को जल्दी भर कर ि ाक्षा मे सुधार करेगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कह दिया है कि रिटायर होने पर एडहाक रख लिए। ऐसा नही है । हमने एडहाक भी रखे है, मै इस बात से इन्कार नही करता। एडहाक हमने दो सौ रखे। इन दो सौ मे से 89 हाई कोर्ट मे चले गए और हाई कोर्ट से स्टे ले लिया। 89 तो चल रहे है और बाकी रैगुलर भरने के लिए रिक्बीजी ान भेज रहे है। हमने साईस टीचर लगाए है एस0एस0 टीचर लगाए है और मैथ टीचर लगाए है और लैक्चर भी रैगुलर पोस्टस पर रखे है जो आज तक चैलेन्ज नही हो पाए। अध्यक्ष महोदय, जो पद खाली है उनको बहुत जल्दी भ दिया जाएगा।

Unemployed Persons In the State

***902. Shri Ram Kumar katwal:** Will the Minister of state for labour and Employmnet be pleased to state the total number of unemployed persons belonging to Scheduled Castes registered with the Employment Exchanges in the State at present?

Minister of State for Labour & Employment (Chaudhri Krishan Murti Hooda): Toatal number of unemployed persons belonging to Schemduled Castes registered in the Employment Exchanges as on 30-6-1994 was 1,11,244.

श्री राम कुमार कटवालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अनुसूचित जातियो के लडको की सख्या 1,11,244 बताई है। हालत यह है कि जो लडके अपना नाम लिखाते है, उनको कोई नौकरी नही दी जाती। इस तरह से हरिजनो के बच्चे बिना नौकरी के रह जाते है। जानबूझ कर हरिजन बच्चो की नौकरी नही देते। क्या मंत्री महोदय हरिजन बच्चो को नौकरी देने की तरफ वि ोश ध्यान देगे?

चौधरी कृश्ण मुर्ति हुडडाः अध्यक्ष महोदय, ऐम्पएलाएमैट ऐक्सचेज को जो विभाग वेकैन्सीज भेजते है हम उसके हिसाब से केडीडेटस के नाम विभाग को भेजते है। माननीय सदस्य सो ाल वैलफेयर डिपार्टमैट से जानकारी प्राप्त करे कि कितने हरिजनो को नौकरी दी गई है और किस ढग से दी गई है।

श्री अमर सिंह ढाडाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि हरिजन बेरोजगार जो नौजवान है, उनको रोजगार देने के लिये सरकार के पास कोई स्कीम विचाराधीन है?

चौधरी कृश्ण मूर्ति हुडडाः अध्यक्ष महोदय, जितने भी अलग अलग विभाग है, ये हमारे पास वैकेन्सिज की लिस्ट भेज देते है और हम एक वेकैन्सी के पीछे 10 आदमियो के नाम उनको भेज देते है।

साथी लहरी सिहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेगे कि 1991 के बाद आज तक सरकार ने कितने ि ाडयूल्ड कास्टस कैन्डीडेटस को ऐम्पलायमैन्ट एक्सचेजिज के थ्रू नौकरियो पर लगया है और किस किस कैटेगरीज मे लगाया गया है?

चौधरी कृश्ण मूर्ति हुडडाः अध्यक्ष महोदय, 1991 मे करीब 2065 ि ाडयूल्उ कास्टस को लगाया गया, 1992 मे करीब 1027, 1993 मे 1271 और 1944 मे 1.1.1994 से 30.6.1994 तक केवल 389 ि ाडयूल्ड कास्टस कैडीडेटस को लगाया गया है। किस किस कैटेगरी मे लगाया गया है वह भी मै ईयरवाईज बता देता हू। 1991 मे कैटेगरी वाईज सूचना इस प्रकार से हैः–

1. बिलो मैट्रिक फ्रै ार्ज–815
2. मैट्रिक फ्रै ार्ज–250
3. हायर सैकेण्डी सीनियर सैकेण्डरी फ्रै ार्ज –30
4. ग्रेजुएट फ्रै ार्ज – 57
5. पोस्ट ग्रेजुएट फ्रै ार्ज – 8
6. डाक्टर्ज– 8
7. इजीनियर्ज–

8. डिप्लोमा होल्डर्ज– 7
9. हाई स्कूल टीचर्ज–8
10. आई0टी0आई0 ट्रैन्ड– 27
11. ड्राईवर्ज–15
12. स्वीपर्ज–274
13. टाइपिस्ट–36
14. माली–41
15. स्वास्थय सहायक–176
16. सेनीटरी दरोगा–25
17. लेबर–229
18. कडक्टर्ज–5
19. अदर्ज–107

इसी तरह से 1992 मे कैटेगरीवाईज सूचना इस प्रकार से है:–

1. बिलो मैट्रिक फ्रै ार्ज–250
2. मैट्रिक फ्रै ार्ज–91

3. हायर सैकेण्डी सीनियर सैकेण्डरी फ्रै ार्ज –2
4. ग्रेजुएट फ्रै ार्ज – 4
5. इजीनियर्ज–1
6. डिप्लोमा होल्डर्ज– 2
7. हाई स्कूल टीचर्ज–1
8. जे0बी0टी0 टीचर्ज–2
9. आई0टी0आई0 ट्रैन्ड– 28
10. ड्राईवर्ज–60
11. स्वीपर्ज–402
12. टाइपिस्ट–16
13. माली–18
14. स्वास्थय सहायक–9
15. सेनीटरी दरोगा–3
16. लेबर–63
17. कडक्टर्ज–11

स्पीकर साहब, अगर आप चाह तो मै अगले सालो की भी पूरी जानकारी दे सकता हू।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, मै..... मंत्री जी से यह पूछना चाहता हू कि उन्होने अपने रिप्लाई मे उन को 1 लाख से ऊपर मंत्री ि ाडयूल्ड कास्टस के भाईयो के नाम दिया है जिनका नाम ऐम्पलायमैन्ट ऐक्सचेंजिज मे दर्ज है। लेकिन बहुत से लोग ऐसे है जिनके नाम दर्ज नही होते। अगर आप इन सभी फिगर्ज को मिलाए तो आप इसे अलारमिग सिचुऐ ान कहेगे। 200–250 लोगो को छोउकर ि ाडयूल्ड कास्टस के भाईयो को स्वीपर्ज के अलावा कोई नौकरी नही दी गई है। तो क्या मंत्री जी इस बात को जस्टीफाई करेगे कि जो सरकार की नीति एक परिवार मे एक व्यक्ति को नौकरी देने की है, उसके तहस अब तक कितने हरिजन परिवारो को आईडैटीफाई किया है?

चौधरी कृश्ण मूर्ति हुडडाः स्पीकर साहब, करीब 9998 ि ाडयूल्ड कास्टस को एनरोल किया है। इनमे से 307 लोगो को नौकरी दी जा चुकी है।

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर साहब, मैने यह पूछा था कि आईडैटीफाई कितने किए है? एक लाख के ऊपर तो ऐम्पलायमैट एक्सचैजिज मे ही दर्ज है।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, हमने सारी स्टेट मे पाच लाख परिवार आईडैटीफाई किए है। ये परिवार सभी जातियो से सबधित है और इनके घर मे एक आदमी भी नौकरी पर नही है। 1991 मे हमारी सरकार आने के बाद हमने 6 महीने के अन्दर सर्वे करवा कर आकडे इकटठे किए इन पाच लाख मे से लगभग 1 लाख 11 हजार ऐसे परिवार है जो हरिजन और बैकवर्ड है। हमने अब तक पांच लाख मे से दो लाख लोगो को रोजगार दिया है। इनमे हरिजनो को भी उनकी परसैटेज के मुताबिक लिया है। आपने अपने वक्त मे 20 प्रति ात की जगह 11 प्रति ात ही लगाए थे। हमने 1991 मे 28.9 परसैट, 1992 मे 27.9 परसैन्ट, 1993 मे 28.6 परसैन्ट और 1994 परसैट 25.1 हरिजन भाईयो को नौकरी दी है। आपकी तरह नही कि 20 परसैन्ट की जगह 11 परसैट लगाए। दूसरे अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रधान मंत्री जी की एक योजना है एक नौजवान लडकें को एक लाख रूपए लोन देने की। भारत सरकार ने फेसला किया है कि उसके लिए कोई जमानत लेने की आव यकता नही है। कोई हरिजन लडका एक लाख रूपया लोन ले सकता है और अपना कारोबार कर सकता है। जो वह कमाई करेगा, वह उसमे प्लस हो जाएगा। उस पर साढे सात हजार रूपए सबसिडी भी है। उसका ब्याज भी कम है और वह आसान किस्तो मे पैसा वापिस करेगा। उसके लिए अब तक लगभग 25 हजार नौजवानो ने लोन लिया है जिनमे हरिजन भी है। जहा तक रोजगार देने का संबध है हमने करीब 11 सौ सोसाइटीज की बसो के परमिट दिए है। उसमे आम लोगो के लिए

दसवी पास होने की भार्त है लेकिन हरिजनो को हमने आठवी पास वालो को भी मान्यता दी है ताकि वे अपनी जीविका कमा सके।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी कर रहे है कि 307 लोगो को नौकरी मिली है और 9998 लोन एनरोल किए हुए है। मै सीधा सवाल पूछा रहा हू। (ाोर)

डा0 रामप्रका ाः अध्यक्ष महोदय, अभी सम्पत सिंह जी ने मंत्री जी को बेरोजगार मंत्री कहा था, वे भाब्द कार्यवाही से निकलने चाहिए। वे बेरजागार मंत्री नही अपितु एम.एल.ई. है।

श्री अध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड पर न लाया जाए।

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे एक अनुरोध करना चाहता हू आप जौ फेसला देगे, वह हाउस को मान्य होगा। इस हाउस मे सम्मानित सदस्य बैठे हुए है। और लीडर आफ दी हाउस सदन को गुमराह कर रहे है। यह आपकी जिम्मेदारी बनती है कि आप इनको कहे कि ये प्रदे ा के लोगो को गुमराह न करे। (ाोर) पिछले अधिवे ान मे मुख्यमंत्री जी ने हाउस को गुमराह किया था उस समय आप इसी चेयर पर बैठे थे। उस समय मुख्यमंत्री जी ने एक सवाल के जवाब मे कहा था कि बिजली बोर्ड पर साढे तीन सौ करोड रूपए का घाटा है। आज फिर इस सवाल के जवाब मे हाउस को गुमराह कर रहे है हम इस हाउस के सम्मानित सदस्य है और हम हरियाणा प्रदे ा की जनता तक सही जानकाी पहुचाने चाहते है। अगर हम कोई एतराज नही।

यदि मुख्यमंत्री हाउस को गुमराह करते रहे और हम मूर्ख द र्शक बन कर बैठे रहे और इनकी बात को सुनते रहे तो यह हमे कतई तौर पर बर्दा त नही होगा। आप अपने अधिकारी को समझे उनका सी इस्तेमाल कर। (ाोर)

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, तो खडे है और आप लगातार बोल रहे है यह क्या तरीका है? (ाोर)

श्री अध्यक्ष: अगला सवाल।

Surplus Land in Village Uplana

***895 Shri Krishan Lal:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether any land has been declared surplus under the Haryana Calling on Land Holdings Act, 1972 in Village Uplana, Distt Karnal So far; if so, the total acreage thereof; and

(b) whether the land as referred to in part (a) above has been allotted, if not, the reasons thereof?

राज्सव मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) गांव उपलाना, जिला करनाल मे हरियाणा भूमि धारण की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत कोई भूमि अरिरिक्त घोशित नही की गई है और इसलिए कुल भूमि एकडो मे भून्य समझी जाये।

(ख) भाग (क) मे दिये गये उत्तर के दृश्टिगत कोई अतिरिक्त भूमि अलाट करने का प्र ान ही नही उठता।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, उससे मंत्री जी हाउस को गुमराह करना चाहते है। मैने यह सवाल नही पूछा था जिसका इन्होने जवाब दिया है। मैने तो सवाल यह पूछा था कि गांव उपलाना जिला करनाल मे टोटल कितने एकड सरप्लस जमीन है और जितनी सरप्लस जीन है, क्या वह अलाट कर दी गई है? यदि अलाट कर दी गई है तो कितनी लोगो को अलाट की गई है? लेकिन मुख्यमंत्री जी ने जवाब ही और दिया है और यह जवाब दे कर इन्होने हाउस को गुमराह किया है।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जो मैन सवाल पूछा है मैने उसका ही जवाब दिया और मैने हाउस को गुमरारह नही किया है।

श्री कृश्णर लालः स्पीकर साहब, मैने आपके आफिस मे जो सवाल दिया था, उसको बदल दिया गया है। आप इसको चैक करवा ले। मैने आपके आफिस मे जो सवाल दिया था वह यह सवाल नही है।

श्री निर्मल सिंहः आपने जो सवाल पूछा है, मैने उसका जवाब दे दिया है।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है उसका मंत्री जी ने बिल्कुल सही जवाब दिया है। माननीय सदस्य ने सवाल पूछा लिया कि गांव उपलाना जिला करनाल मे अब तक हरियाणा भूमि धारण की अधिकतम सीमा अधिनियम 1972 के अधीन किसी भूमि को अतिरिक्त घोशित किया गया है। मंत्री जी ने इसका बिल्कुल ठीक जवाब दिया है कि गांव उपलाना जिला करनाल मे हरियाणा भूमि धारण की अधिकतम सीमा अधिनियम 1972 के अन्तर्गत कोई भूमि अतिरिक्त घोशित नही की गई है। आपको क्वै ाचन तो ठीक तहस से पूछना चाहिए था। गांव उपलाना जिला करनाल मे 1953 मे 1227 एकड जमीन सरप्लस घोशित की गई थी जिसमे से 628 एकड जमीन, जो दूसरा कानून बना, उसके अनुसार छूट गई। जो 599 एकड जमीन रह गई उसका सुप्रीम कोर्ट मे केस चल गया और उस जमीन पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दे दी, इसलिए वह जमीन किसी को नही दी गई।

Panipat Thermal Power Plant

***888 Dr. Ram Parkash:** Will the Minister for Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to hand over 600 MW Panipat Thermal Power Plant to Nationl Thermal Power Corporation; and

(b) if so, on what terms and conditions thereof?

Power Minister (Shri A.C Chaudhry):

(a) No Sir,

(b) Question does not arise.

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मै यह जानना चाहता हू कि सरकार ने एन.टी.पी.सी. का कुल कितना लोन देना है। क्या यह सच है कि एन0टी0पी0सी0 ने पिछले दिनो ऐसा वि वास दिलाया था कि इस थर्मल प्लाट का प्लाट लोड फैक्टर बेहतर किया जा सकता है। वे इस प्लांट की सारी जिम्मेवारी लेना चाहते है लेकिन जो कर्मचारी वहा काम कर रहे है, उनको उन्होने लेने से इन्कार कर दिया, ऐसा पिछले दिनो समाचार पत्रो मे आया था। क्या यह तथ्यो पर आधारित जानकारी है।?

श्री ए0सी0 चौधरी: अध्यक्ष महोदय, एन0टी0पी0सी0 के कलेम के मुताबिक 1993 तक हमने उनको 363.92 करोड रूपया देना था। यह भी सही है कि उन्होने इस प्लांट को खुद लेने का प्रस्ताव रखा था कि यदि इसको हमे देना चाहते है तो हम सुधार कर सकते है। लेनिक हम आपका स्टाफ नही लेगे। अब यह सरकार के लिए एक चिन्ता का विशय बन गया कि यदि प्लांट दे दे तो हमारे हजारो कर्मचारी काम कर रहे है, वे कहा जाएगे? ये सभी हमारे हरियाणा के ही भाई है। इनके हित का भी ध्यान रखना सरकार का दायित्व है। जब उन्होने यह भार्त रखी तो हमने स्पश्ट भाब्दो मे इन्कार कर दिया कि यदि आप हमारे कर्मचारी नही लेना चाहते, तो हम यह प्लांट आपको देने के लिए तैयार नही है।

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, इसका अर्थ यह हुआ कि इस प्लाट का लोड फैक्टर बढाया जा सकता है और एन0टी0पी0सी0 इसे बढा सकती है। मै बताना चाहता हू कि बिजली बोर्ड को 90 लाख रूपये का घाटा प्रतिदिन हो रहा है। हम यह घाटा इसलिए बर्दा त कर रहे है कि वह हमारे उस प्लाट के कर्मचारियो को लेना नही चाहते। उन्हे बचाने के लिए इसमे घाटा ही घाटा बर्दा त करते जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान मे भी मैने यह बात स्पश्ट की थी कि वहा पर प्रति यूनिट बिजली प्रोडक ान के हिसाब से जितने कर्मचारी रखे जाने चाहिए, उसके कही ज्यादा रखे हुए है। इसलिये सरकार घाटा बर्दा त करती जा रही है। इस घाटे को कम करने के लिये क्या मंत्री महोदय इस बात पर विचार करेगे कि भविश्य मे जब भी वेतनमान सं ाोधित किए जाए या नये पद बनाये जाए तो, उससे पहले वित्त विभाग की अनुमति ले ली जाएगी ताकि जो घाटा बढता जा रहा है उसको कम किया जा सके?

श्री ए0सी0 चौधरी: अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै यह बात कलियर कर देना चाहता हू कि हमारे इन्जीनियर्ज एन0टी0पी0सी0 से कही ज्यादाप काबिल है। उनके सोच किस चीज पर आधारित है, उस पर मै अपना और सदन का समय बर्बाद करना नही चाहता। वे पिक एण्ड चूज के आधार पर स्टाफ लेना चाहते है ऐसा हम नही करेगे। मै यह भी स्पश्ट कर देना चाहता हू कि इस प्लांट की जो इन्सटाल्ड कैपैसिटी है, उसके मुताबिक

हम इस प्लाट को चला रहे है। जहां तक हमारे प्लााट के लोड फैक्टर का सवाल है, वह एन0टी0पी0सी0 ने जो ने ानल लेवल पर प्लांट लोड फैक्टर निर्धारित किया हुआ है, हमारे फरीदाबार का उससे की ज्यादा है। उससे ज्यादा पावर जनरे ान हम अपने प्लांट मे कर रहे है। पिछलो दिनो इसमे कमी इस लिए आ गई थी कि इस प्लाट की एक टयूब मे डिफैक्ट आ गया था, जिसकी वजह से जनरे ान कुछ समय के लिए नही हो पायी। इसकी रिप्लेसमैट के लिए हमे इसको बन्द करना पडा था। यह टयूब जो 2010 मैगावाट यूनिट की है, वह खराब हो गई थी। यह बात सही है कि हमारे पास पैसे की कमी है। एक बात मै यह भी बता देना चाहता हू कि हमारे जो प्लांट लगे हुए है वे कोयले की क्वालिटी के हिसाब से डिजाईन किए हुए है। यदि हमे उसके मुताबिक कोयला न मिले या उसके घटिया मिले, तो भी परपो र्निटली जनरे ान कम आ जाती है। स्पीकर सर, मै इतना ही कर सकता हू कि आज की तारीख मे हमारी जो बिजली की कन्जम्प ान 363 लाख यूनिट हो रही है। उसके अगेन्स्ट हमारी अपनी बिजली 70–75 लाख यूनिट बनती है। बाकी स्टेट की रिक्वायरमैट के मुताबिक परचेज करते है । अध्यक्ष महोदय, मै यह स्पश्ट करना चाहूगा कि इनऐफि ायन्सी, नैगलीजैसी टैक्नीकल या कोई और ऐसा कारण नही है जिसे मैन मैड कहा जा सके।

श्री सतबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि पानीपत प्लांट के जो

पांचो के पांच यूनिट है, वे कभी भी एक साथ काम नही करते, क्या यह बात सही है? दूसरे क्या यह बात भी सही है कि जो प्लाटस है, वे अपनी पूरी 100 प्रति ात कैपीसिटी पर नही चलते जैसे कि 210 वाला 180 और 180 वाला 165 की कैपीसिटी पर चलता है? अध्यक्ष महोदय, मेरा तीसरा सवाल यह है छठा यूनिट जो चोधरी औमप्रका ा चौटाला और चौधरी देवी लाल की सरकार के समय दिसम्बर 1990 मे भाुरू हुआ था, उस पर पिछले 3 साल के दौरान वर्तमान सरकार ने कितना पैसा खर्च किया है? खुखडाना गांव की साईट मंत्री जी देख कर आए थे, व बताए कि उसकी डिस्प्यूट का क्या समाधान उन्होने निकाला है और यह कब तक पूरा करेगे?

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, इनकी बात से मुझे बचपन मे सुनी हुई भोखचिल्ली की कहानी याद हो आई है। इनकी सरकार की ऐफि ांएसी का अन्दाजा तो इनके भाासनकाल मे बिजली की प्रोडक ान से आप स्वय ही लगा सकते है। 1998–89 मे पानीपत की जैनरे ान 16750 लाख यूनिट थी और उसके बाद 1989–90 मे 16730 और 1990–91 मे 16300 लाख यूनिट थी जब कि उसके अगेन्स्ट 1991–92 मे मौजूदा सरकार के आने के बाद यह जैनरे ान 24590 लाख यूनिट के मुकाबले मे 24590 लाख यूनिट और उसके बाद 1992–93 मे 26740 लाख यूनिट जैनरे ान हुई। विघ्न अध्यक्ष महोदय, जहा तक पी0एल0एफ0 का सवाल है, उसके बारे मे भी मै बता देता हूं।

जिस यूनिट को चौटाला साहब के टाईम का ये बता रहे है, इसके लिए कोई एलोकेट नही किया गया। इन्होने न तो कोई यूनिट भ्रारू किया और न ही कोई यूनिट कम्पलीट किया है। जितने भी यूनिट चालू हुए है, वे सभी चौधरी भजन लाल जी के मुख्यमंत्री काल मे भ्रारू हुए और उसमे ही कम्पीलट हुए है। इस सरकार ने लोगो की हर असुविधा को दूर करने का पूरा प्रयास किया है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर

Family Planning Centers in the State

***909 Shri K.L Sharma:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) the total number of Family Planning Centers, in the State as at present and the amount spent on each centre during the last three years; and

(b) the total number of persons undergone Vasectomy/Tubectomy operations in the State during the period as mentioned in part (a) above?

Health Minister (Smt Shanti Devi Rathi): (a) the total number of Family Planning Centres in the State at present is 112. The amount spent on each centre during the last three years i.e 1991-92, 1992-93 and 1993-94 is as per enclosed annexure 'A', 'B' and 'C' However, the total amount spent during the said period is Rs. 1342-61 Laksh.

(b) The total number of persons who have undergone Vasectomy and Tubectomy operations in the State during the last thre year is 301148. Year wise details are as per Annexure 'D'

ANNEXURE – A

Rural Family Welfare Cnetres		Expenditure		
		1991-92	1992-93	1993-94
1	2	3	4	5
Ambala				
1.	Mullana	2-93	3.07	3.71
2.	Raipur Rani	4.04	5.23	5.52
3.	Pinjore	4.08	4.61	5.34
4.	Chormusttpur	4.19	4.25	4.66
Yamuna Nagar				
5.	Sahaura	2.40	3.44	3.73
6.	Mustafabad	4.69	5.01	5.54
7.	Bilaspur	2.28	2.89	3.29
8.	Khizarabad	3.81	4.31	4.88

9.	Radaur	3.69	4.50	4.70
Kurukshetra				
10.	Jhansa	3.22	3.46	4.22
11.	Pehowa	4.23	5.00	5.66
Kaithal				
12.	Kalayat	2.97	3.33	3.15
13.	Rajond	3.34	4.23	4.21
14.	Guhla	2.99	3.05	2.99
15.	Siwan	2.62	2.74	3.13
16.	Kaul	3.25	4.05	4.25
Karnal				
17.	Nilokheri	3.56	3.17	3.73
18.	Gharunda	3.29	4.18	4.20
19.	Balla	0.78	1.51	0.70
20.	Indri	3.71	4.56	3.44
21.	Nissing	2.81	2.74	3.28
22.	Assandh	3.08	2.10	4.12
Panipat				
23.	Bapoli	-	2.18	3.40

24.	Samalkha	-	2.06	2.54
25.	Ahar	-	1.96	2.53
Sonipat				
26.	Juan	2.14	3.42	3.84
27.	Gannaur	4.40	4.49	4.61
28.	Gohana	3.89	4.26	5.52
29.	Mudlana	2.02	3.21	2.93
30.	Halalpur	3.59	4.37	3.80
31.	Kharkhoda	3.19	3.86	4.89
Rohtak				
32.	Sampla	3.26	4.32	3.99
33.	Kiloi	3.31	3.65	4.36
34.	Madina	7.56	7.76	7.82
35.	Kahnaur	7.01	7.03	7.45
36.	Dhakla	2.97	2.80	2.43
37.	Badli	10.08	10.40	9.13
38.	Chhara	9.20	8.29	8.33
39.	Chiri	9.32	9.81	9.92
40.	Dighal	3.26	3.99	4.57

Faridabad				
41.	Mandkola	2.28	3.04	3.11
42.	Dudhoal	2.23	2.25	2.42
43.	Hassanpur	2.18	2.21	2.35
44.	Aurangabad	3.33	4.40	4.45
45.	Kheri Kalan	2.14	2.30	2.38
46.	Hathin	3.12	3.30	3.42
Gurgaon				
47.	Ghasers	2.27	3.00	3.07
48.	Pataudi	2.21	2.10	2.41
49.	Bhora Kalan	1.97	1.96	3.08
50.	Nagina	2.16	3.50	3.18
51.	Farukh Nagar	2.13	2.70	3.38
52.	Ghangola	2.46	3.00	2.59
53.	Punhana	2.26	3.00	3.99
Rewari				
54.	Khol	3.36	4.43	4.75
55.	Bawal	7.93	9.92	10.08
56.	Gurawara	5.59	6.05	10.08

57.	Nahar	5.36	6.47	7.47
Mohindergarh				
58.	Ateli	3.58	4.31	4.56
59.	Kanina	2.32	2.33	2.33
60.	Sehlong	2.38	2.65	2.78
61.	Nangali Sirohi	1.47	1.39	1.19
62.	Dochana	3.76	2.80	3.04
63.	Nangal Chaudhri	2.54	4.12	4.34
64.	Satnali	2.37	2.79	3.03
Bhiwani				
65.	Nakipur	2.53	2.64	2.88
66.	Kariu	3.93	4.06	4.18
67.	Miran	0.92	1.25	1.42
68.	Gopi	2.50	2.69	2.79
69.	Bond Kalan	3.59	3.60	3.88
70.	Jhojhu Kalan	3.55	3.55	3.80
71.	Dhanana	1.09	1.16	1.23
Jind				

72.	Julana	9.39	10.58	12.09
73.	Shamlo Kalan	7.46	7.30	8.48
74.	Uchana	0.39	.64	0.99
75.	Gogharian	6.00	10.29	9.00
76.	Kalwa	8.20	6.04	7.11
77.	Ujhana	10.08	7.32	904
Hissar				
78.	Jakhal	5.46	7.32	7.69
79.	Mangali	5.39	6.11	7.91
80.	Ratia	6.07	8.53	8.96
81.	Barwala	5.30	6.99	8.48
82.	Sisai	4.44	5.44	7.84
83.	Khanda Kheri	6.63	7.72	8.38
84.	Sorkhi	6.79	8.87	9.79
85.	Bhattu Kalan	5.14	6.84	6.90
86.	Bhuan	5.40	7.55	8.38
87.	Siswal	5.28	4.03	6.34
88.	Ladwa	1.05	1.29	1.33
89.	Mirchpur	4.85	5.20	5.90

Sirsa				
90.	Madhosinghana	1.96	2.48	2.67
91.	Odhana	3.33	2.82	4.16
92.	Barajudha	1.66	1.35	0.99
93.	Rania	2.38	1.98	2.48
	Total	338.39	396.37	424.85

ANNEXURE – B

(Rs. In Lacs)

Urban Centres Run By Govt.

		1991-92	1992-93	1993-94
1	2	3	4	5
1.	Sohna	0.28	0.36	0.58
2.	Kalanaur	0.64	0.60	0.67
3.	Hodel	0.66	0.68	0.71
4.	Faridabad	1.93	2.02	2.20
	Total	3.51	3.66	4.16

Urban Centres Run by Voluntary Organisations

1.	Panipat	0.53	2.21	2.44

2.	Ambal Cantt	1.82	2.02	2.44
3.	Ambala City	1.02	1.14	1.31
4.	Yamuna Nagar	1.25	1.99	2.73
5.	Yamuna Nagar (F.P.A.I)	1.11	1.10	2.35
6.	Ladwa	0.56	0.61	0.66
7.	Shahabad	0.79	0.85	0.95
8.	karnal	3.54	2.13	1.84
9.	Jhajjar	0.44	0.80	0.71
10.	Rewari	0.81	1.95	1.66
11.	Mohindergarh	0.25	0.26	0.36
12.	Tohana	0.23	0.34	0.35
13.	Sirsa	0.69	0.63	0.77
14.	Amabala Cantt. F.P.A.I	2.00	2.15	2.29
15.	Kalka F.P.A.I Panchkula	0.46	0.50	0.53
	Total	15.50	18.68	21.39

ANNEXURE-C

Rs. In Lacs

Expenditure incurred on construcation work

		1991-92	1992-93	1993-94
Ambala				
	Mulana	-	-	14.14
	Chaurmostpur	-	-	0.20
	Raipur Rani	-	8.07	4.00
Sirsa				
	Odhan	0.22	0.03	0.26
	Baragudha	-	0.14	-
Yamuna Nagar				
	Radaur	7.40	6.61	14.42
	Mustafabad	1.12	1.32	15.45
	Sadhaura	-	6.16	6.32
	Bilashpur	-	0.12	4.65
	Khizrabad	-	17.13	8.34
	Total	8.74	39.58	67.78

Rs in Laksh

Total Expenditure Year	
1991-92	Rs. 366.14
1992-93	Rs. 458.29
1993-94	Rs. 518.18
Total	1342.61

ANNEXURE-D

Target & Achievemnets of Sterlization Operations

Year	**Targets**	**Achivement**			
		Vasectomy	Tubectomy	Total	%Ach
1991-92	104000	20.29	98731	100760	96.9
1992-93	10400	1944	96103	98047	94.3
1993-94	110000	1989	100352	102341	93.0
		5962	295186	301148	

Aid Patients

***919 Prof Sampat Singh:** Will the Minister for Health be plaesed to state-

(a) the total number of AIDS patients admitted is Govt. Hospitals in the State during the period form 1st July

1991 to date together with the details of facilities being provided to them;

(b) whether the commonly used medicines meant for the treatmnet of AIDS patients namely Retrovir (Welcome) Zidovir (Cipla) Salt Name, Zidovudine are readily available in the Govt.Hospitals or with the Chemists in the State; and

(c) whether any amount of grant for the pateient of AIDS has been reveived for the Union Govt. during the years 1991-92,1992-93,1993-94 and 1994-95; if so, the details thereof?

राजस्व मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी)

(क) ऐडस रोग के नाम से कोई रोगी वर्श 1991 से दाखिल नही हुआ परन्तु 50 रोगियो को 1.7.1991 से 31.7.1994 तक जांच के समय ऐडस से पीडित पाया गया। इन रोगियो को उनके लक्षणो के अनुसार चिकित्सा तथा जांच की सुविधाए हस्पतालो मे प्रदान की गई।

(ख) औशधियो जिनके नाम रेटोवियर वेलकम, जिडोवेयर सिपला, तथा जिनके रासायन का नाम जिडोवुडिन है राज्य के सरकारी हस्पतालो तथा औशधि विक्रेतओ के पास उपलब्ध नही है।

(घ) कोई भी रा ि ा वि ेश रूप से अनुदान हेतु ऐडस से पीडित रोगियो के लिये नही दी गई। फिर भी ऐडस की

रोकथाम/एडस नियंत्रण कार्यक्रम हेतु केन्द्रीय सरकार से निम्नलिखित रा ि ा प्राप्त हुई है।

	वर्श	प्राप्त अनुदान रा ि ा लाखो मे
1.	1991—92	भून्य
2.	1992—93	29.23
3.	1993—94	54.30
4.	1994—95	91.83

Pre-Examination Coaching for IAS/IPS Examination

***923 Sathi Lehri Singh:** Will the Minister of State for Welfare of Scheduled Castes and Backward Classes be pleased to state-

(a) the total number of candidates belonging to Scheduled Castes who received Pre-Examination coaching for IAS/IPS Examination during the years 1991-92,1992-93 and 1993-94:

(b) the total expenditure incurred thereon; and

(c) the percentage of successful candidates out of them who appeared in these examination during the said period?

अनुसूचित जातिया एवम पिछउे वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (चौधरी जोगिन्द्र सिंह):

(क) कुल 138 उम्मीदवार, वर्शवार विवरण निम्न प्रकार से है

क्रम सख्या	वर्श	उम्मीदवारो की सख्या
1.	1991—92	67
2.	1992—93	33
3.	1993—94	38

(ख) 287870 रूपये

(ग) 1.45 प्रति ात

Watertabl in Faridabad and Gurgaon Districts

***931 Shri Azmat Khan:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that water table of District Faridabad and Gurgaon is going down: and

(b) if so, steps taken or proposed to be taken to raise the water table in the aforesaid Districts?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) हां, श्रीमान जी ।

(ख) सरकार भू जल संसाधनो को विधिवत रूप से संचालन के लिए तथा भू जल स्तर बढाने के तरीको के बारे मे विचार कर रही है।

H.R.D.F Amount

***929 Shri Kitab Singh:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state the districtwise details of the amount of H.R.D.F disbursed in the State during the years 1992-93 & 1993-94?

विकास मंत्री (श्री राव बंसी सिंह): वान्छित सूचना अनुबन्ध ''क'' पर रखी जाती है।

अनुबन्ध ''क''

हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्र ाासन बोर्ड

एच.आर.डी.एफ. बोर्ड की वर्श 1992–93 तथा 1993–94 मे वितरित की गई रा ि ा का जिलावार विवरण (रूपयो लाखो मे)

क्रम सख्या	जिला का नाम	वर्श 1992–93	वर्श 1993–94
1	2	3	4
1.	अम्बाला	19.65	254.51

2.	भिवानी	73.98	137.58
3.	फरीदाबाद	74.62	45.63
4.	गुडगांव	91.69	150.22
5.	हिसार	259.12	481.46
6.	जीन्द	14.38	82.90
7.	कैथल	7.22	134.21
8.	करनाल	39.00	69.25
9.	कुरूक्षेत्र	6.11	75.06
10.	महेंन्द्रगढ	61.97	137.87
11.	पानीपत	4.9.22	30.54
12.	रिवाडी	102.44	72.40
13.	रोहतक	158.90	131.51
14.	सोनीपत	58.54	81.40
15.	सिरसा	154.29	178.68
16.	यमुनानगर	56.18	36.14

17.	मुख्य अभियन्ता पचायती राज	1112.00	1013.21
18.	मुख्य अभियन्ता जन स्वास्थय	200.00	433.00
19.	पी.डबलू.डी. बी एण्ड आर	271.73	—
20.	अन्य	4.08	500.00
	कुल जोड	2815.12	4045.57

State Carriage Permits

***915 Shri Mohan Lal Pippal:** Will the Minister of State for Trasnport be pleased to state-

(a) the total number of State Carriage Permitsd issued during the year 1994-95; and

(b) the number of permits out of those as referred to in part (a) above, issued to the perosns belonging to the Scheduled Castes?

राज्य परिवहन मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) 1076 लैटर आफ आफर जारी किए गए है। दिनांक 11.8.1994 आव यक औपचारिकतांए पूर्ण करने के प चात 220

परिवहन सहकारी समितियो ने परमिट ले लिए है। अत बसो को मार्ग/सडक पर चला दिया है।

(ख) निजीकरण की स्कीम अनुसार परमिट बेरोजगार युवको की सहकारी समितियो को ही दिए गए है न किसी अन्य एक युवक को तथा अनुसूचित जातियो के लिए कोई वि ोश आरक्षण नही है।

अतारांकित प्र ान एवम उतर

Construction of Block 'A' Civil Hospital Karnal

***183. Shri Jai Parkash:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct Block 'A' of Civil Hospital, Karanl; and

(b) if so, whether any amount for the construction of said block has been sactioned during the current financial year toghether with the time by which it is likely to be constructed?

स्वास्थय मंत्री (श्रीमति भाान्ति देवी राठी):

(क) जीं हा।

(ख) जीं नही।

Building of Mini Secretariat and Judicial Complex at Karnal

***184 Shri Jai Parkash:** Will the Minister for Revenue be pleased to state.

(a) whether there is any prposal under consideration of the Govt. to Construct a building for Mini Secretariat and Judical Complex at Karnal; and

(b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid buildings is likely to be started/completed?

राज्य मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) जीं हा।

(ख) हरियाणा भाहरी विकास प्रधिकरण द्वारा सैक्टर–12 पार्ट–1 करनाल मे 14.25 एकड भूमि निर्धारित की गई है। कथित भवन का निर्माण कार्य हुडडा द्वारा राजस्व विभाग को भूमि का कब्जा देने के बाद भाुरू किया जाएगा।

Amount Spent on the Construction of Roads in Karnal City

***185. Shri Jai Parkash:** Will the Minister of State for Local Govrnment be pleased to state-

(a) the total amount allocated to the Muncipal Committee, Karnal for the construction repari of rods of karnal City during the year 1993-94; and

(b) the details of amount spent on the roads as referred to in part (a) above so far?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा)

(क) वर्श 1993–94 के दौरान करनाल भाहर की सडको के निर्माण मुरम्मत के लिए नगरपालिका, करनाल को सरकार द्वारा कोई धन एलोकेट नही किया गया।

(ख) वर्श 1993–94 मे उपरोक्त (क) के अन्तर्गत कोई रा ि ा व्यय नही की गई, तथापि, नगरपालिका, करनाल मे रूपये 2264601 की रा ि ा वर्श 1993–94 के दौरान अपने साधानो मे से खर्च की है, जिसका ब्यौरा निम्न प्रकार से है।

ईटो के खरंजे बिछाने पर किया गया व्यय	रूपए 1619708
सीमेट कंकरीट के फ र्ा बिछाने पर किया गया खर्च	रूपए 644893
कुल व्यय	रूपए 2264601

***186 Dr. Ram Parkash:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Govt. to set up Panorama Projection Taramandal, Themepark, Gitadwar and Mahabharat at Kurukshetra; and

(b) if so, the time by which the aforesaid schemes are likely to be implemented?

Interim Reply

''धर्मबीर गाबा

D.O No. 7/4/94-2C11

अ0स0पत्र क्रमांक .....

.....

राज्य मंत्री

स्थानीय भाासन विभाग,

हरियाणाए चण्डीगढ

दिनांक 10.9.1994

Subject:- Unstarred Assembly Question No. 186 asked by Dr. Ram Parkash, M.L.A

Respected Ch. Ishawar Singh Ji,

The Assembly Question cited as subject related to the following

1. Kurukshetre Development Board, Kurukshetra.

2. Science and Technolgy Depatement, Haryana

3. Public Relations and Cultural Affairs Department.

Since the quesion relates to three Departments/Board it will take time to collect and process the iformation to answer the Question, it is, therefore requested that 4 weeks time may be allowed to furnish the reply.

With regards

	Yours Sincerely, Sd/ (Dharambir Gauba)
Ch. Ishawar Singh. Speaker, Haryana Vidhan Sabha, Chandigarh.”	

School Buildings Declared Unsafe

***187 Dr. Ram Parkash:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether the buildings of Primay, Middle and High Schools in the State, if any, declared unsafe during the period from April, 1991 todate; if so, the number thereof; and

(b) the number of school buildings out of those referred to in part (a) above have been reparired so far?

िक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) जी हां, अप्रैल 1991 से अब तक 164 प्राथमिक, 21 माध्यमिक तथा 55 उच्च विधालय भवन असुरक्षित घोशित थे।

(ख) अब तक 63 प्राथमिक, 13 माध्यमिक तथा 33 उच्च विधालय भवनो की मुरम्मत की जा चुकी है।

Four Lanning of Pipli to Kurukshetra Road

***188. Dr. Ram Parkash:** Will the Chif Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct four lanning/widening of road form Pipli to Kurukshetra University, Kurukshetra; and

(b) if os, the time by which the road is likely to be four laned or widened?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) सरकार ने कथित सडक को केवल पिपली से थानेसर अर्थात कुरूक्षेत्र रेल उपरगामी पुल पहुच मांग को चार मार्गो बनाने का अनुमोदन कर दिया है।

(ख) इस स्थिति मे समय सीमा नही बताई जा सकती।

Widow Pension

***189. Dr. Parkash:** Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state-

(a) the district wise number of women getting widow pension at present:

(b) the number of women out of those referred to in part (a) above belonging to Scheduled Castes and Backward clases; and

(c) the period upto which the pension has been disbursed so far?

समाज कल्याण राज्य मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) निराक्षित महिलाओ एवम विधवाओ की जिलावार सख्या जो विधवर पै ान प्राप्त कर रही है, अनुबन्ध ''ए'' पर देखे लेवे।

(ख) ऊपर भाग 'क'' मे निदिश्ट महिलाओ मे से अनुसूचित जातियो तथा पिछडी श्रेणियो से सबंधित महिलओ की सख्या जो हरियाणा विधवा एवम निराक्षित महिला पै ान योजना के अन्तर्गत पै ान प्राप्त कर रही है, अनुबन्ध ''ए'' मे देख ली जाये।

(ग) मई, 1994 तक की अवधि की पै ान वितरित की जा चुकी है।

अनुबन्ध ''ए''

विधवा पै ान स्कीम के अन्तर्गत दिंनाक 30.6.1994 को लाभपात्र (जिसमे अनूसूचित जाति एवम पिछडी श्रेणी के लाभपत्र भाामिल है) का जिलावार ब्यौराः–

क्रमसख्या	जिले का नाम	30.6.1994 को कुल लाभपत्रो की सख्या	कुल लाभपत्रो मे अनुसूचित जाति के लाभपत्रो की सख्या	कुल लाभपत्रो मे से पिछडी श्रेणी के लाभपत्रो की सख्या
1	2	3	4	5
1.	अम्बाला	8791	1758	2197
2.	यमुनानगर	7420	1792	1612
3.	कुरूक्षैत्र	6136	2148	1963
4.	कैथल	8209	2511	2625
5.	करनाल	10362	1045	2745
6.	पानीपत	6155	1044	1627
7.	सोनीपत	9308	1711	1678
8.	रोहतक	13938	4615	2617

9.	फरीदाबाद	10426	2137	1145
10.	गुडगाव	10617	2804	2368
11.	रिवाडी	3689	922	684
12.	नारनौल	4173	828	417
13.	भिवानी	9483	2060	1926
14.	जींद	6645	1769	1148
15.	हिसार	17665	5344	3288
16.	सिरसा	7791	2904	2075
	कुल	140808	35392	30089

Buses of Faridabad Depot

195. Shri Karna Sing Dalal: Will the Minister of State for Transport be pleased to state the total number of buses running in the Haryana Roadways Depot during the year 1993-94?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह):

वर्श 1993–94 के दौरान हरियाणा रोडवेज, फरीदाबाद डिपो मे जो बसे चल रही थीउन की कुल संख्या=219

***196. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Power be pleased to steate whether any tranformers in sub-Division, Palwal remained defective during the month of July, Augusat 1994; if so, the number and loacation thereof togetherwith the capacity of each tranformer and the period after which the Transformation are generally changed?

बिजली मंत्री श्री ए0सी0 चौधरी हां श्रीमान जी, जुलाई अगस्त 1994 के महिनो के दौरान सिटी उपमंडल पलवल के अन्तर्गत निम्नलिखित वितरण ट्रासफर क्षतिग्रस्त हुए हैः–

क्रमसख्या	ट्रासफरमर की क्षमता	सीान
1	2	3
सिटी उप मण्डल पलवल		
1.	200 के0वी0ए0	बाल्मीकी पार्क, पलवल
2.	100 के0वी0ए0	जय दयाल, पलवल।
3.	100 के0वी0ए0	नई सब्जी मण्डी, पलवल।
4.	100 के0वी0ए0	रेंलवे स्टे ान, पलवल।
5.	63 के0वी0ए0	बाली नमर, पलवल।

6.	40 के0वी0ए0	हंसराज कक्कड, जी0टी0रोड, पलवल
7.	200 के0वी0ए0	पन्नी स्लेटस, पलवल।
8.	100 के0वी0ए0	एल0डी0 प्रणाली, पी. डबलयू.डी. कालोनी न0 1 पलवल
9.	100 के0वी0ए0	थाना कियावाडी रोड पलवल।
10.	100 के0वी0ए0	एल.डीत्र प्रणाली, राजपूत मोहल्ला, जवाहर नगर पलवल।

इस महीनो के दौरान इन क्षतिग्रस्त ट्रासफारमरो को बदलने मे सामान्य रूप से एक सप्ताह लगता है।

Building of I.T.C Palwal

***197 Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister of State for Industrial Training and Vocational Education be pleased to state-

(a) whether the building of I.T.I Palwal has been declared un-safe; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to get the building repaired?

औघोगिकर प्र ि ाक्षण एवम व्यवसायिक ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्र पाल मान):

(क) नही।

(ख) हांलाकि यह भवन सरंचना की दृश्टि से असुरक्षित नही है। भवन पुराना होने के कारण इसकी छतो की पलस्तर, चौखटो का बदलना तथा खिडकियो के भी ाो को बदलना आव यक है। वाछित मुरम्मत धनरा ि ा उपलब्ध होने पर लोक निमार्ण विभाग के माध्यम से करवाई जाएगी।

Construction of Bridge on Uttawar Distributary

***198 Shri Karan Singh Dalal:** Will the Chif Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge over the Uttawar distriburaty of Gurgaon Canal near Attarchata Village of Palwal; and

(b) if so, the estimated cost thereof?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) नही जी।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Desilting of Canals in the State

206. Prof Chhatar Singh Chauhan: Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) the estimated budget for desilting the canals during the financial year 1994-95;

(b) the estimated budget for desilting has been started ;and

(c) if so, the total amount spent thereon?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) नहरो की गाद निकालने के लिए अलग से कोई अनुमानित बजट का प्रावधान नही किया जाता फिर भी याद निकालने का कार्य काई हटाने/अन्दरूनी सफाई तथा राजबाहो के रख रखाव का कार्य जहा आव यक हो, नहरो के रख रखाव तथा इन्हे चालू स्थिति मे रखने से सबधित बजट व्यवस्था से खर्च किया जाता है। इस उद्दे य के लिए वर्श 1994–95 के लिये 942 लाख रूपये का समचे तौर पर प्रावधान किया गया है।

(ख) तथा (ग) नहरो से गाद निकालने के कार्य पर खरीफ फसल ऋतु से पहले 64.96 लाख रूपये की रा ि ा खर्च की गई है।

Construction of Roads

208 Chaudhri Balwant Singh Maina: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the construction work of the roads of the following villages of Rohtak District has been started-

(i) Hasssangarh to Khurampur;

(ii) Hasssangarh to Samchana,

(iii) Hasssangarh to Surana; and

(iv) Baland to Kharota;

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be constructed?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां

(ख) ये सडके यथा भीघ्र धनराि ा की उपलब्धा पर पूर्ण कर दी जायेगी।

Matching Grants

209. Chandhri Balwant Singh Maina: Will the Minister of State for Sports be pleased to state whether the matching grant for the construction of Mini Stadium, Ismaila (Rohtak) has been released so far, if not, the reasons therefor?

खेल राज्य मंत्री (श्री राजे ा भार्मा): ईस्माइला (रोहतक) मे मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए अभी कोई अनुदान नही दिया गया है। इसके लिए विभाग को जो प्रस्ताव 16–8–1994 को प्राप्त हुआ है। वह विचारधीन है।

Provision of Drainage System

210 Chaudhri Balwant Singh Maina: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to lay drainage system to drain out the rainy water form Sampla Mandi; and

(b) if so, steps taken or proposed to be taken in this regrad?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) नही।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Construction of Tanks/Ponds

207. Chaudhri Zile Singh Jakhar: Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state the number of tanks/ponds, if any, constrcted in the villages of State during the year 1993-94 togetherwith the total expenditure incurred thereon alongwith the purpose for which these have been got constructed?

विकास मंत्री (राव बंसी सिंह): जीं हा। वर्श 1993–94 के दौरान विभिन्न स्कीमो के अन्तर्गत राज्य के गावो मे 475 जोहडो/तालाबो का निर्माण किया गया जिस पर 394.06 लाख रूपये का खर्च हुआ। इन तालाबो/जोहडो का निर्माण सूखे से

बचाव, जल संचय, मछली पालन तथा प ाुओ के लिए जल सग्रह के उद्दे ाय के लिएा करवाया गया।

Opening of Govt. Girls High Schools at Koelpur Khetwas

205. Shri Daryao Singh: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under conisderation of the Government to up grade the Government High School, Koelpur Khetwas in District Rohtak to 10+2 system and opening of a new Government Girls High School in the said village; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialised?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना):

(क) जी नही।

(ख) उपरोक्त ''क'' के दृश्टिगत प्र न ही नही उठता।

Recruitment of Excis and Taxation Inspectore

212 Prof. Chatter Pal Singh: Will the Minister for Exicse and Taxation be pleased to state-

(a) the district wise names and addresses of the persons recommended for recruitment on the post of Excise and Taxation Inpsectors by the Subordinate Services Selection Board, 31st March, 1993; and

(b) the number of persons out of those as referred to in part (a) above have been given appointmeat so far?

आबकारी तथा करधान मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) 1 जुलाई, 1991 से 31 मार्च, 1993 की अवधि मे अधीनस्थ सेवांए चयल मंण्डल, हरियाणा ने आबकारो तथ कराधान निरीक्षको के पद पर नियुक्ति के लिए किसी व्यक्ति की सिफारि ा नही की।

(ख) उपरोक्त (क) मे दिए गए उतर के दृश्टिगत नियुक्ति देने का प्र ान उत्पन्न नही होता।

घोशणाएं

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) पैनल आफ चेयरमैन

Mr. Speaker: Hon'ble Members, under rule 13(1) of the Rules of Procedure and conduct of Busines in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the Panel of Charimen:-

1. Shri Verender Singh

2. Shri Mani Ram Keharrwala

3. Shri Dhri Pal Singh

4. Prof. Chhatar Singh Chauhan

(ii) कमेटी आन पैटी ंज

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I nominate the following members to serve on the Committee on Petitins under rule 286(1) of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly:

1.	Shri Sumer Chand Bhatt, Deputy Speaker	Ex officio Chariman
2.	Shri Brij Anand, M.L.A	Member
3.	Shri Mani Ram keharwala, M.L.A	Member
4.	Prof. Chhatar Singh Chauhan, M.L.A	Member
5.	Shri Jai Pal Singh, M.L.A	Member

(ख) सचिव द्वारा

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make an annoucement.

सचिवः सर, मै उन विधेयको को द ार्ाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा मे अपने मार्च 1993 तथा मार्च, 1994 मे हुए सत्रो मे पारित किए थे तथा जिन राश्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन के पटल पर रखता हू।

विवरण

March Session, 1993

1. The Maharshi Dayanand University (Amedndment) Bill, 1993.

2. The Kurukshetra University University (Amedndment) Bill, 1994.

March Session, 1994

1. The Medical College, Rohtak (Conditions of Service of Teachers) Amedndment Bill, 1994.

2. The Haryana General Sales Tax (Amedndment) Bill, 1994.

3. The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amedndment and Validation) Bill, 1994.

4. The Faridabad Complex (Regulsation and Devlopment) Amedndment Bill, 1994.

5. The Haryana Mechanical Vehicles (Bridge Tolis) Amedndment Bill, 1994.

6. The Haryana Tax on Luxuries Bill, 1994.

7. The Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1994.

8. The Punjab land Revenue (Haryana Amedndment) Bill, 1994.

9. The Punjab Land Reveuce Haryana (Amedndment) Bill, 1994.

10. The Haryana Municipal (Amedndment) Bill, 1994.

11. The Haryana Appropriation (No.2) Bill, 1994.

12. The Haryana Panchayati Raj, Bill, 1994.

विभिन्न विशयो का उठाया जाना

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने और मेरी पार्टी के काफी सदस्यो ने आपको तीन चार मो ार्न्ज दी हुई है। उनमे से एक तो जमुना वाटर एकोर्ड के बार मे है। उस एकोर्ड मे सैन्टर सरकार के आगे हरियाणा सरकार ने घुटने टेक कर हमारे पानी के हितो की बलि चढा दी है। पहले से लगभग 30 प्रति ात हमारे पानी की कमी हो गई है । इस विशय मे बाकी मै आप द्वारा हमारी मो ान एडमिट करने पर ही बताऊगा। इन नट भौल मे कहना चाहता हू कि 1954 के एग्रीमैट के मुताबिक दस हजार नौ सौ क्यूसित पानी अगर अवेलेबल है, तो उसमे से 8400 क्यूसिक हरियाणा का और 2500 क्यूसिक यू0पी0 का था। यह 77 प्रति ात बनता था। स्पीकर सर, तो यह जो ऐग्रीमैट हुआ है, उसके मुताबिक अब 47 परसैन्ट है और कहा पहले 77 प्रति ात बनता था। दूसरे, यह हम बाद मे बतायेगे कि इन्होने सैक्रीफाईस क्यो कर दिया? किस तरह से इन्होने अपने पोलिटिकल इट्रैस्ट सैन्ट्रल सरकार से पूरे करवाने है। अभी पजाब के मुख्य मंत्री का ब्यान आ गया कि रावी ब्यास का पानी आप भूल जाओ और जब भाुक्ला जी केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री भिवानी आये तो उन्होने कहा कि पानी

का मामला प्रधानमंत्री पर छोड दो। अध्यक्ष महोदय, साढे तीन साल से प्रधानमंत्री परी ही छोड रखा है। बाद मे मुख्यमंत्री जी का ब्यान आ गया कि हम क्षेत्रीय व जल विवाद को डि लिक करते है। खर, व्यवहारिक तौर पर देखा जाए तो यह जल लिक विवाद कब थे लेकिन अब डि लिंक करने की मं ाा है? इसकी मं ाा यह है कि एव.वाई.एल. की नहर तो न बने और न ही रावी ब्यास का पानी आए लेकिन चंडीगढ का ट्रांसफर कर दिया जाए। स्पीकर साहब, प्रधानमंत्री जी का अभी पजाब का विजिट पैडिग पडा हुआ है, और उन का जब यह विजिट हो तो यह अनाऊसमैट हो जाए। एस.वाई0एल. जो बनी हुई है, वह भी खत्म हो रही है और साढे तीन साल मे उस पर एंक इंच भी काम नही हुआ है। हम चाहते है कि सरकार स्वंय इस बारे मे एक रैजोल्यू ान लाए और खुद पास करे। अगर सरकार ऐसा करती है तो सरकार को सभी पार्टीज का समर्थन मिलेगा। यह जो एस.वाई.एल. का काम 20 फरवरी 1991 को वी.आर.ओ. को दने का आर्डर हुआ था, तो उसी को यह काम दे दिया जाए और चाहे तो किसी दूसरी सैन्ट्रल एजेंसी को यह काम दे दे। अगर चण्डीगढ ट्रांसफर होना हो तो नहर पर काम भी पूरा सायटलटेनीयसली होना चाहिए।

पिछले दिनो बरसात होने की वजह से किसान बच गए नही तो सरकार की तरफ से बिजली का और पानी देने का काम खत्म हो गया था। मुख्यमंत्री जी की प्रैजेंस मे इनके अपने गांव मे भी औरतो ने घडे फोडे थे। इनके हल्के चौधरीवाली मे घडे फोडे

गए थे। स्पीकर साहब,ऐसी स्थिति हो गयी थी। यह तो राम बरस गया तो कम चल गया। लेनिक कुछ गांव मे घग्गर से और यमुना से काफी एरिया थे, उनमे सरकार बदोबस्त नही कर पायी। चार पांच जानो का नुकसान भी हुआ, माल का नुकसान भी हुआ, प ुओ का नुकसान भी हुआ, चारे का भी नुकसान हुआ और इसके अलावा मकान भी गिर गए। पानी इक्टठा होन की वजह से बिमारियो फेली है, उसके बावजूद भी सरकार ने कोई काम वहा पर नही किया गया है।

इसी तरह से स्पीकर साहब, एक और मो ान हमने आपके दी है जो कि जींद मे चार आदमियो के अपहरण के कांड के बारे मे है। पहली बात तो यह है कि सरकार पर ही यहां पर ऊगली उठती है। कहा गया कि जुआ खेल रहे है। सर, कोई तो उनको जुआ खिला रहा था, कोई तो उनको सरंक्षण दे रहा था। सवाल यह नही है कि वे लोग छोटे थे या बडे थे। लेकिन उन लोगो को वहा से उठाया गया था। उनमे से एक आदमी तो फिरौती देकर आ गया है तो इस तरह से, स्पीकर साहब, यह सब क्या है? यह सब कानून व्यवस्था की बाते है जो कि हरियाणा मे खत्म्म हो गयी है। कोई कानून नाम की चीज आज हरियाणा मे नही है। आज सारे हरियाणा मे जंगल का राज है। रोजना हत्यांए बलात्कार और डकैतियां हो रही है। सरे आम लोगो को लूटा जा रहा है। चाहे वह जींद वाल बात हो, चाहे वह अम्बाला के सेखो हत्याकांड वाली बात हो। स्पीकर साहब, जब डायरैक्ट मंत्री ऐसी

बातो मे इवांल्वड हो, फिर क्या कहा जा सकता है? जींद के केस मे हमारे सीनियर साथी जो कि फाईनैन्स मिनिस्टर भी है, इंवाल्ड है। वहा पर जब लोग अपने प्रोटैस्ट के लिये इनके पास आते है, अपनी ग्रीवैन्सिज करने के बजाय उनको गालियां देते है, औरतो की वे यांए कहते है। मुख्यमंत्री जी जब उन लोगो के दर्द पर पटटी करने के लिए तीन मन्त्रियो का जींद मे भेजते है, तो ये वहा पर तीनो मन्त्रियो के साथ ऐसा सलूक करते है जैसे राम लीला मे हनुमान गदा उठाकर लोगो को पीटता है। इस तरह से ही वहा पर तीन मन्त्रियो को पीटा गया। स्पीकर साहब, आज वहा पर जात पात का जहर उगला जा रहा है जबकि मुख्यमंत्री जी कहते है कि हमारी सरकार ने जात पात को खत्म किया है। लेकिन स्पीकर साहब, जात पात का इजैक ान लगाया जा रहा है। इस तरह से तो बहुत ही खराब माहौल हो जाएगा। इसलिये मुख्यमंत्री जी को चाहिए कि वे वहा के हालात पर काबू पाये और इन लोगो पर लगाम लगाए वरना सारा ही सत्याना ा हो जाएगा।

स्पीकर साहब, इसी तरह से रोहतक से पुलिस की कस्टडी मे कदी सोनीपत कोर्ट गये थे और जब ये वापस लौट रहे थे तो रास्ते मे हमलावारो ने इन पर हमला किया। जिसकी वजह से चार मे से दो कैदी तो मारे गए लेकिन आज तक भी हमलवारो फरार है और उनका कोई पता नही है। इसी तरह से अम्बाला का सेखो हत्यांकाड है। सर, सेखो एक पैट्रोल पम्प का मालिक था। एक अच्छा नागरिक था। जब पुलिस इस केस मे लोगो को

पकडकर ले जाती है तो वे हर चौरहे पर कहते है कि हमने यह मर्डर निर्मल सिंह के कहने पर जो कि सरकार मे मंत्री है, किया है। अम्बाला के हजारो लोगो ने उनको यह कहते हुए सुना था। लेनिक इसके बावजूद भी मुख्यंमत्री जी पता नही क्या मंत्री जी के खिलाफ कार्यवाही करने के झिझक रहे है। इसके खिलाफ तो 302 का केस रजिस्टर करके मंत्री पद से डिसमिस करना चाहिए ताकि प्रान्त के लोगो मे भी वि वास पैदा हो।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। इस केस की सी.बी.आई. जांच कर रही है, इसलिये इसके बारे मे कुछ भी कहना ठीक नही है क्योकि इससे जांच पर असर पडता है। मै इनसे कहूगा कि मेहरबानी करके इनको अपनी बात दायरे मे ही कहनी चाहिए (ाोर एवम व्यवाधान) इन्होने अपनी बात कर दो, ठीक है। इस केस मे भी जुडीि ायल इक्वायरी जैसी ही बात है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसी तरह से एक और बात मै मुख्यमंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहूगा। पता नही यह बात इनके नोटिस मे है भी या नही कि दडवा कला क्षेत्र मे एक गांव पीलीबदोरी है जो कि हिसार डिस्ट्रिक्ट मे पडता है। वहा पर एक साल साल के बच्चे को किसी फेमिली ने तात्रिको के कहने पर उठाया और उठाकर उसके बीस टुकडे कर दिएं। चार दिन के बाद उस बच्चे के कुछ टुकडें तो मिल गए और कुछ टुकडो का आज तक पता नही है। गाव के लोगो को डेपुटे ान मुख्यमंत्री जी और

यह के सरकारी अफसरो से मिला और कहा कि दोशियो को जल्दी पकडा जाए। परन्तु असली अपराधी अभी तक नही पकडे गये है। स्पीकर साहब, इस केस की किसी इंजीपैडेट एजेंसी से जांच करवायी जानी चाहिए। इसी तरह से पहले एक केस इनके अपने इसराना गांव मे भी हुआ था तो स्पीकर साहब, इस तरह की घटनांए बडी दुखद है। पता नही लोग आज के जमाने मे भी इन तान्त्रिको के कहने पर क्यो छोटे छोटे बच्चो को इस तरह मार देते है। इसलिये स्पीकर साहब, ऐसे लोगो को पकड कर उनको पूरी तरह से सजा दी जानी चाहिए फिर कोई भी आदमी ऐसी हिम्मत न करे सके।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हमने 3–4 नोटिस दिए है। एक नोटिस तो हमने अंडर रूल 84 दिया है। यह जो यमुना नदी के पानी का समझौता हुआ, उसमे हरियाणा के साथ बहुत बडा वि वासघात हुआ है। कहा तो यू0पी0 को पानी जरूरत के वक्त मिलता था उसका हिस्सा 23 परसैन्ट और हरियाणा का 77 परसैन्ट। हरियाणा को उसके बाद 73 परसैन्ट मिलता था और यू0पी0 को 27 परसैन्ट मिलता था और 10 हजार 900 क्यूसिक्स से ऊपर पानी नदी मे आए तो 2/3 हरियाणा को 1/3 यू0पी0 को मिलता था। मुख्यमंत्री जी ने दस्तखत करके यह कहा कि हरियाणा को पानी ज्यादा मिलेगा और आजकल भी कहते है कि पानी ज्यादा मिलेगा और एक बार बीच मे यह भी कहा कि हमने मानवता के आधार पर पानी दे दिया। मानवता के आधार पर

हमे ा हरियाणा ही सब कुछ करता रहेगा। हरियाणा के लोगो के लिये ही मानवता है बाकी किसी के लिए नही है। पानी देते वक्त मुख्यमंत्री जी ने राजस्थान को भी पानी दिया जबकि राजस्थान का हिस्सा पानी मे नही था। हरियाणा मे पहले बांध बनाए गए थे चार बडे नदी नाले वहा से आते थे साहबी लौन्डवा कृश्णावती और दुहाना। क्या मुख्यमंत्री जी ने राजस्थान सरकार ने यह कहा कि तुमने जो बांध बनाए है, उनमे से पानी छोडो। जो हम ाा हरियाणा को पानी आता था, उस पानी से हरियाणा को क्या वचित किया गया। एस.वाई.एल. का भी कोई जिकर नही है। क्या मुख्यमंत्री जी ने उस वक्त भारत सरकार ने यह कहा कि इन्होने जो मसानी बराज भारत सरकार के कहने पर दिल्ली को डूबाने से बचाने के लिए बनाया, उसके बनाने पर 40 करोड रूपया खर्च हो गया और आज तक एक घूट पानी भी नही आया।

श्री अध्यक्षः इन्होने नही बनाया वह तो 1978 मे बना था।

चौधरी बंसी लालः जब भी बना है, हरियाणा का पैसा तो खर्च हुआ है।

चौधरी भजन लालः पहले चौधरी देवी लाल ने बनाया फिर चौधरी बंसी लाल ने बनाया ।

चौधरी बसी लालः हरियाणा के पानी के बहुत से इट्रस्ट थे। आगर कैनाल के बारे मे 1975 मे एक बात इन प्रिसिपल तय

हो गई थी कि हरियाणा इसके ऐडमिनिस्ट्रेटिबली टेक औवर कर ले। पैसे के ऊपर यह बात अड गई। यू0पी0 कहती थी कि हम मार्किट रेट लेगे और हरियाणा कहता था कि बुक वैल्यू पर पैसे ले लो। फरीदाबाद और गुडगांव के लोगो को पानी नही मिलता। नहर मे बहुत ऊंची ऊंची घास खडी है। फरीदाबाद और गुडगाव के किसानो को तावान की तारीख भुगतने के लिए आगर और मथुरा जाना पडता है। मै समझता हू कि सदन मे यह बात पूरी तौर से डिस्कस करनी चाहिए और जो एग्रीमैट सदन की टेबल पर रख देने चाहिए। हयह सब बाते एक बार थ्रेडबेयर डिस्कस हो जाए। हम कोई गलत बात कहते है तो हम माने लेगे। अगर हरियाणा के नुकसान की बात हुई है तो मुख्यमंत्री जी को चाहिए कि फौरन भारत सरकार को कहे कि यह गलती हो गई है, इसके ठीक करे।

छह तारीख को हथिन कुउ बैराज की फाउन्टे ान स्ओन रखी गई। कल परसो के अखबार मे आया था कि बाकी मुख्यमंत्री बडी खु ाी मनाते हुए जा रहे थे कि हमने फतेह हासिल की है। एक दिन मैन रेडियो पर सुना कि भरतपुर के लोगो ने बडी खु ाी मनाई कि यमुना नदी का पानी पहली बार राजस्थान मे आया। मानवता के आधार पर मुख्यमंत्री जी राजस्थान को भी दे दे, हिमाचल को भी दे दे और यू0पी0 का पानी बढा दे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै एक मिनट बीच मे लेता हू। मेरा निवेदन है कि आप एक घटे की डिस्क ान इस

पर कर ले ताकि अपोजी ान भी अपनी बात सदन के सामने रख दे और सरकार का पक्ष भी सामने आ जाए। हमे डिस्क ान करने मे कोई ऐतराज नही है।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई इस किस्म का इन्टर स्टेट ऐग्रीमेंट होता है, तो पता नही मुख्यमंत्री जी दिल्ली वालो से क्या डरते है? 24 मार्च 1976 को इन्दिर जी ने मैने एक फैसला करवाया कि 15.75 मिलियन एकड फीट पानी मे से 3.5 मिलियन एकड फीट पानी हमे मिलेगा, उस फेसले मे यह लिख दिया गया था। मैने उस वक्त यह कहा कि पजाब के पास 19 मिलियन एकड फीट पानी है तो इन्दिरा जी ने कहा कि पजाब पर पाबन्दी लगा देते है कि उनको 3.5 मिलियन एकड फीट से ज्यादा पानी नही मिलेगा। हरियाणा पर 3.5 की पाबन्दी नही लगाते वसे ही लिख देते है और कैबिनिट मे उन्होने यह भी कह दिया कि पानी फालतू हो तेा हम ले लेगे। स्पीकर साहब, इसके बाद 31 दिस्मबर 1981 को एक समझौता हुआ । हरियाणा की तरफ से मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल थे, पजाब की तरफ से सरदार दरबार सिंह थे और राजस्थान की तरफ से श्री ि ावचरण माथूर थे। उस समझौते मे पजाब ने मान लिया कि पानी ज्यादा है। उस समझौतो मे आठ मंत्री जी ने मान लिया और पजाब का 4.22 या समथिग और उसका बजट नोटिफिके ान भ कर दिया और बढे हुए पानी के होते हुए भी हरियाणा का हिस्सा 3.5 मिलियन एकड फीट हो रही, तो क्या मानवता का यह आधार है

(ोर एवम व्यवधान) मै दूसरी चीज पर आ जाता हू। अध्यक्ष महोदय, हमने रूल 84 के अन्डर फलड पर डिस्क ान के बारे मे आपको एक रेजोल्यू ान दिया है और दूसरा एस.वाई.एल. के बारे मे है। इनके ऊपर आपकी रूलिंग चाहता हू।

चौधरी धीर पाल सिहंः स्पीकर साहब, मैने एक काल अटेन ान मो ान दिया है जिसमे मैने कहा है कि पानीपत की जो सहकारी चीनी मिले है उसको हरियाण सरकार प्राईवेट हाथो मे बेचने जा रही है।

श्री अध्यक्षः वह 12.5 बजे आया है और वह अन्डर कंसीड्रैसन है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैने रूस 73 के तहत एक और नोटिस दिया है। उसमे कहा है कि बादली मे छ सात गांव है जहा वाटर सप्लाई नही पहुची है। लोग कच्ची खोदकर पीने का पानी प्राप्त करते है। इस बार खासतौर से दो गांव मुडाखेडा और बासंडा पर तो कुदरत की मार ऐसी पडी है कि लोगो ने जो कच्ची कुइया खोदी थी, वे गुडगांव की तरफ से सुलनानपुर का पानी आ जाने से डूब गई यानी वे पानी के अन्दर चली गई और लोग बाढ का पानी पीने के लिये मजबूर हो गए। आज हालत यह है कि बाढ का पानी पीने के कारण हर घर मे हर आदमी को ताप आया हुआ है। और हर घर मे हर आदमी को आई फलू हो गया है।

श्री अध्यक्षः वह भी 12.5 बजे आया है और वह अन्डर कसीड्रै ान है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैने दो प्रस्ताव दिए है। एक मे तो कहा कि फरीदाबाद मे और पलवल मे टिडडा आ जाने के कारण वहा की सारी फसल खत्म हो गई है। इस तरफ सरकार की और से कोई ध्यान नही दिया गया। वहा की फसले नश्ट हो चुकी है। स्पीकर साहब, मै सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहता हू कि सरकार इस और ध्यान दे।

श्री अध्यक्षः आपके दो काल अटैन्ा ान मो ान आए है। एक तो आई फलू के बारे मे है और दूसरा डैमज आफ क्रोप्स के बारे मे है। ये दोनो अन्डर कंसीड्रै ान है।

चौधरी औमप्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, मैन आज ही दो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिये है। एक तो सब स्टैडर्ड अडल्ट्रेटिड पेडी बीज के बारे मे है जो कि करनाल की एक फर्म लिबर्टी सीड कारपोरे ान की तरफ से दिया गया है। उसके मेन डिस्ट्रीब्यूटर हरियाणा सीड कंपनी है। वे एक दूसरे पर इस तरह का लाछन लगा रही है कि यह तुम ने दिया है। तुम बाजार से खरीद कर आगे दिया है, जो एडमिनिट्रे ान है या ऐग्रीकल्चर विभाग है, ये दोनो ही इस पर चुप्पी ठाने हुए है, जिसके कारण से हरियाणा के किसानो की लाखो रूपये की फसल नश्ट हुई है। इस तरह से आगे के लिये सरकार की क्रेडेबिलिटी पर एक तरह का प्र ान

चिन्ह लगा गया है। इसलिये सरकार को इस सम्बन्ध मे एक स्अेटमैट देनी चाहिए और अपनी स्थिति स्पश्ट करनी चाहिए ताकि किसानो को इस तहर की बरबादी से बचाया जा सके।

दूसार मेरा ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है कि पिछले दिनो सुप्रीम कोर्ट के फेसले के मुताबिक ऐक्साईज एन्ड टैक्से ान विभाग मे इस्पैक्टर्ज की अप्वायटमैटस को कैसिल कर दिया गया था और उसकी दुबारा इटरव्यू लेने के लिये किसी इम्पाि र्यल ऐजेन्सी से इटरव्यू लेने की डियूटी लगाई गयी थी। अखबारो मे इस तरह को खबरे भी छपी थी कि एक दिन पहले पेपर्ज लीक हुए है मास स्केल पर कापी करवाई गई है। एस.एस.एस. बोर्ड एक तरह के कमि र्यल एजेन्सी बना हुआ है। डिफरैन्ट डिफरैन्ट नौकरियो के लिए रेटस फिक्स किये हुए है। इस सम्बन्ध मे भी सरकार को अपनी स्थिति स्पश्ट करनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है कि इंसान को अगर कोई बात हाउस मे न कहनी आए तो वह भददी बात तो न करे। उन्होने काह कि एस.एस. बोर्ड एक तरह का कमि ायल अदायतर बन चुका है। यह बिल्कुल निराधार बाते है। एस.एस.एस बोर्ड के द्वारा जो भर्ती हुई है, उस सम्बन्ध मे सरकार किसी भी कोर्ट मे नही हारी है। एस.एस.एस. बोर्ड मे निश्पक्षता व ईमानदारी से सिलैक ान हुइ है। इसलिये अध्यक्ष महोदय, मै यह रिकवैस्ट करूगा कि इस तरह की जो बेबुनियाद

बाते कही गई है, उनको हाउस की कार्यवाही मे से निकाल दिया जाये। (ाोर)

चौधरी ओमप्रका ा बेरी: स्पीकर साहब, मै यह कहूगा कि इस की इंक्वायरी होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: ओमप्रका ा जी, आपने काल अटैन ान मो ांज जो है, व 10.50 पर आये थे वे अन्डर कसिड्र ान है।

प्रो0 छतर सिंह: स्पीकर साहब, जींद से कुछ महिलाए मुख्यंमत्री महोदय से अनुरोध करने आ रही थी कि उनके साथ किसी तरह का अत्याचार हो रहा है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: क्या आपने इस बारे मे कोई लिखित दे रखा है?

प्रो0 छतर सिंह चौहान: लिख कर भी दे दूंगा जी। मै कर रहा था कि जो जींद की महिलाए अपनी दुखभरी कहानी कहने के लिये मुख्यमंत्री महोदय के पास आ रही थी क्या उनको अपनी बात कहने का कोई हक नही है? इस तरह को ताना ााही नही होनी चाहिए। अगर मुख्यमंत्री महोदय उन महिलाओ की बात सुननें की हिम्मत नही रखते तो हमे इस बात का बडा ही दुख है। मै मुख्यमंत्री महोदय से यह कहूगा कि वे जरा अपने कान खोलकर इस और ध्यान देव और जो अत्याचार महिलाओ पर हो रहे है, उनकी जांच करवाए। आपके कुछ मन्त्रियो के सामने उन महिलओ के साथ दुर्व्यवहार किया गया है, यह बहुत ही बुरी बात है।(ाोर)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have reveived an adjournment motion from Shri Om Parkash Chautala, M.L.A and six other M.L.As. regarding the situation which has arisen in the State on account of flood. Besides, I have reveived a notice of motion under rule 84 from Shri Bansi Lal, M.L.A on the same subject.

Hon'ble Members, it will be seen that both the notices are of indentical nature. I have, therefore, keeping in view the importance of subject matter and to save the time of the House, converted/clubbed them and have admitted them for discussion under rule 84.

The discussion on these motions will take place for one hour after the conclusion of the business fixed for today.

16. hors

Hon'ble Members, I have also received a notice of adjournment motion form Shri Om Parkahs Chautala and six other members of his party on the signing of Yamuna Water Acord. Besides this notice, I have also reveived a notice of motion undr Rule 84 from Shri Bansi Lal and five other M.L.As. on the same subject. It will be seen that both these notices are of identical naure and I have, therefore, converted/clubbed these two motions as they were on the same subjcet. To save the time of the House, I have admitted it for discussion under rule 84. The discussion on these notices will take place for one hour after the conclusion of the business fixed for 13th September, 1994.

Hon'ble Members, I have received a notice of adjournment motion form Shri Om Parkahs Chautala and six

other members of his party on law and oreder situation in the State. Hon'ble members, keeping in view the importance of the subject, I have converted this motion into Calling Attention Motion and admitted it for 13th September, 1994.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिर्पोट पे । करना

Mr. Speaker: Hon. Members now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee.

"The Committee met at 10-00 A.M on Monday, the 12th September, 1994, in the Chamber of the Hon'ble Speker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise disrects the Assembly, whilst in Session, shalll meet on Monday, the 12th September, 1994 at 2.00 P.M and adjourn at 6.30 P.M and on Tuesday, the 13th September, 1994, Wednesday the 14th September, 1994 and Thursday, the 15th September, 1994, at 9.30 A.M and adjourn at 1.30 P.M.

The Committee after some discussion further recommends that the business from 12th September, 1994 to 15th September, 1994 be tranacted by the Sabha as Follows.

Monday, the 12th September, 1994 (2.00 P.M)	1.	Obituary References
	2.	Question Hour.

	3.	Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5.	Presentation of excess demands over grants and appropriations for the year 1988-89.
	6.	Presentation of three Preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time ofr presentaion of the final Reports thereon.
Tuesday, the 13th September, 1994 (9.30 A.M)	1.	Question Hour.
	2.	Discussion and Voting on the excess demands over grants and appropriations for the year 1998-89.
Wednesday, the 13th September, 1994 (9.30 A.M)	1.	Question Hour.

	2.	Apppropriation Bill in respect of excess demans over grants and Appropriations for the year 1988-89
	3.	Legislagtive Business
	4.	Any other Business
Thursday, the 13th September, 1994 (9.30 A.M)	1.	Question Hour.
	2.	Motion undr Rule 16 regarding adjorunment of the Sabha sine die
	3.	Non official business."

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister Will move the motion that this House agress with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Irrigation & Parliamentary Affaris Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Sir, I beg to move-

That this House agress with the recommendations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agress with the recommendations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee

Mr. Speaker: Question is-

That this House agress with the recommendations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए पुन रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now a Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

Irrigation & Parliamentary Affaris Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Sir, I beg to move-

The Haryana Municipal Corportion Ordinance, 1994 (Haryana Ordinance No 4 of 1994.)

The Haryana Municipal Corportion (Amendment) Ordinance, 1994 (Haryana Ordinance No 5 of 1994.)

Sir, I also beg to re-lay on the Table.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 60/Const/Art. 320/Amd. 9(93), dated the 29th October, 1993 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) 9th Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 62/Const/Art. 320/Amd. 11/(93), dated the 12th November 1994, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Eleventh Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 64/Const/Art. 320/Amd. 10/(93), dated the 26th November 1993, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Tenth Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 66/Const/Art. 320/Amd. 12/(93), dated the 31th December 1993, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Twelfth Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 1/Const/Art. 320/Amd. 13/(93), dated the 31th December 1993, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Thirteenth Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 6/Const/Art. 320/Amd. 1/94, dated the 1th February, 1994 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) First

Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 10/Const/Art. 320/Amd. 2/(94), dated the 4th February 1994, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Second Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The Exise and Taxation Depatemtn Notification No. G.S.R 46/H.A, 20/73/S. 64(93), dated the 31th August, 1993 regarding the Haryana Gereral Sales Tax (Third Amendment) Rules, 1993 as required under Section 64 (3) of the Haryana Genral Saltes Tax Act, 1973.

The Exise and Taxation Depatemtn Notification No. G.S.R 49/H.A, 20/73/S. 64(93), dated the 2nd September, 1993 regarding the Haryana Gereral Sales Tax (Fourth Amendment) Rules, 1993 as required under Section 64 (3) of the Haryana Genral Saltes Tax Act, 1973.

The Exise and Taxation Depatemtn Notification No. G.S.R 56/H.A, 20/73/S. 64(93), dated the 18th October 1993 regarding the Haryana Gereral Sales Tax (Fifth Amendment) Rules, 1993 as required under Section 64 (3) of the Haryana Genral Saltes Tax Act, 1973.

The Exise and Taxation Depatemtn Notification No. G.S.R 13/H.A, 20/73/S. 64(93), dated the 11th February, 1994 regarding the Haryana Gereral Sales Tax (First Amendment) Rules, 1993 as required under Section 64 (3) of the Haryana Genral Saltes Tax Act, 1973.

Sir, I further lay on the Table-

The Exise and Taxation Depatemtn Notification No. G.S.R 44/H.A. 20/73/S. 6/94, dated the 1st June, 1994 regarding the Haryana Gereral Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1993 as required under Section 64 (3) of the Haryana Genral Saltes Tax Act, 1973.

The Exise and Taxation Depatemtn Notification No. G.S.R 54/H.A, 20/73/S. 64(93), dated the 11 August, 1994 regarding the Haryana Gereral Sales Tax (Third Amendment) Rules, 1993 as required under Section 64 (3) of the Haryana Genral Saltes Tax Act, 1973.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R 43/Const/Art. 320/Amd. 3/(94), dated the 20 May, 1994, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Third Amendment Regulations. 1993 as required under rule Article 320 (5) of the Constitution of India.

The Local Government Department Notification No. So. 60 /H. Ordi 4/94/S. 6/94, dated the 3rd August, 1994 regarding the Haryana Municaipal Cororation Delimitation of Wrd Rules. 1994 as required under Section 390(2) of the Haryan Municaipl Corporation Ordinance, 1994.

The Local Government Department Notification No. So. 64/H. Ordi 4/94/S. 6/94, dated the 4th August, 1994 regarding the Haryana Municaipal Cororation Delimitation of Wrd Rules. 1994 as required under Section 390(2) of the Haryan Municaipl Corporation Ordinance, 1994.

The Grant Utilsation Certificate and Audit Report for the year 1989-90 of the Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University, Hisar as required under Seciton 34(5) of the Haryana and Public Agricultural Universities Act, 1970.

The Grant Utilsation Certificate and Audit Report for the year 1990-91 of the Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University, Hisar as required under Seciton 34(5) of the Haryana and Public Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Finacial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board for the year 1990-91 as required undr Section 19A (3) of the Comptroller and Auditor General of India (Duties. Powers the Warehousing Corporation Act, 1962.

The 25th Annual Report of Haryana Warehousing Corporation for the year 1991-92 as required under Section 31(11) of the Warehousing Corporation Act, 1956.

The 19th Annual Report of Haryana Warehousing Corporation for the year 1991-92 as required under Section 619-A (3) of the Compantes Act, 1956.

The Audit Report on the Account of the Haryana Financial Corporation for the year ended 31st March, 1991 as required under Section 37(7) of the State Financial Corporation Act, 1951.

The Audit Report on the Account of the Haryana Financial Corporation for the year ended 31st March, 1991 as required under Section 37(7) of the State Financial Corporation Act, 1951.

The Audit Report on the Account of the Haryana Financial Corporation for the year 1994-95 and revised Estimates for the year 1993-94 as required under Section 61(3) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 1992-93 in pursuance of the provisions of Cluses (2) of Article 151 of the Consititution of India.

The Appropriation Account of the Government of Haryana for the year 1992-93 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Consiitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1993 No. (3) (Civil) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Cluase (2) of Article 151 of the Constitution of India.

वर्श 1988–89 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मागे प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now, the Finacne Minister will present Excess demands over grants and appropriations for the year 1988-89.

वित्त मंत्री (श्री मागे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मै वर्श 19988–89 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मागे हाउस मे प्रस्तुत करता हू।

वि ोशधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तत करने के लिए समय बढाना

(i) श्री सम्तप सिंह, एम0एल0ए0 तथा प्रतिपक्ष के नेता के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now Shri Jai Parkash, M.L.A Chairaman, Committee of Privileges will present the Thrid Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Mani Ram Keharwala, M.L.A against Shri Sampat Singh, M.L.A and Leader of the Opposition in respect of casting aspersions and reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks in his statement published in various newspapers on 4th March, 1993, presentiation of the final report to the House.

Shri Jai Parkash (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Mani Ram Keharwala, M.L.A against Shri Sampat Singh, M.L.A and Leader of the Opposition in respect of casting aspersions and reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks in his statement published in various newspapers on 4th March, 1993.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Motion moverd-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

The motion was carried.

(ii) श्री कर्ण सिंह, एम0एल0ए0 तथा प्रतिपक्ष के नेता के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now Shri Jai Parkash, M.L.A Chairaman, Committee of Privileges will present the Thrid Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Ram Rattan, M.L.A against Shri Karan Singh, M.L.A for using abuive and threatening language to kill and intimidate him in relation to the discharge of his parlimentry duties in the presence of Sarv Shri Mohd. llyas, Shakrulla Khan, Mahender Partab Singh, Raj Kumar, Dharambir Gauba, Joginder Singh, Mani Ram Keharwala and Chhattarpal Singh, ect. in the lobby of the House at about 3.00 P.M on the 11th March, 1993, and will aslo move the motion for the extension of time for the presentiation of the final Report to the House.

Shri Jai Parkash (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Ram Rattan, M.L.A against Shri Karan Singh, M.L.A for using abuive and threatening language to kill and intimidate him in relation to the discharge of his parlimentry duties in the presence of Sarv Shri Mohd. llyas, Shakrulla Khan, Mahender Partab Singh, Raj Kumar, Dharambir Gauba, Joginder Singh, Mani Ram Keharwala and Chhattarpal Singh, ect. in the lobby of the House at about 3.00 P.M on the 11th March, 1993, and will aslo move the motion for the extension of time for the presentiation of the final Report to the House.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Motion moverd-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

The motion was carried.

(iii) श्री कर्ण सिंह, एम0एल0ए0 तथा प्रतिपक्ष के नेता के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now Shri Jai Parkash, M.L.A Chairaman, Committee of Privileges will present the Thrid Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Jagdish Nehra, Minister for parlimentry Affairs, Haryana, against Shri Karan Singh Dalal, M.L.A in respect of persisting to level false and baseless allegation agaisnt the Leader of the House on palpable, falsehood, deliberately and knowingly with an ulterior motive when the factual position was already clarified by the Hon'ble Chief Minister on the floor of the House and will also move the motion for the extension of time, for the presentation of the final repot to the House.

Shri Jai Parkash (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Third Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege given notice of by Shri Shri Jagdish Nehra, Minister for parlimentry Affairs, Haryana, against Shri Karan Singh Dalal, M.L.A in respect of persisting to level false and baseless allegation agaisnt the Leader of the House on palpable, falsehood, deliberately and knowingly with an ulterior motive when the factual position was already clarified by the Hon'ble Chief Minister on the floor of the House and will also move the motion for the extension of time, for the presentation of the final repot to the House.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Motion moverd-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the Final Report the House be extended upto the first sitting of next Session.

The motion was carried.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव

राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, as informed earlier now the discussion will take place on the sistuation arisisng on account of floods and one hour has been alloted for this purpose.

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, मै प्रस्ताव करता हू।

कि राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की जाए।

चौधरी बसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, कई सालो से यह बात चल रही है कि स्टेट मे बाढ आती है, नुकसान होता है। पिछले साल आदमी भी मरे और मवे ि ायो का नुक्सान भी हुआ। सदन मे से सब बाते कही गई थी और सरकार ने भी यह कहा कि हम इसका प्रबंध करेगे। मगर अफसोस की बात यह है कि सरकार ने कुछ नही किया। न कोई ड्रेन साफ की, न किसी ड्रैन की मुरम्मत की, न किसी ड्रैन के घास को साफ किया गया और न हो उनमे उगे हुए पौधो को काटा गया। कहने का मतलब यह है कि सरकार ने किसी किस्म का इस संबध मे कोई प्रबध नही किया। यानि न बांध बनांए गए और न आने वाले साल के लिए बाढ को रोकने की को ि ा ा की गई। हां मुख्यमंत्री जी का एक ब्यान जरूर आया था कि हम बाढ का पूरा प्रबध करने वाले है। मैने भी उसी समय अपना एक ब्यान दिया था कि हम मुख्यमंत्री के भरोसे हरियाणा के लोग न रह जाए क्यो कि सरकार ने कोई प्रबध नही कर रख। राम भरोसे ही प्रबन्ध होगा। अगर तुम अपने आपको बचा सको तो बचा सको लेनिक सरकार तुमको बचाने वाली नही है। हालत यह हुई कि अब हिसार से सिरसा तक जो घग्घर नदी पर गांव पडते है। उस मे से 8–10 गावो को, बाढ के खतरे को देखते हुए वहा से चले जाने के नोटिस किए गए और लोगो का नुकसान भी हुआ। जहा तक सरकार की को ि ा ा की बात है, सरकार ने कोई को ि ा ा नही की लोगो ने अपने आप ही अपने आपको बचाया। अध्यक्ष महोदय, मै यंहा पर यह बात भी कहना चाहूगा कि पिछले साल भी मैने इसी सदन मे यह कहा

था कि जहां जहा पर बाढ आई है, वहा वहा पर जो वाटर सप्लाई स्कीम्ज है, उनके बैड मे जो मिटटी होती है पानी परकुलेट होने के लिए उस मिटटी को भी बदला जाए मगर सरकार ने उसकी तरफ कोई ध्यान नही दिया। बहुत से भाहरो और देहातो मे पीलिया बडे जोर से फेला हुआ है। हमारे अकेले भिवानी भााहर मे कई हजार पीलिये के केसिज हुए है मगर सरकार ने इसकी तरफ कोई ध्यान नही दिया। अध्यक्ष महोदय, अब आप कैथल मे ही जा रक देख ले, जहां पर बाढ आई थी। कैथल मे पीने के पानी की हालत बडी खराब है और वहा पर लोगो को सब स्टैडर्ड पानी पीन के लिए मिलता है। वहा पर पीने का पानी नही है क्याकि ट्रिकिग वाटर सप्लाई स्कीम्ज को सरकार ने दोबारा से ठीक नही किया और पानी मे कैमिकल्ज वगैरा नही डलवाए गए। सीवरेज का पानी पीने के पानी से मिक्स हो रहा है। रिजरवायर के बैडज ठीक करवाने की तरफ भी सरकार ने कोई ध्यान नही दिया और इस साल भी बाढ आ गई जिसके परिणामस्वरूप लोगो को पीने का स्वच्छ पानी नही मिला। जंहा पर लोग खुद बच सके वहा पर तो बच गए मगर सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही उनको बचाने के लिए नही की गई। आज सोनीपत जिले के गोहाना सब डिविजन की हालत यह है कि वहां पर कम से कम 50 गावो मे पानी खडा है। धनाना गांव का पिछले साल भी बुरा हाल था और इस साल भी उसकी वही हालत है। उस गांव की हालत यह है कि वहा पर मुर्दे भी सडक के किनारे पर जलाए जा रहे है क्योकि उनके पास मुर्दे जलाने के लिए भी कोई जगह नही बची है, मगर सरकार ने

इसकी तरफ कोई ध्यान नही दिया। इसी तरह से पलवल के इल के मे 8–10 गांव बाढग्रस्त है, लेकिन सरकार की तरफ से इस बारे मे कोई कार्यवाही नही की गई। अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले मे पाकसमा गांव है। उसके पास के इलाके के बहुत से गांव है जिनमे बाढ का पानी खडा है। मगर सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही की गई। सफीदो के इलाके मे बाढ आई हुई है और कई गांव बाढ से अफैक्टिड है, मगर सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही की गई जो कि बहुत ही अफसोसनाक बात है। मुझे यह कहते हुए अफसोस होता है कि पिछले सारल जब बाढ आई थी तो सरकार की बहुत अच्छी तरह से आगाह किया था और उसवक्त सरकार ने यह माना था कि बाढ आई है। सरकार ने यह कहा था कि अगले साल हम ऐसा नही होने देगे लेकिन फिर भी वही बात रिपीट हुई है जो कि बहुत ही अफसोस की बात है। सिरसा डिस्ट्रिक्ट मे भी बाढ आई। बडौदा और गोहाना दो कान्स्टीच्यूऐंसी ऐसी है। जिनके 50 फीसदी गांव बाढ मे अफैक्टिड है। इनमे से सबसे ज्याद अफैक्टिड गांव है रिठाल, कान्ही, पूठी मोई, वली माजरा, रूखी, धिलोड खेडा, कांसडा, लाट, जौली, कथूरा, छपरा, बनवास, रिठाणा इसके अलावा रोहतक जिले के अच्छेद और पहाडी बाढ के दिनो मे परमानैटली अफैक्टिड इलाके है। कुछ पानी जे0एल0एन0 का आ जाता है। और कुछ पानी बाढ का आ जाता है और ये गांव बाढ के दिनो मे हमे ाा परे ाान रहते है यंहा तक कि लोगो को घरो मे आने जाने मे बहुत दिक्कत होती है। डिग्गल और बेरी गांव मे भी पानी से काफी

नुकसान हुआ है। मेरा कहने का मतलब यह है कि हरियाणा के बहुत से गावो मे बाढ से नुकसान हुआ है मगर सरकार की तरफ से किसी को कोई सहायता नही मिल पाई। पिछले साल भी जो सहायता मिली, वह बहुत ही कम थी। अगर किसी का पूरा मकान गिर गया तो उसको 1250 या 2000 रूपये की सहायता दी गई। अध्यक्ष महोदय, इतनी सहायता से क्या होता है? अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि सरकार को यह चाहिए कि लोगो की सहायता देने का पूरा प्रबन्ध करे और जहा नई ड्रैन बननी है, वहां पर नई ड्रैन्ज बनाए और जिस पुरानी ड्रैनो की मुरम्म्त करनी है, उनकी मुरम्मत करे। उसको बगैर हरियाणा मे बाढ आनी नही रूकगी और हरियाणा मे बाढे आती रहेगी। आज कोई ड्रैन ऐसी नही जंहा बाढ से नुकसान न हो रहा हो, कोई ड्रैन ऐसी नही जो पानी से भरी खडी न हो। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरी प्रार्थना यह है कि इस बाढ के लिये सरकार इतना प्रबन्ध कर दे कि अगले साल से बाढ से नुकसान न हो। मै टू दी प्वायट बात करते इतना ही समय ले कर आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू।

चौधरी ओमप्रका ा चौटाला (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, पिछले साल जो बाढ से विना ा हुआ था, उस बारे मे भी इस हाउस मे चर्चा हुई थी और पिछले साल के नुकसान के बाद भी मौजूदा सरकार ने इससे कुछ सीखने की कोि ा ा नही की। इस सब का नतीजा यह हुआ है कि हरियाणा प्रदे ा के सैकडो गावो

मे बहुत भारी नुकसान हुआ। अध्यक्ष महोदय, हम तो यह मान कर चलते है कि प्राकृतिक प्रकोप का इन्सान सामना नही कर सकता है लेकिन सरकार की कुछ जिम्मेवारी होती है। सरकार चाहे तो उसकी पे ाबन्दी भी कर सकती है जबकि पिछले साल ही सरकार की आगाह कर दिया गया था कि फिर भी सरकार ने कुछ नही किया। यह जो ड्रैनेज विभाग अलग होता था, इन्होने ड्रैनेज विभाग को इरीगे ान विभाग मे मर्ज कर दिया और अब तो इससे उम्मीद ही नही हो सकती है क्यो कि ड्रैनो मे कही पर किकर पैदा हो गई है पटेरा पैदा हो गया है और मिटटी भरी पडी है, वह साफ नही हो पाएगी यमुना नगर मे एक गांव बाढ मे बह गया है उस गांव को नमोनि ाान तक नही रहा है। वहा पर सरकार की तरफ से लोगो को कोई राहत नही दी गई। अध्यक्ष महोदय, पिछले आठ दिना मे मैने हरियाणा प्रदे ा के कोई 100 गावो मे दौरा किया है। उन गावो मे बहुत बुरी हालत है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी वहा पर बैठे हुए है ।इनके हल्के मे एक बास गांव है और उस गांव की बहुत ही दयनीय स्थिति है। उस गांव मे इतना ज्यादा पानी आ गया है कि वहा पर अनेको प्रकार की बीमारियां फेल गई है। अत्र रोग फेल गया है। लोगो की आखे दुखनी आ गई है। सरकार की तरफ से कोई पे ा बन्दी नही की गई है। वहां पर मलेरिया की दवाई नही छिडकी गई है। प ाुओ को कई बीमारिया है, लेकिन उनको टीका नही लगाया गया है। वहा पर पानी भरने की वजह से सडको मे खडडे पड गए है और वहा पर बिजली न होन की वजह से लोगो को उनमे गिरने का डर है। तो

कम से कम वहा पर बिजली तो दे। अध्यक्ष महोदय, बिजली के रेट तो ये माफ कर नही सकते लेकिन बिजली तो दै दो। वहा पर लोगो के टयूबवैल्ज भी ठीक नही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। यह जो औम प्रका ा चौटाला जी ने मेरे नारनौद हल्कै की बात कही है। नारनौद हल्के मे यह बात सही है कि बादल फअने मे बहुत ज्यादा तबाही हुई और उसमे फसले डूब गई तो सडके भी टूट गई। अध्यक्ष महोदय, जब यह भयानक घटना हुई तो मै किसी काम से दिल्ली गया हुआ था लेकिन जब मुझे पता चला तो मै वहा काम छोडकर वहा पर गया। अध्यक्ष महोदय, परमात्मा से कोई भी लड नही सकता लेकिन जितनी मदद वहा हुंए नुक्सान के लिये सरकार की तरफ से दिलाई जा सकती थी, वह दिलाई गई है। वहा पर पानी निकालने के लिये मोटरे लगी हुई है, इजन लगे हुए है। पानी पर इतना खडा है कि वह इतनी जल्दी नही निकल सकता और यह भी हो सकता है कि सैकडो एकड जमीन वहा पर ऐसी भी रह जाए जिसमे अगली फसल भी न हो सके। इसमे कोई दो राय नही है। स्पीकर साहब, आप तो स्वय एक किसान है। इसलिये आपको पता है कि जब पानी इस तरह से फेलता है तो वह जल्दी नही निकल सकता इसलिये प ाुओ मे भी ऐसे घास फूस खाने से कुछ बीमारिया आ जाती है। बिजली का भी वहा पर एक दिन का सकट रहा है लेकिन उसके बाद से बिजली यहा पर बिल्कुल ठीक है। मै जो एंक बात कहना चाह रहा

था, वह यह है कि हैल्थ डिपार्टमैट को जो स्प्रे वहा पर मच्छर मार दवाई का प्रबन्ध करना चाहिए था, वह वहा पर अभी तक भी नही हो रहा है जबकि मैने इसके बारे मे पहले भी सी.एम.ओ. से कहा है और आज भी मै यह कह रहा हू।

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, इनका कोई प्वायट आफ आर्डर तो था नही। ये तो प्वायट आफ आर्डर के माध्यम से अपनी बात कहना चाह रहे थे। मुझे खु ाी है कि इन्होने भी अपनी बात कर दो। स्पीकर साहब, मेरे कहने का भाव यह था कि सरकारी बैचो पर बैठे हुए लोग भी इस बात को ऐडमिट करते है कि वहा पर किसी प्रकार की कोई मदद नही पहुची। यह सब देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे हरियाणा मे सरकार नाम की कोई चीज नही रह गयी है। स्वंय चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने इस बात को कहा है कि हल्थ डिपार्टमैट ने वहा पर पूर्ण रूप से अनदेखी की है तथा वहा पर बिल्कुल भी कुछ नही किया है। स्पीकर साहब, मै यह कहना चाह रथा कि सफीदो क्षेत्र के ऐसे कई गांव है, जहा पर चारो तरफ आज भी दस दस फुट पानी खडा है। जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी तो उन्होने हरियाणा के हर गांव के चारो तरफ रिंग बाध बनवाया था जिसकी वजह से वे गांव बच गए, वरना वह सारे गाव डूब सकते थे। स्पीकर साहब, इसी तरह से एक ब्रूण गांव है, जहा पर फसल बिल्कुल भी नही बच पायी है। गांव मे पूरी तरह से पानी खडा है। उस खडे हुए पानी मे सडाद और बदबू आ रही है। इसी वजह से

वहा के लोगो ने अपने सारे प ुओ और बदबू आ रही है। इसी वजह से वहा के लोगो ने अपने सारे प ुओ को अपने रि तेदारो के यहा पर भेज दिया है। इसी तरह से कलायत की अपने दूसरे रि तेदारो के यहा पर भेद दिया है। इसी तरह से कलायत के हल्के का एक भाण ब्राहमण गांव है। वहा के लोगो ने बताया कि वे पचास चालीस लोग इकटठे होकर मुख्यमंत्री जी के पास इस बात को लेकर चंडीगढ गए थे और उनसे निवेदन किया था कि हमारे यहा पर बुरी हातल हो गयी है इसलिए आप हमारी कुछ मदद कीजियें। अध्यक्ष महोदय, मुंख्यमंत्री जी ने उन लोगो से यह कहा कि अब वह सरकार चली गयी जो कि ओले और बाढ के बाद लोगो की मदद करती थी। इस तरह से इस सरकार ने उन लोगो की किसी भी किस्म की मदद नही करी। अध्यक्ष महोदय, आप स्वंय जाकर देख सकते है। वहा गाव सारी ही बाहाणो का गांव है। उन लौगो ने मुख्यमंत्री जी से कहा कि हमने तो भात प्रति ात आपकी सरकार को ही वोट दिए थे फिर भी आप हमारे साथ इस प्रकार बर्ताव कर रहे हो। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने उन लोगो से कहा आइंदा हमारे झोली न भरना इस तरह से जो काम सरकार को करने चाहिए थे वेक नही किए। जहा तक मेरी नालेज मे है कि पिछले साल के बाढ के नुकसान के बाद फूल्ड कट्रोल बोर्ड की भाायद ही कोई मीटिग बुलाई गयी हो और उसमे कोई निर्णय लिया गया हो। अध्यक्ष महोदय, प्रकृति के नुकसान की बात तो मानी जा सकती है लेकिन सरकार की भी तो अपनी जिम्मेदारी होती है। आज सारे हरियाणा प्रदे ा मे ऐसा

प्रतीत हो रहा है कि जैसे कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है। आज हरियाणा प्रदे ा के लोग प्रदे ा के बाहर जाकर अपने को हरियाणवी कहने मे भार्म महसूस करते है। अध्यक्ष महोदय, सैकडो प ा पानी मे वह गए और फ्ल्ड की वजह से चार जाने भी प्रदे ा मे चली गयी। सिचाई मंत्री यहा पर बैठे हुए है इनके अपने क्षेत्र के फ्रासी गांव मे एक आदमी बाढ से बहरक मर गया लेकिन सरकार कुछ नही सोच रही है। और बाढ के नुकसान के हिसाब से कोई प्रबध नही किया गया है। बल्कि जब कभी भी ऐसा कोई अवसर आता है तो इस बात को दूसरे तरीके से टालने के प्रयास किए जाते है। क्या सरकार को जिम्मेदारी नही होती कि लोगो पर प्रकृति का प्रकोप होता रहे, किसान की फसले बर्बाद हो जाए, मकान बर्बाद हो जाए। सरकार उस बात मे खु ा होती रहे कि अच्छा हुआ कुछ लोगो का नुकसान हो गया। इस प्रकार से आगे के लिए प्रबन्ध नही किए जाएगे तो इसका नुकसान और ज्यादा हो सकता है जो ड्रेंन खोदी गई है, वह आगे के लिये कारगर नही रहगी। कोई नयी ड्रेंने तो दरकिनार, पुरानी ड्रेंनो पर भी किसी प्रकार का प्रबन्ध नही किया जा रहा है। एस.वाई.एल. का जिकर चल रहा था, मै उसी विशय पर आ रहा है। एस.वाई.एल. नहर जब खोदी गई थी तो हरियाणा प्रदे ा मे तो 91 किलोमीटर तैयार कर दी गई लेनिक पजाब मे उस तरफ कोई ध्यान नही दिया गया। पजाब का पानी जो हमे एस.वाई.एल. के माध्यम से मिलना चाहिए था, वह पानी पाकिस्तान मे चला जाता है। काग्रेस सरकार उसको मुकम्मल नही करवा रही है। पजाब मे जो बाढ

आती है, उस नहर मे पजाब का पानी आकर हरियाणा मे तबाही और बर्बादी का काम करता है। स्पीकर साहब, पिछले साल की बाढ मे आपने क्षेत्र के गांव मे भी पानी पहुचा और बहुत भारी नुकसान हुआ। हरियाणा के एरिया मे एस.वाई.एल. बनाने की क्या तुक रह गई थी? केवल इसलिए बना ली गई कि कुछ लोगो की जेबो मे पैसा आ गया। दुर्भाग्य है कि हरियाणा प्रदे ा के लोगो का इस किस्म के लोगो से वास्ता रहा। जिन्होने जनहित के कार्यो मे कभी रूचि नही लीं लोगो की जेबो पर डाका डालते रहे। प्रकृति के प्रकोप से लोगो का नुकसान हो जाए इस बात पर खु ाी मनाते रहे। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) मेरा सुझाव है कि यह सरकार आइदा के लिये ऐसे कार्यक्रम बनाए जिससे हरियाण प्रदे ा मे बाढ से लोगो का नुकसान न हो। जो पानी पजाब से आकर तबाही और बर्बादी लाने का काम करता है वह पानी सिचाई के काम करता है वह पानी सिचाई के काम आ सके और उससे कुछ और लाभ भी उठाए जा सकते है। आज हरियाणा प्रदे ा मे पीने का पानी उपलब्ध नही है। पानी के जितने भी स्त्रोत है, निरन्तर कम होते जा रहे है। बाढ आ जाती है तो यह कहते है कि यह अच्छा हो गया। पानी का टेबल जो नीचे चला गया था, वह अब ऊंचा आ जाएगा। लोगो के मकान गिर गए है और वाटर टेबल उचा लाने की बात कहकर लोगो के जख्म पर नमक छिडकने के प्रयास किए जाते है। हरियाणा प्रदे ा मे इस तरह की विना ा लीला रोकने के लिये सरकार की तरफ से कुछ ऐसे कारगर कदम उठाए जाने चाहिए जिससे इस प्रदे ा

के लोगो का जनजीवन ठीक ढग से चल सके। लोग अपने खून पसीने की कमाई का सदुपयोग कर सके। आज हाउस मे सरका इस बात के लिए पूर्ण रूप से स्पश्टीकरण दे। जिस प्रकार, से इन गावो मे नुकसान हुआ है, क्या आगे के लिए सरकार उनी मदद करने जा रही है, कोई मुआवजा देने जा रही है? पिछले साल की बाढ मे सरकार ने 1200 रूपये प्रति मकान देने की बात कही थी, क्या वह दिए गए है? इसको भी सरकार बताए। सरकार फेसला करेकि कितना मुआवजा देगी और यकीन दिलाए कि जो पानी खडा हुआ है, उसको निकालने के लिए पम्पस का प्रबन्ध किया जा रहा है। सावनी की फसल तो गई, अगर आशढी की फसल भी नही बोई गई, तो किसानो की स्थिति खराब हो जाएगी। स्पीकर साहब, किसान की सावनी की फसल चली जाए और अशाढी की फसल भी न बुआई, स्पै ाल गिरदावरी भी नही होन जा रही हो तो इससे ज्यादा बुरी बात और क्या हो सकती है? अगर सरकार यह सोचती है कि खडा हुआ पानी अपने आप सुख जाएगा तो यह ठीक बात नही है। सरकार की तरफ से बीज उपलब्ध कराने की कोई बात नही हो रही है। बीज के मामले मे सरकार की तरफ से लूट मचाई जा रही है। लिबर्टी के थैलो मे नकली बीज दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, चावल का नकली बीज दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, चावल का नकली बीज किसान को दिया जा रहा है। किसान को यह सरकार बरबाद करने जा रही है। आज लोगो को बिजली नही मिल रही है और आज किसान को सिचाई के साधन उपलब्ध नही कराए जा रहे है और तीसरे उसको घटिया

बीज दिया जा रहा है। किसान का मालिया माफ करने की बात नही की जा रही है। स्पै ाल गिरदावरी की बात नही की जा रही है। आज किसान आसमान के नीचे बैठा हुआ है। सामाजिक संस्थाए किसानो की मदद कर रही है। पीछे भी सामाजिक संस्थाओ ने काफी काम किया। लोगो को कपडे दिये। लोगो को दवाईयो दी। डाक्टरो का इन्तजाम किया गया। गरीब लोगो की हर तरह की मदद सामाजिक सस्थाओ ने की। समाजवादी जनता पार्टी के कार्य कर्ताओ ने पिछले साल बाढ से घिरे हुए लोगो की बहुत मदद की। डाक्टरो का इन्तजाम किया गया। लोगो को दवाए, कपडे और खाने मुफत उपलब्ध करवाया। प ुओ को मुफत चारा मुहैया करवाया। अध्यक्ष महोदय, जब राजनैतिक पार्टीयो के लोग जनता की मदद कर सकते है और सार्वजनिक संस्थाओ के लोग काम कर सकते है, तो क्या सरकार नही कर सकती? सरकार की जिम्मेदारी होती है कि लोगो की मदद के लिए कारगर कदम उठाए जिससे कि प्रदे ा के लोगो को राहत मिल सके और इस जाती हुई सरकार को यह अहसास हो सके कि उसका फर्ज बनता है कि वह जनता की जरूरतो को पूरा के। इस सरकारर ने पिछले साढे तीन साल मे इस प्रदे ा को बरबाद कर दिया है। अगर यह सरकार डेढ साल मे इसी तरह से लोगो को परे ाान करेगी तो जनतात्रिक आन्दोलन छिड जाएगा। जनता इस भ्रश्ट और करपस्ट सरकार को जढ से उखाड कर फैक देगी। सरकार को यह फर्ज है कि वह मुसीबतजदा लोगो की मदद करे। जनता के लिए आसू बहाना तो आपके बस की बात नही है लेनिक अगर आप उनके

जख्मो पर नमक छिडकने की बात करेगे तो लोग आपको माफ नही करेगे। उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस सोतो हुई सरकार को आप झझोड कर लोगो की कुछ मदद करवाए।

श्री धीर पाल सिंह बादली: उपाध्यक्ष महोदय, हाउस मे चौधरी ओमप्रका ा चौटाला ने चर्चा मे भाग लेते हुए अपनी बात बडे स्पश्ट भाब्दो मे रखी है हमारा इलाका साहबी के साथ लगता है और ड्रैन नम्बर आठ साहबी के साथ लगती है। पहले बाढ आती थी और काफी नुकसान होता था। इसलिए रिग बाध बनाए गए थे। पिछले तीन साल से सरकार ने कोई ध्यान नही दिया कि फिर पानी आ सकता है और उसका खमियाजा लोगो को उठाना पड सकता है। मै सात तारीख को चौटाला सहाब के साथ गया था। रोहतक के तीस पैतीस गाव की बुरी हालत है। उपाध्यक्ष महोदय, दुख इस बात का है कि चौटाला साहब के जाने के बाद भी इस सरकार ने कुछ नही किया। लोगो की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी होती है। मेरे हल्के के पांच गाव है, उनकी हालत खराब है। जैसा कि मैने कहा था कि मुडाखेडा और बासडा दोनो गांव ऐसे है, जहा सारी की सारी फसल बरबाद हो गई है और कोई घर ऐसा नही है जो आंख की बीमारी से पीडित न हो। क्योकि गंदा पानी उनको पीना पडता है। बडे दुर्भाग्य की बात यह है कि वहा पर पिछले एक साल से वाटर सप्लाई का साफ पानी लोगो को पीने को नही मिल रहा है। कच्ची खुई खोदकर वे पानी पी रहे है। सुल्तानपुर की तरह से गंन्दा व कच्चा पानी पीने के

लिए उनको मजबूर होना पडता है। जिसकी वजह से हर घर का हर सदस्य चाहे वह लडका है या लडकी है, वह आई फल्यू बीमारी से पीडित है इसी प्रकार से वायरल की बीमारी ने भी लोगो को तोडकर रख दिया है। हर घर मे बीमारी है। दुख इस बात का है डिप्टी स्पीकर साहब, कि पी.एच.सी. क्लोई मे है, बादली मे है, यहा पर बहन जी बैठी है जो कि हमारी हैल्थ मिनिस्टर है मै उनको बताने चाहता हू वहा के डाकटरो ने बताया कि एक मामूली सी टेबलैट जिसकी कीमत कुछ ही पैसे होगी जो कि ताप को उतारने मे सहायक सिद्ध होती है। वह भी दोनो पी.एच.सीज. मे उपलब्ध नही थी। चौटाला साहब के सामने लोगो ने और डाक्टरो ने यह कहा कि हम आपको नाम तो नही बातएगे लेकिन आपसे बिनती है कि आप जाकर वहा इस बात को रखे कि कम से कम जो पहला उपचार है, पहला सुविधा है, वह तो मरीजो को उपलब्ध होनी चाहिए। मुझे दुख है कि हमारे योग्य मिनिस्टर श्री ए0सी0 चौधरी कुछ आकडे यहा पर प्रस्तुत कर रहे थे। मै तो इतना ही कहूगा कि माप ज्यो का त्यो डूबा क्यो? यह एक कहावत है जो कि इन पर लागू होती है।

इससे आगे मै पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर हटकर कहना चाहता हू कि जो ये लोग यहा पर लोकतन्त्र की दुहाई देते है, इनको पता नही है कि लोकतन्त्र के उददे ाय क्या है? सिद्धान्त क्या है? डिप्टी स्पीकर साहब, क्या किसी ने यह गुनाह कर दिया कि जिस नागरिक को सविधान ने वोट का अधिकार दिया है, यदि

उस नागरिक ने उस वोट का प्रयास किया। उन प्रयोग के बाद उस नागरिक ने किसी दूसरी पार्टी के किसी उम्मीदवार को अगर बिजली बना दिया तो उसने क्या गुनाह किया? आज बादी के हल्के का हर नागरिक यह कहता है कि तेरी वजह से बिजली नही मिल रही। तेरी वजह से न दवाईया ही मिलती है और न ही पानी ही मिल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मैने बारि ा के समय नेहरा साहब से यह कहा था कि मेरे हल्के मे दुल्हेडा डिस्ट्रीब्यूटरी है, जिसकी कपैसिटी 160 क्यूसिक फुट की है और तीन साल मे 160 की बजाये 80 फुट उसमे रेत आ गया और उसकी कपैसिटी अब 80 क्यूसिक फुट रह गई और मै यह बात आन रिकार्ड कह रहा हू कि 80 क्यूसिक पानी की बजाए अब केवल 40 फुट पानी ही दे रहे है और किसी भी टेल तक पानी नही पहुच रहा है। 812 करोड की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री महोदय ने यहा हाउस मे टेलो की चर्चा की लेकिन मै हाउस मे यह बताना चाहता हू कि ब्राहणो का गांव है, भदाना, भदानी, इस तरह से छारा, लगरपुर, नगरपुर, बादली, जंहागीरपुर, घुमाना, रूक्सर वगैरहा ऐसे गांव है जो कि बिल्कुल टेल पर है। भिन्न भिन्न टेलो पर है कोई रेवाडी खेडा पर है, कोई इसमाइला पर है, कोई भराना पर है, सारी की सारी डिस्ट्रीब्यूटरिज मे रेते आने की वजह से टेलो तक पानी नही पहुच पाता है जिससे किसानो को काफी दिक्कतो का सामना करना पडता है। इस बारे मे मुख्यमंत्री महोदय ने एक बार हाउस मे आ वा ान भी दिया था। बजट सै ान मे कहा था कि 15 मार्च तक सभी टेलो तक पानी देगे और सभी जोहडो को भरवाने का

प्रबन्ध किया जाएगा। दो साल बीत गये, लोग इन्तजार करते रहे कि कब 15 मार्च आए कब टेलो तक पानी पहुचे, लेकिन इस अर्से मे किसी भी टेल के गांव मे पानी नही गया और इसके विपरीत सरकार बिल्कुल ही सो गयी। सरकार ने उस तरफ से मसानी डैम से ध्यान हटा लिया था। मसानी डेम बना और यह चर्चा चल पडी कि किस के टाईम मे बना। चौधरी देवी लाल जी ने उस समय की समस्या को देखते हुए मसानी डेम को तैयार किया लेकिन जो कायरता इन्होने की, जो भूल इन्होने की, वह यह थी कि राजस्थान सरकार ने पीछे छोटे छोटे डेम बनाकर जो साहबी नही का पानी था, उसको रोका, जो कि इधर सिचाई के काम आना था उसको रोक लिया और वे उसका प्रयोग करवाते रहे लेकिन इनकी सरकार ने यह भूल की कि उस पानी को राजस्थान से छुडवाने मे पूरी तरह से नाकामयाब रही। यह इनकी सरकार की बडी भूल थी, कमजोर थी, कि वह अपना पक्ष ठीक ढंग से प्रस्तुत न कर पाई। ताहबी पर राजस्थान सरकार ने छोटे छोटे डेम बनाकर के उस पानी की रोक रखा और वे अपनी सिचाई के लिए उस पानी को इस्तेमाल करते रहे और आज इसी वजह से उस डेम का महत्व खत्म हो गया है। आज ये लाछन दूसरो के ऊपर लगा रहे है। मै यह कह रहा हू कि उस इलाके मे पिछले तीन साल मे न तो किसी डैक की सफाई हुई और न ही इस तरफ कोई ध्यान दिया गया कि पानी कहा से आता है और पानी का क्या समाधान है। जब मुंडा खेडा गांव मे बाढ का पानी घुसा तो वह पानी कही से भी निकलता नजर न आया। वह पानी सुल्तानपुर की तरफ से

आया था। जब वह पानी कही से भी निकलता नंजर न आया तो वहा के एक किसान ने कहा कि पानी मेरे खेत मे से निकाल लो। इस वजह से उसकी दो एकड जमीन तबाह हो गइ। उसकी सारी फसल खराब हो गई। उसके बाद गांव मे कोई दवाई नही छिडकी गई। वहा पर पूछो वाले मच्छर पैदा हो गए। दूसरी तरफ बिजली छ बजे बन्द हो जाती है। और रात को दस बजे आती है। वे मच्छर बच्चो को खाते है और बच्चे किलकी मारते है। इस वजह से चौधरी भजन लाल की गालियां मिलती है। इनको देखना चाहिए कि कहा पर यही हाल है। जहा जहा पर चौटाल साहब गए, सभी जगह बुरी हातल थी। एक वहां पर आसन ड्रैन है। उसके कीकर की टहनियां पडी हुई थी, जो सूख गई थी,। उसमे आज प ा भी नही निकल सकता। अगर उसकी सफाई हो गई होती तो किलाई, रूडकी और पुलगी गांव बाढ से बच सकते थे। मेरी जानकारी यह है कि वर्ल्ड बैक के दबाव मे आकर इन्होने ड्रैनेज विभाग को इरीगे ान विभाग मे मर्ज कर दिया। इसी वजह से इस तरफ किसी ने ध्यान नही दियां। इसी तरह से चुलाना, इसमाइला और कुलावाड गांव है, जो तीनो ही हसंनपुर हल्के के गांव है। इन तीनो गावो मे लाखो रूपए का नुकसान हुआ। दुलेहडा डिस्ट्रीब्यूटरी मे पिछले तीन साल मे घास और मिटटी आने की वजह से वह अटी पडी है। उसका कारण भी यह रहा कि उसकी सफाई की तरफ ध्यान नही दिया गया। पता नही उसके लिए पैसा अलाट नही हुआ या क्या कारण है। मै जानन चाहता हू कि बजट का पैसा कहा जाता है। पूरे रोहतक मे 50 गावो मे पानी

है, पानी का प्रबन्ध नही है। वहा पर मिटटी का तेल किसी गांव मे उपलब्द्ध नही करवाया गया। इस आपका द्वारा सरकार से चाहते है कि वह इस तरफ ध्यान दे। अभी यहा कहा गया कि वहा पर बादल फट गया था। वह तो कुदरत की मार है, लेकिन सरकार के पास साधन होते है। और धन होता है वह इसका इलाज कर सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे यहा पर जो पम्म लगे हुए है, वे बाबा आदम के जमाने के है। ताज्जुब यह है कि एक एक पम्प पर किसान को केवल 60 लिटर तेल उपलब्ध करवाया जाता है यानि केवल 15 घण्टे के लिए। उसके बाद किसान फिर उपायुक्त के पास जाएगा और वह दोबारा लाइंन मे लगेगा। उसको दो दिन के बाद फिर 60 लिटर तेल मिलेगा। मै चाहता हू कि जिस गांव मे डीजल के पम्प लगे हुए है, उन गावो मे डीजल पूरा मिले ताकि उस पानी को पम्प आउट किया जा सके। इसके साथ साथ उन एरियाज मे बिजली की सप्लाई पूरी मांत्रा मे हो। जिस गांव मे पानी खडा है जिसके कारण फसले बर्बाद हो गई, उनकी स्पै ाल गिरदवारी करवाई जाए और किसानो को मुआवजा दिया जाए। चौधरी देवी लाल जी ने अपने समय मे अपने प्रान्त के किसानो को बहुत सी राहते दी थी। चौधरी देवी लाल जी ने ओलावृश्टि के कारण फसले बर्बाद होने पर किसानो को मुआवजा देने का एक नया कानून बनाया था। उससे पहले चौधरी बसी लाल जी भी मुख्यमंत्री रहे है, इनको भी मौका मिला होगा? ये भी अपने समय मे किसानो को राहत दे सकते थे। दे ा तो 1947 मे आजाद हुआ था। औरो को भी इस कुर्सी पर बैठने का मौका

मिला होगा वे भी किसानो को राहत दे सकते थे, लेनिक चौधरी देवी लाल जी ने किसानो को जो रहते देने का साहसी कदम उठाया वैसा साहसी कदम उठाने की किसी की भी हिम्मत नही हुई। चौधरी देवी लाल जी ने किसानो को बहुत तरह की सुविधाए दी थी। हम चाहते है कि आप भी पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर उठ कर किसानो को सुविधाए दे। सरकार की यह जिम्मेदारनी बनती है कि जिन जिन गावो मे पानी खडा रहने के कारण फसले खराब हुई है, उनकी स्पै ाल गिरदावरी करवांए और उनका मुआवजा दे। फसले खराब होने के कारण किसान बर्बाद हुए है। किसानो के साथ साथ हरिजन भाई और बैकवर्ड क्लास के भाई भी बर्बाद हुए है, क्योकि वे भी खेती करने के लिए अपने जानवर पालते है और जानवर पालने के लिए खेती से ही हरा चारा लाना पडता है। इसलिए सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि सरकार उन लोगो को उनके प ाुओ के लिए चारा प्रबंध करे जंहा जहा पर पानी खडा है उसको निकाल जाए ताकि किसान आशाढी की बिजाई कर सके। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे यहा एक कहावत है कि आपके भी होगी कि यदि कोई किसी बात पर थोडा नारज हो जाता है तो उसको कहते है कि जा, क्या तू मेरे खेत मे हल चलएगा? डिप्टी स्पीकर साहब, 1977 मे जो बाढ आई, उससे निपटने के लिए चौधरी देवी लाल जी ने बहुत ही साहसी कदम उठाए थे। उस पानी को निकाल गया। रिंग बाध बाधे गए । दवाईया छिडकवाई गई। चौधरी देवी लाल जी ने उस समय एक बहुत ही अच्छा काम यह भी किया था कि जहा जहा पर भी बाढ

का पानी खडा था, उसको निकालने के लिए जंहा ट्रैक्टर का 24 रूपए पर एकड का रेट था उसको 12 रूपए पर एकड के हिसाब से दे कर बाढ का पानी निकलवाया। हम यह नही कहते कि ऐसा काम करके चौधरी देवी लाल जी ने किसानो पर कोई एहसान किया था। हम तो यह कहते है कि यह उनकी जिम्मेदारी थी, कोई एहसान नही था। हम तो अब कहते है कि यदि चौधरी भजन लाल जी आप उस पानी को निकलवाते है तो आपका किसान पर यह कोई एहसान नही होगा यह आपकी जिम्मेदारी है। यदि आप किसानो को पूरी मांत्रा मे बिजली देगे, जो बाढ का पानी खडा है, उसको निकलवाएगे, दवाईयो का छिडकाव करवाएगे, तो यह कोई एहसान नही होगा। यह तो आपकी जिम्मेदारी बनती है। अगर यह एहसान होता तो हमारी सरकार किसी भी कीमत पर नही जाती। हमारी सरकार ने हरियाणा प्रान्त के अन्दर विकास के बहुत काम किए थे लेकिन आपकी सरकार ने एक भी विकास का काम नही किया है। मै हाउस मे अन्दर ईमानदारी साथ के कहता हू कि मेरे हल्के बादली के अन्दर विकास के नाम पर भी पैसा खर्च नही किया गया है। क्या बजट मे उस हल्के का हिस्सा नही है? बादली हल्का भी हरियाणा मे ही है। इसलिए डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इस सरकार से कहना चाहता हू कि आप अपने अधिकारीगण को आदे ा दे कि युद्ध स्तर पर उस पानी की निकासी करवाए और जितना सम्भव हो सके, उस बाढ के खडे पानी को जल्दी से जल्दी निकलवाए। यदि कोई व्यक्तिगत रूप से उस पानी को निकालने चाहे तो किसान उसको नही निकलने

देगे। यदि सरकार उस पानी को निकालने के आदे ा देगी तो उसकी पालना की जाएगाी। ड्रेनो की सफाई तो एकदम नही हो सकती। उनकी सफाई तो बाद मे हो सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, नकली बीज कौन बेच रहा है? सरकार इस बारे मे पता लगाए। सरकार यह भी पता लगाए कि वह नकली खाद कहा से आ रहा है और कौन बेच रहा है? इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है और कौन इस ढंग के काम कर रहा है? डिप्टी स्पीकर साहब, मै कानून व्यवस्था के बारे मे एक बात जरूर कहना चाहूगा। कानून व्यवस्था के बारे मे चौधरी सम्पत सिह ने भी कहा था। डिप्टी स्पीकर साहब, रोहतक से सोनीपत ले जाते हुए कंसाल गांव मे चार कैदियो पर हमलवारो ने हमला किया और जिस ढंग से वहा पर यह घटना हुई, उसमे पुलिस के अधिकारी भी थे और कैदी भी थे। उस चार कैदियो मे से दो मारे गए और दो भाग गए। उस घटना मे पुलिस के अधिकारी भी मर सकते थे। दो कैदी भाग गए, भागे हुए कैदियो को आज तक पकडा नही जा सका। मारने वाला कहा गया विशय यह नही है। विशय है लोगो की सुरक्ष की। इसी तरह से मेहम पुलिस वालो ने एक गरीब भाई को पीटा। उस पर इल्जाम लगाया कि उसने साईकिल चोरी की है। जबकि असल मे बाढ आने के कारण साईकिल उसमे गिर गई थी और उसने उसको निकाल लिया था, उसय पर ही यह आरोप लगा दिया गया कि साईकिर चोरी की है।(विघ्न एवम भाोर) आज कानून पर से लोगो का वि वास उठ गया है। सरकार का कर्त्तव्य है कि लोगो की सुरक्षा प्रदान करे। उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रकार

से फरीदाबाद और पानीपत मे यमुना का जहा जहा पर से पानी गुजरा वहा पर यमुना नदी मे ठोकरे नही लगाई गई जिस कारण बाढ के पानी का उन पर असर हुआ और उनका नुकसान हुआ। करनाल और फरीदाबाद मे लोगो के खेत मे पानी बह गया। किसानो की फसलो का नुकसान हुआ। उन लोगो का क्या यही दोश था कि उसको यमुना नदी के पास जमीन मिल गई जो पानी मे बर्बाद हो गई। इसलिए सरकार का कर्तव्य बतना है कि ऐसी दुर्घटनाओ को भविश्य मे न होने दे। (घंटी) यह तो कोई बात नही सकता कि बारि ा होगी य नही होगी और अगर होगी या कितनी नही होगी। इसी प्रकार सढौरा मे भी बाढ के पानी का असर हुआ। वहा पर भी पानी कम्बे मे आगया जिससे लोगो का भारी नुकसान हुआ। इसी प्रकार से घग्घर नदी पर जो गांव बसे हुए थे, वहां के लोगो को भी बाढ से काफी हानि हुई है और लाखो रूपए का नुकसान हुआ है। बाढ से हरियाणा प्रदे ा मे 6– लोगो की जान गई। चार जाने तो एक गई और दा एक गई। दो जाने जो गई है, उस बारे मे मै बताना चाहता हू कि वे ट्रैक्टर पर जा रहे थे और बाध के लिए जो सडक बन रही थी, उस पर ये ट्रैक्टर फिसल गया और वे उसके नीचे आ गए और मर गए। उन बच्चो ने क्या बनता था, क्या नही बनना था, यह तो अलग बात है लेकिन जो उनके साथ हुआ है, वह बहुत बुरा हुआ है।

उपाध्यक्ष महोदय, बाढ आने के कारण और बाढ का पानी जंहा जहा पर से भी गुजरा है वहां वहां पर सारी सडके टूट

चुकी है। इन सडको पर से अब गुजरना मुि कल हो रहा है। इसलिए मेरी मांग है कि जो सडके बाढ के पानी के कारण टूट चुकी है, उनकी मुरम्म्त तुरंत करवाई जाए। (धन्यवाद)

17.00 बजे

चौधरी सूरज भान काजल (जुलाना): उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो अपने मुझे अपनी बात कहने तथ अपने हल्के की दिक्कत बताने के लिए समय दिया। उपाघ्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै यह बताना चाहूगा कि हरियाणा मे कई मंत्री जुलाना हल्के मे गए क्योंकि मुख्यमंत्री जी को जुलाना जाना था। ये लोग जुलाना हल्के के एक एक गांव मे गए थे। इनके साथ और भी इनकी पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी थे जिन्होने अपनी आखो से जुलाना हल्के की हालत देखी। जुलाना हल्के के कई गावो की फसल बिल्कुल बरबाद हो गई और अनेको बीमारिया गावो मे फेल गई। लोगो ने मंत्री जी से कहा कि हमारी फसल खराब हो गई है। उसका कुछ मुआवजा दिलवाईये। गांववासियो की आखे दुख रही है, मलेरिया और दूसरी बीमारियां वहा पर फेली हुई है। अगर चौधरी देवी लाल की सरकार होती तो गांव वालो को उसकी फसलो का पूरा मुआवजा मिलता और दूसरी सुविधाए भी उनको प्राप्त होती। उपाध्यक्ष महोदय, इसके लोग तो लोगो की दिक्कते सुनने और उनको हल करने के लिए नही गए थे, वे तो मुख्यमंत्री जी की जुलाना रैली के लिए लोगो को लेने के लिए गए थे। लोगो ने उनको अपनी दिक्कते बताई। गावो ने

उनसे पूछा कि क्या आप हमारी मदद करने आए हो यह हमे जुलान ले जाने के लिए आए हो। यहां पर हमे अनेक दिक्कते पे ा आ रही है, बीमारी फेली हुई है, फसले तबाह हो रही है। उन लोगो ने गांववासियो को बताया कि 4 तारीख को मुख्यमंत्री जी आ रहे है, आप अपनी सारी दिक्कते उनके सामने कह देना, वह उनको हल कर लेगे। गांव के लोगो ने इनके मंत्री और दूसरो लोगो से कहा कि अगर 3 तारीख तक खडा पानी निकलवा दोगे तब तो हम जुलाना आ जायेगे नही तो नही आएगे। यह मंत्री इतना भी नही करवा सके। लालगढ और अकालगढ गांव है, जहा 35 हजार किसान को इकटठा किया गया सारे हरियाणा का बजट वहा पर दे दिया। वहां यह घोशणा कर दी कि 3 हजार क्लर्क भर्ती करने है। उनमे से 10 इस गांव के होगे, 10 उस गाव के होगे। आई0टी0आई0 और जे0बी0टी0 सैटर खुलवाने और स्टेडियम बनाने के झूठे वायदे दे दिय। लोगो की फसल तबाह हो रही है, लोग भूख से तडत रहे है। उनके लिए न खाना है न पानी है और अनेको बीमारियां गावो मे फेली हुई है। लेकिन सरकार की तरफ से लोगो के लिए कुछ नही किया जा रहा है। इनके मंत्री वहा पर गए। परन्तु उन्होने लोगो की कोई मदद नही की। चौटाला साहब भी वहा पर दौरे पर गए। उनको लोगो ने बताया कि हमारे पास अनाज तो है, लेकिन ईधन नही है। उन्होने लोगो की मु कलो को हल करने की को ा ा की जबकि इनके मंत्री मौके पर कुछ नही कर सके। न उन गावो मे कोई दवा छिडकवा पाए और न कोई दूसरी मदद उनको दे पाए। 2–3 गावो मे

पम्पिंग सैट तो भिजवा दिए परन्तु वे खराब थे। उन को चलाने के लिए ने तो ट्रैक्टर दिए गए और न ही डीजल का कोई इन्तजाम किया गया। वे पम्पिग सैटस गाव के बस स्आप या दूसरो जगहो पर वैसे के वैसे पडे है। आज हल्का जुलाना की पूरी दुर्द ाा मंत्री ने अपनी आखो से देखी है लेकिन लोंगो को कोई राहत नही मिली जिसके लिए हल्का जुलाना की जनता सरकार को कोस रही है। अगर आज चौधरी देवी लाल मुख्यमंत्री होते तो वे लोगो के दुख दर्द को सुनते और सबसे पहले गिरदवारी करवा कर किसानो की जो फसल खराब हो गई है, किसानो को उसका मुआवजा दिलवाते लेकिन आज इस इस सरकार के समय मे वे लोग खाने के लिए तरस रहे है। पिछले दिनो गांव के किसानो का एक सांड कीचड मे फंस कर मर गया।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

आवास राज्य मंत्री द्वारा

आवास राज्य मंत्री (श्री बच्चन सिंह आर्य): उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान सर, ये मेरे ऊपर बोल रहे है।

श्री उपाध्यक्षः आर्य जी अभी आप बैठ जाए।

चौधरी सूरज भान काजलः उपाध्यक्ष महोद, मेरे कहने का भाव यह है कि हरियाणा प्रदे ा मे सरकार नाम की कोई चीज नही है। यह सरकार लोगो को इकटठा करके अपने जलसे कर

रही है। उनमे गलत घोशणांए कर रहे है। मंत्री जी यहां पर बैठे हुए है। ये भी सफीदो के लोगो को बहका कर उनको हैरास कर रहे है। लोगो को झूठी उम्मीदे लगा रहे है।(ाोर एवम व्यवधान)

श्री बच्चन सिंह आर्यः उपाध्यक्ष महोदय, मै पर्सनल एक्सप्लेने ान पर बोलना चाहता हू। अभी आदरणीय साथी ने मेरा जिकर किया कि मै जुलाना हल्के के 56 गावो मे गया था। वह बात ठीक है, मै वहा गया था। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये बाढ पर बोलते तो मै भी बाढ पर ही बोलता। लेकिन इन्होने मेरे बारे मे कहा है और मै इन्हे उसका जवाब दूगा। उपाध्यक्ष महोदय, मै इनका बताना चाहता हू कि मै 56 गावो मे गया था और 56 के 56 गावो ने मेरा बैन्ड बाजो मे स्वागत किया था। (ाोर एवम व्यवधान) उन गावो मे मेरी कई सभाए हुई थी और मै वहा पर जो घोशणाए करके आया थ, उसकी चिटठी भी वहा पर पहुच गई है।(ाोर एवम व्यवधान)

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पुनरारम्भ

राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति सम्बन्धी

श्री उपाध्यक्षः आप सब बैठ जाए। सूरज भान जी, आप दो मिनट मे खत्म करे।

चौधरी सूरज भानः डिप्टी स्पीकर साहब, जुलाना हल्के मे इतना पानी खडा रहा लेकिन सरकार ने इस और कोई ध्यान नही दिया। जबकि सरकार के जिम्मेदार लोग वह घूम रहे थे।

लोगो ने इनसे अपनी ि ाकायते की लेकिन इन्होने उनकी ि ाकायतो पर कोई ध्यान नही दिया। मुख्यमंत्री जी भी वहां पर गए थे। इनसे भी लोगोक ने अपनी दिक्कतो के बारे मे बताया लेकिन उनकी कोई भी बात नही सुनी गई। वे लोग ऐसे ही अपने घरो को वापस लौट गए। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद चौटाला साहब वहंहा पर आते है और आकर सफीदो क्षेत्र स्वागत किया गया लेकिन जुलाना हल्के के लोगो ने इनको बहुत ही अच्छा जवाब दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपी बताना चाहूगा कि वहा के इस लडके बाढ के पानी मे डूबकर मर गए लेकिन सरकार ने इस बात की और कोई भी ध्यान नही दिया। (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, सफीदो हल्के के कई गांव जैसे बुराद, भडेरा और लढाना आदि ऐसे है, जिनमे इतना पानी खडा हुआ है कि उन गावो मे आने जाने का कोई भी रास्ता ठीक नही है। चारो तरफ वहा पर पानी फेल रहा है। लेकिन सरकार की तरफ से वहा पर कोई नही जा रहा है। पानी खडा होने की वजह से लोग अपने खेतो मे जा नही सकते है। गांव के लोग अपने घरो मे ही बैठकर भूखो मर रहे है। उन्होने अपने प ाुओ को अपने रि तेदारो के यहा भिजवा दिया है। केवल एक एक या दो दो आदमी ही अपने घरो मे बच गए है, वह भी इसलिए ताकि उनके घरो मे चोरी न हो जाए। इसके अलावा वहां पर बिजली की भी अव्यवस्था फेली हुई है। मकानो की चार दीवारियों मे दरारे आ गई है। आज वहां के लोगो को खाना बनाने की भी दिक्कते आ

रही है। क्यो कि उनका ईधन या तो बाढ के पानी मे बह गया है या फिर पानी की वजह से गीला हो गया है।

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय इस आईटम पर डिस्क ान के लिए आधा घंटा के लिए बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है । हांउस का समय आधा घंटा के लिए बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पुनरारम्भ

राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति सम्बन्धी

चौधरी सूरज भान काजलः उपाध्यक्ष महोदय, सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि लोग प्रकृति के प्रकोप से दुखी हो तो वहा उनकी मदद करे। वहा पर जमा हुए पानी की निकासी पम्प लगाकर करे और जो फसले गाव के लोगो की बर्बाद हो रही है, उनको बचाए। इसके अलावा उन गावो के किसानो को सरकार आज ही एक हजार या 1500 रूपए प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा देने की घोशण करे। उपाध्यक्ष महोदय, यहा बैठकर केवल भाशण देने से ही कोई बात नही बनती बल्कि सरकार की अपनी जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। अगर सरकार ईमानदारी से

कुछ करना चाहती है तो उसको वहा पर खडे हुए पानी को निकालने चाहिए और उन लोगो को मुआवजा देना चाहिए। सर, मेरा कहना यह है कि सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभाई चाहिए। इस तरह से तो सरकार अपनी जिम्मेदारी से भागने वाली बात कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै केवल इतना ही कहना चाहूगा कि सरकार को किसानो की जितनी भी मदद हो सकती है, वह उसकी करनी चाहिए।

डा0 रामप्रका ा (थानेसर): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हू कि पिछले तीन साल से बाढ आ रही है। ज्योतिसर के नजदीक एस0वाई0एल0 मे हर साल एक ही प्वायट पर दरार आ जाती है। हर साल उसकी मुरम्मत भी होता है और लाखो रूपया उस पर खर्च किया जाता है। इस दरार के आने की वजह से वहां के आस पास के 6–7 गांव जैसे जोगना खेडा दबखेडी, नरकातरी, मिर्जापूर ज्यातिसर, गुलाबगढ और कुरूक्षेत्र की दो तीन बस्तियो जैसे भाान्ति नगर और दीदार नगर, पानी मे डूब जाती है। मै आपके माध्यम से जानना चाहूगा कि क्या कारण है कि हर साल ही एक प्वायंट पर दरार आती है? वहा इस बार 200 फुट के करीब दरार आई है। उपाध्यक्ष महोदय, यह बात अखबारो मे भी छपी है। क्या इस दरार को पजाब से आए फालतू पानी की बीबीपुर झील मे डालने का रास्ता मान लिया है? इस दरार को महीनो हो गए, परन्तु अभी तक किसी का ध्यान इसे बन्द करने की तरफ नही गया। इन दो चार दिनो मे उसको

ठीक कर दिया हो, तो मुझे पता नही। अगर नहर वहा पर अभी तक टूटी पडी है। तो इसका कारण है? उन गावो के लोगो की नहर वहा पर अभी तक टूटी पडी है, तो इसका क्या कारण है? उन गावो के लोगो की फसल हर वर्श तबाह हो रही है उसके लिए उनको मुआवजा दिया जाए। सरकार इस बात पर गम्भीरता पूर्वक विचार करे कि पानी की निकासी का ढंग क्या हो? यदि महकमे के स्पै ालिस्ट इसका ढग ने सोच पाए, तो हम लोगो के साथ बात करे। आम आदमी जो इसका तरीका सोचता है, वह हम उनको बता सकता है। दो दो तीन तीन साल एक ही जगह से पानी तोडकर निकल जाए यह चिन्ताजनक है। सिचाई मंत्री महोदय यह जवाब दे तो इस विशय पर अव यमेव प्रका ा डाले।

चौधरी बंलवत सिंह मायना(हसंनगढ): उपाध्यक्ष महोदय, मै बाढ के बारे मे कुछ कहना चाहूगा जैसा कि मेरे नेता चौधरी औमप्रका ा चौटाला ने बताया, 7 तारीख को मै इनके साथ गया। मेरे हल्के मे हसनगढ मे इस्माइला गांव है। वहा हरिजन बस्ती मे पानी भरा हुआ है। 15 अगस्त को मै सांपला मे था। वहा आकर मुझे लोगो ने कहा कि हमारे गांव मे पानी भरा हुआ है। 15 अगस्त को नेहरा साहब भी सापला गए थे। मैने इनसे टेलीफोन पर सम्पर्क किया और कहा कि आप सरकार मे महत्वपूर्ण पद पर बैठ हो, गांव मे पानी भरी हुआ है। आपका फर्ज बनता है कि गांव मे पानी निकलवा दे। इन्होने कहा कि यह काम करा देगे लेकिन आज तक उसक गांव का पानी नही निकाला गया है। प ा और

आदमी उस गांव मे बीमार है। बुखार से पीडित है आखे उनकी दुखनी आ रही है। इसी तरह से चुलाना गांव मे भी पानी भरा हुआ है उस गांव के अन्दर भी बीमारी फेली हुई है। आसनपोलिग, क्लोई, धामड गावो मे लोगो की फसल बर्बाद हो रही है, रोडज भी टूटी हुई है। उन गावो मे किसी को मुआवजा देने की बात है और न उनकी गिरदावरी कराने की बात है। यह सरकार आंख मीचकर बैठी हुई है। वेरी हल्के की तरफ भोरिया, छेदपाडी गावो के अंदर भी पानी भरा हुआ था। झज्जर से निकलते ही सारा का सारा रोड टूटा हुआ है। लोगो को आने जानेक का रास्ता नही है। हर गांव मे बीमारी फेली है। इसी प्रकार से बीच मे मेरा साईना गांव आता है। उसमे भी यह हातल है पी0एच0सी0 या सब सैटर से इनका कोई कार्यकर्ता हो, तो मै दावे के साथ कहता हू कि वह गलत है। स्वास्थय उपकेन्द्र की बिल्डिग तो है लेकिन उनमे गधे बैठे है। सरकार कर्मचारी नही है। पुलिस की चौकी खुली है लेकिन कोई कर्मचारी उसमे नही है। इसी प्रकार से ड्रेन न0 8 भरी हुई है, उसकी सफाई नही कराई गई है। इनको मौका ही नही मिलता। तीन साल हो गए है। एक तसला मिट्टी भी रिंग बाध पर नही पडी है। मुझे पता लगा है कि मुख्यमंत्री जी 24 तारीख को हसनगढ सांपला जा रहे है। जंहा चौधरी देवी लाल ने लडकियो का कालेज चालू किया था। आज उसके अन्दर पीने का पानी भी नही मिल पा रहा है। आज बच्चो की पढाई का कोई इन्तजाम नही है। हम लोग माइनर की बात करते है लेकिन हमारी कोई सुनवाई नही होती। जो लोग पानी से घिरे हुए है, उनका

पानी नही निकाला जा रहा है और जिन लोगो को पाने का पानी नही मिल रहा है, उनको पीने का पानी नही दिया जा रहा है मै हर सै ान मे कसरेठी गांव की बात करता हू। वहा पर सूखे की वहज से लोगो को पीने का पानी नही मिल रहा है। चौधरी देवी लाल ने इसमाईला मे कालेज सैक ान किया था लेकिन इस सरकार ने जो कालिज और स्कूल दिए थे, वे सारे कैन्सिल कर दिए गए है। मै मुख्यमंत्री से प्रार्थना करता हू कि जब वे इन इलाको मे जाए, तो वहां पर स्कूल और काालिज देकर आए। जो गांव पानी से घिरे हुए है उनका पानी निकलवाए (ाोर एवम व्यवधान) मुख्यमंत्री जी, आप सुनने की कोि ा ा करे। अटालय, ननौद इस्माइला और पारसमा इन गावो मे पानी भरा हुआ है, इनका पानी निकलवाए। इन गावो मे स्कूल और कालिजो का इन्तजाम होना चाहिए और जहा पर पीने के पानी के कमा है, उनको पीने का पानी मुहैया करवाए। अटारका गांव मे स्कूल की बिल्डिग गिरती जा रही है उस बिल्डिग की मुरम्मत करवाई जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मै इतना ही कहकर अपना स्थान लेता हू।

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): उपाध्यक्ष महोदय, बाढ के बारे मे आपने मो ान एडमिट किया और मेरेा साथियो ने काफी विस्तार से इस बारे मे चर्चा की है कि हरियाणा मे बाढ की स्थिति क्या है और इस दि ाा मे किसी प्रकार की कार्यवाही हो रही है। उपाध्यक्ष महोदय, जंहा तक इस साल बारि ा का सम्बन्ध है, इस साल और सालो की निस्बत बारि ा

अधिक हुई है और इस साल रूक रूक कर बारि ा हुई है। इस साल बाढ का प्रकोप बहुत कम रहा है। और सालो मे अमूमन नदियो मे बाढ आ जाती रही है, लेकिन रूक रूक कर बारि ा होने की वजह से नहरो मे इस साल पानी कम आया। यमुना मे इस साल 1 लाख 49 हजार क्यूसिक पानी आया जबकि 1978 मे 7 लाख क्यूसिक पानी आया। घग्घर की जो डिस्ट्रिब्यूटरी जैसे मारंकाड है, उसमे पचास पचास हजार क्यूसिक पानी आया था। अब की बार बारि ा रूक रूक कर हुई। जैसे एक दिन हो गई, फिर पांच सात दिन के बाद हुई और फिर रूक गई। बारि ा अब की बार इतनी अच्छी रही कि बाढ का पानी सिचाई के लिए और वाटर के रिचार्ज के लिए इस्तेमाल हो गया। यमुना का पानी हम लगातार इस्तेमाल करते रहे। पिछले सालो मे बीस दिन तक पानी यमुना मे रहा लेकिन इस साल 55–60 दिन तक रहा। पन्द्रह बीस हजार क्यूसिक पानी रहा। इस बार बारि ा के बीच मे जो गैप रहा, वह बारि ा फसलो के लिए बहुत अच्छी रही।

उपाध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेताओ ने बोलते हुए बाढ के बारे मे भी बहुत सारी बाते कही। तो लाईग ऐरियाज मे पानी अव य खडा है और उसको निकालने के लिए सरकार कोि ा ा कर रही है और बहुत सी जगहो पर बाढ का पानी नदियो की वजह से, यमुना की वजह से और घग्घर की वजह से ओवर फलो हो गया है। मै एक दिन सिरसा के कुछ गाव मे गया। वहा पर कुछ गावो मे बाढ का पानी खडा है और पानीपत,

करनाल के भी कुछ गावो ंमे बाढ का पानी खडा है और वहा भी बांध के टूट जाने से लोगो को काफी परे ाानी हुई है लेकिन सरकार इन बान्धो को ठीक करने की पूरी भरसक कोि ा ा कर रही है ताकि पानी वहा पर न खडा रहे। और इसका दूसरा कारण यह है कि यमना ने रास्ता बदला जिसकी वजह से यह नुकसान हुआ है। मेरा कहने का मतलब यह है कि नदियो की बाढ से, नदियो के पानी के प्रकोप से जो नुकसान होना चाहिये था वह पिछले सालो की निस्बत इस साल बहुत कम हुआ है। फिर भी नारनौल और महेन्द्रगढ, भिवानी व गुडगांव जिलो मे थोडी बारि ा के बावजूद खरीफ की फसल अच्छी रही है। फिर भी इतना होते हुए भी विपक्षी भाईयो ने कहा कि सरकार इस बारे मे कुछ नही कर रही है। उनका तो केवल यही कहने का मकसद था कि किसी ने किसी तरीके से सरकार को बदनमा किया जाए। वैसे उनके मन मे ऐसी कोई बात नही थी जिससे वे सरकार की छवि बिगाड सकते। इनके नेतागण गांव गांव मे लोगो के पास सरकार की छवि खराब करने के लिए अव य गये और गये भी वहा पर जहां पर कि बरसात का पानी खडा था और वह भी रोहतक और सोनीपत के जिलो के कुछ गावो मे खडा था जहा पर कि ड्रैनज का सिस्टम ठीक नही बना हुआ था। जंहा बारि ा हो जाए तो पानी वहा पर खडा हो जाता है। लोगो ने तो इनके नेतागणो को भाायद कुछ ज्यादा नही कहा होगा लेकिन इन लोगो ने अपनी और से बढा चढा कर लोागो को सरकार के खिलाफ खूब भडकाने की कोि ा ा की कि सरकार कुछ नही कर रही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अगर मै आपको इनकी सरकार के 1997–78 के कारनामो सुनाऊ तो पता चलेगा कि इन्होने क्या क्या गुल खिलाये थे। आपको याद होगा कि 1988 मे सिरसा के अन्दर बाढ आई। राजीवब गांधी उस समय प्रधानमंत्री थे और चौधरी देवी लाल जी हरियाणा के मुख्यमंत्री थे। चौधरी भजन लाल जी एग्रीकल्चर मिनिस्टर थे। चौधरी देवी लाल जी राजीव गांधी जी के साथ गये और उस समय केन्द्र सरकार की और सरकार को 42 करोड रूपए की मदद आई लेकिन मेरे विचार से केवल उस मे से 42 लाख रूपया ही मु कल से खर्च किया गया होगा और बाकी का पैसा सीधे का सीधा ये खा गये। कोई कार्यवाही नही की गई क्योकि इनकी सरकार को उस समय इस के सिवाय और कोई काम ही नही था। मैने उस समय राजीव गांधी जी को हवाई अडडे पर अरोडा जी व बहादुर सिंह जी के साथ एक मैमोरैन्डम दिया था और कहा था कि आप इनको पैसा सीधा मत दो। यदि आप पैसा इनको सीधा दोगे तो सारे का सारा खा जाएगे।(ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है कि कैसे सिचाई ंमंत्री इस तरह की अन्तर्गत बाते कर रह है? लोगो को इस तरह की बात कर कर गुमराह कर रहे है। इस हाउस को गुमराह कर रहे है कि केन्द्र की सरकार से उस समय की सरकार को 42 करोड रूपया मिला था और इसमे से केवल उस सरकार ने 42 लाख रूपया भी खर्च नही किया

होगा। उपाध्यक्ष महोदय, इन बात को आप रिकार्ड मे दर्ज कर ले, जो इन्होने कहा है। कम से कम बोलने से पहले इनको पूरी तरह की जानकारी हासिल करनी चाहिये। यू ही इस तरह की बेबुनियाद बाते हाउस मे नही करनी चाहिये। यू ही लोगो को गुमराह नही किया जाना चाहिए। इस बात को आपको जांच करवानी चाहिए कि केन्द्र सरकार से हरियाणा की सरकार को कितनी धन रा ि ा मिली और उसमे से कितना पैसा खर्च हुआ। वे क्या कह रहे है। ये तो केवल चपरासी जैसी डियूटी निभा रहे है। असली काम तो मुख्यमंत्री ने ही करने है इसलिये मुख्यमंत्री महोदय इस बात की बाकायदा घोशणा करे और इन्होने जो गलत बात यहा पर कही है उसकी काकायदा इन्कावायरी करवाये ताकि सच्चाई लोगो के सामने आ सके। यू ही लोगो को गुमराह नही किया जाना चाहिए। (ाोर)

चौधरी जगदी ा नेहराः उपाध्यक्षर महोदय, इनको बोलते हुए कम से कम ठीक ढग से बोलना चाहिए। इस तरह क गलत लफज कहना, इनको भाोभा नही देते। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः मै हैरान हो रहा हू कि जिन लोगो की कोई हसियत नही और कोई औकात नही, वे ऐसी बात कर रहे है। क्या इनको दडवा का उपचुनाव याद नही है? ये हाउस को गुमराह कर हे है। मै चाहता हू कि मुख्यमंत्री जी हिम्मत दिखाए और इन्कवायरी करवाने के लिए तैयार हो। ये हाउस को गुमराह कर रहे है। और गलत बयानी कर रहे है। (ाोर) मै

प्वायट आफ आर्डर पर बोल रहा हू और मंत्री जी बीच मे खडे हो गए। (ाोर) इस मंत्री ने जो ब्यान दिया है, वहा हाउस के रिकार्ड पर मौजूद है और मुख्यमंत्री जी कहे कि हम इन्कवायरी करवाते है तो हह उसे फेस करने के लिए तैयार है।

श्री उपाध्यक्षः अब आप केवल उसी बात का उत्तर देना जो इन्होने की है।

चौधरी जगदी ा नेहराः इन्होने कहा है कि वह बात कार्यवाही मे दर्ज है। मै इनको बताना चाहता हू कि कार्यवाही मे यही दर्ज है कि आप लोगो ने पैसा खाया। क्या इसमे कोई गलत है? (ाोर) कालका के उप चुनाव मे क्या हुआ था? वहा पर मुख्यमंत्री नही थे कि फिर भी आपके कैडीडेट की जमानत जब्त हो गई थी।(ाोर)

श्री मनी राम केहरवालाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। सिरसा की बात चल रही है, इसलिए चौधरी औमप्रका ा चौटाला का खडे होन का हक बनता है। हम उस वक्त के च ाामदीद गवाह है कि वहां पर फ्लड आया था। आप यह रिकार्ड से पता कर ले कि हमारे लीडर उस वक्त सैटंर मे एग्रीकल्चर मिनिस्टर थे और ये प्रधान मंत्री राजीव गांधी को वहा पर लेकर आए थे। उस समय हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी राजीव गांधी को वहां पर लेकर आए थे। उस समय हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी देवी लाल थे। वे एक रात पहले मद्रास से सीधे

सिरसा आए थे। वे उस वक्त के नेता बनने के चक्कत मे घूम रहे थे(ाोर) तो एक रात पहले वहा आ कर चौधरी देवी लाल ने 15–15 रूपए वाले कम्बल और 15–15 किलो आटा रातो रात लोगो मे बटवाया था। नेजाडेला, फरमाही, साहरनी पनीहारो गावों मे श्री राजीव गांधी और हमारे चौधरी साहब गए थे। चौधरी साहब के सामने उस समय लोगो ने कहा था कि हमारा पैसा जो सैटर से आता है वह हमे सीधा दिया जाए वरना.....

चौधरी जगदी ा नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, यदि सच्ची बात कही जाए तो यह इनको कडवी लगती है। इसलिए जो बात मैन सच्ची कह दी तो ये भडक पडे। वह तो वास्तविक है और यदि इससे आप भिन्न कर गए तो बात जचेगी नही। 1988 मे आपकी भी कोई औकात नही थी। उस टाईम आप क्या थे?

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मैने आपसे पहले भी यह बात कही थी और अब फिर पून दोहराता हू कि इस हाउस मे अगर कोई मंत्री हाउस को गुमराह करता है तो वह अपने फर्ज से कोताअी करता है और लोगो को भ्रम मे डालता है। सिचाई मंत्री ने एक बात कही कि उस वक्त केन्द्रीय सरकार से 42 करोड रूपया मिला था। उसमे से 42 लाख रूपया खर्च नही हुआ। उस वक्त हमारी यह सरकार थी। मै यह कहता हू कि मुख्यमंत्री आन दि फलौर औफ दि हाउस यह घोशणा करे। इस बारे मे इन्कवायरी कराए, चाहे वह इन्कवायरी सुप्रीम कोर्ट के या हाई कोर्ट के सीटि जज से करा

ले। यदि इसमे रत्ती भर सच्चाई निकले तो आप हमे कडी सजा दे, हम वह सजा भुगतने के लिये तैयार है। आप ऐसी जगह पर बैठे है। आप इन लोगो को कंट्रोल करने का प्रयास करे। जो बात उठी है, उसी तक सीमित रहे। मै भी ऐसी बातो को आपके बारे मे कह सकता हू जो आप लोग सुन नही पाएगे।

Mr. Deputy Speaker: Please do not level counter allegations.

चौधरी जगदी ा नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, ऐसी तो कोई बात नही है जो ये कहे और हम उसे सुन न सके।

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः अगर आप हद से आगे बढेगे तो मै उन बातो को भी बताऊगा।

चौधरी जगदी ा नेहराः फिर तो मै भी बताऊगा।

चौधरी औमप्रका ा चौटालाः आप भी बताए।

चौधरी जगदी ा नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, आप इन्हे भी कंट्रोल करे। अभी इन्होने एक बात यह कही कि यह सरकार कोई भी विकास का काम नही कर रही है। यह सरकार कुछ नही कर रही है। मै इनसे पूछता हू कि क्या यह सरकार कुछ नही कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै 1988 की जो बात कर रहा था, वह वास्तविकता है और वह इसलिये वास्तवकिता है कि उस साल बहुत बाढ आई थी और उस समय बहुत बाढ आने के कारण लोगो को जितनी सुविधाओ की उम्मीदे थी, वे उनको नही मिली।

आज ये बाढ की बात करते है। जो 1988 मे बाढ आई थी, उनमे तो हजारो घर गिर गए थे सैकडो जाने गई थी। उस बाढ के कारण बहुत सा जान माल का नुकसान हुआ था। आज आप कह रहे है कि बाढ के पानी मे दो आदमी डूब गए। हमे उन दो आदमियो के डूबने का भी बहुत अफसोंस है। सरकार उसकी भरपाई करेगी। लेकिन आज की सरकार पर जो इल्जाम लगाया जा रहा है, यदि उसको 1988 के साथ कम्पेयर करे तो उसमे बहुत अन्तर है।

चौधरी औमप्रका ा बेरीः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है और मै इस बारे मे आपकी रूलिग भी चाहूगा। सदन मे हरियाणा स्टेट के अन्दर फलड सिचुए ान के बारे मे डिस्क ान हो रही है कि इस बारे मे सरकार क्या दायित्व है और कितना नुकसान हुआ है। इस बारे मे चर्चा हो रही है। मै कहता हू कि एलीगे ांज काऊटर एलीगें ाज लगा कर हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड किया जा रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि हरियाणा सरकार का इन हाताल मे क्या दायित्व बनता है? आज प्रदे ा की सारी सडके बाढ के कारण टूटी पडी है और जहां जहा पर बाढ पर पानी खडा है उसको निकालने के लिए कोई इन्तजाम नही किया जा रहा है। यह सरकार अपनी जिम्मेदारी की बात न करके दूसरी सरकारो पर आरेप लगा रही है। यह क्या तरीका है? यह सरकार अपनी बात बताए कि लोगो को फलड से छुटकारा दिलवाने के लिए क्या कदम उठा रही है?

चौधरी जगदी ा नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात की है वह बिल्कुल सही कही है। लेकिन हम दायित्व और जिम्मेदारी समझते है कि वह क्या है और किस ढग से उसको पूरा करना है। एक बात यह भी कही गई कि लोगो को पीने का पानी नही मिल रहा है। और बाढ आने की वजह से दवाईयो नही मिल रही है। एक बात यह भी चौधरी धीर पाल सिंह ने कह दी कि इरीगे ान और ड्रैनेज डिपार्टमैट को एक साथ साथ मिला दिया गया है, इसलिये नुकसान हो रहा है। मै कहता हू कि उन डिपार्टमैट्स को एक साथ मिलाने से कोई नुकसान नही हुआ है। ऐसी कोई बात नही है।

श्री धीरपाल सिहः मैने तो यह कहा है कि ड्रैनो की सफाई नही हुई है। मैने यह नही कहा कि उन दोनो डिपार्टमैटस को एक साथ मिलाने से नुकसान हो रहा है।

चौधरी जगदी ा नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, उन दोनो डिपार्टमैटस को इसलिए एक साथ मिलाया गया है क्याकि उनका एक जैसा काम है। ड्रैनज डिपार्टमैट एक साल मे केवल 3 महीने काम करता है। बाकी 9 महीन उस डिपार्टमैट के कर्मचारी खाली रहते है। इसलिये उन कर्मचारियो को काम से लगाने के लिए इन दोनो डिपार्टमैटस को एक साथ मिलाया गया है। डाक्टर राम प्रका ा ने एक बात कही। एस0वाई0एल0 का पानी का एक जगह से से ही टूटता है यह बात इनकी दुरूस्त है। एस0वाई0एल0 का पानी उस जगह पर टूटता नही है, उसमे एस्केप बनाने की जगह

है उसका कारण यह है कि आगे बढेरा हैडवर्क्स है, उसमे यमुना का पानी भाी आता है और डब्ल्यू जे0सी0 का भी पानी आता है पानी आकर वहा से उसा डिस्ट्रीब्यू ान होता है इधर उधर से पानी ज्यादा आकर बढेरा हैडवर्क्स को तोड न दे, इसलिये एस्केप टाईप एस0वाई0एल0 मे रख रखा है। (विघ्न एवम भाोर)

सरदार जसविन्द्र सिंह (पेंहवा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। जो एस0वाई0एल0 बनी हुई है, उसमै राजपुरा से जो यह नहर पंजाब से आती है, उसमे बाढ का पानी आन भाुरू हो जाता है और यह पानी जिला कुरूक्षेत्र मे जाकर बढेरा हैडवर्कस मे नुकसान पहुचाता है। बढेरा हैडवर्क्स को कोई नुकसान न पहुचे, इस लिए सरकार पानी को थानेसर कास्टीच्यूएसी मे खोल देती है। जो बढेरा हैड वर्कस का साईफन है उसमे मे पानी निकल कर थानेसर कास्टीच्यूएसी के 5–6 गावो मे नुकसान पहुचाता है और वह पानी बीबीपुर लेक मे जाता है।

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय इस आईटम पर डिस्क ान के लिए आधा घंटा के लिए बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है । हांउस का समय 10 मिनट के लिए बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पुनरारम्भ

राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति सम्बन्धी

सरदार जसविन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आगे चल कर पेहवा कास्टीच्यूएंसी के 7–8 गावो मे जिनमे बीबीपूर, टकोरना, छलो, सूरमी गढी राजन आदि है। मै उस पानी से फसले भी बर्बाद होती है। और किसानो का दूसरा नुकसान होता है। अब जैसा कि सरकार का विचार है कि इस साईफन को खुला करने जा रहे है, इससे पेहवा कास्टीच्यूएंसी की और अधिक नुकसान होगा। इस बारे मे मेरा सरकार को सुझाव है कि जो बीबीपूर लेक है इसके अन्दर एक ड्रैन खेद दी जाए ताकि इस गांवो को बाढ का पानी नुकसान न पहुचाए और वह पानी ड्रैन के जरिए नदी मे चला जाए, ऐसा प्रबन्ध सरकार को करना चाहिए।

डा0 रामप्रका ाः उपाध्यक्ष महोदय, सिचाई तथा मंत्री महोदय ने इस बात को स्वीकार किया है कि ज्योतिसर के निकट एस0वाई0एल0 को कच्चा एस्केप के तौर पर रख हुआ है। मै समझता हू कि इसे जानबूझकर कच्चा रखा गया है जिस के कारण हर साल इन छ गावो की बाढ के कारण नुकसान होता है। मै पूछता हू कि इसको टैक्नीकली क्यो नही सोचा गया ताकि इन गावो को बाढ के पानी से नुकसान न हो। जब सरकार ने इसको कच्चा छोड रखा है तो हर साल इन छ गावो को नुकसान होता है। और उनकी फसले तबाह हो जाती है। आज तक उनको उनकी

फसल का मुआवजा भी नही दिया जाता। मै चाहता हू कि इससे कुरूक्षेत्र की दोनो बस्तियो भाान्ति नगर और दीदार नगर को जो नुकसान होता है, उनको ओर इन छ गावो को मुआवजा दिया जाये और सरकार इस कच्चे एस्केप के बारे मे कोई स्थाई हल निकाले। मै जानना चाहता हू कि हर साल इन छ गावो को नुकसान हो रहा है। क्या उनको जिन्दा रहने का अधिकारी नही है। एक आध साल मे तो हो सकता है कि कुछ न किया जा सके लेकिन इतने सालो तक भी इस तरफ ध्यान न दिया जाये तो उनके साथ सरकारे भी जानबूझ कर अन्याय, जूल्म और पक्षपात पूर्ण व्यवहार कर रही है। इसलिये इस पर जितना दुख प्रकट किया जावे, वह कम है।

सिचाई तथा मंत्री चौधरी जगदी ा नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, जो बाते इन्होने उठाई और जसविन्द्र सिंह जी ने उठाई, वह सी है। इसमे कुछ दिक्कते है।यह पानी जो बीबीपुर लेक मे छोडा जाता है आगे सरस्वती नदी और ड्रैन वगैरा मे से होकर वह घग्घर लेक मे छोडा जाता है आगे सरस्वती नदी और ड्रैन वगैरा मे से होरक वह घग्घ मे गिर जाते है। बीबीपूर लेक का इस बारे मे भी ध्यान रखा जाता है कि 810 से ऊपर लैवल न जाए ताकि ज्यादा ऐरिया उसमे सबमर्ज न हो और लोगो की खेती बाडी खराब न हो। सरकार इन सब बातो का ध्यान रखती है।(ाोर एवम व्यवधान) लेकिन एस्केप इसलिये बनाया जाता है ताकि बढेरा हैडवर्क्स से एकदम ज्यादा पानी आ कर नुकसान न करे। अगले

साल के लिए भी कोि ा ा करेगे कि इस ढंग की बात न हो। डिप्टी स्पीकर साहब, हालाकि एस0वाई0एल0 मे इस समय इतना पानी नही है, जो नुकसान कर सके, थोडा नग्गल का एरिया इसके अफैक्टिड है। इसके अलवा बाकी का ज्यादातर पानी पजांब का जाता है लेकिन इस बारे मे मैने पजाब मंत्री जी को लिखा है। उनके साथ मैने ज्वायंट इन्सपैक ान भी की थी और जो एरिया अफैक्टिड है, उसके बारे मे मैने पजांब के इरिगे ान मिनिस्टर श्री कंग साहब से ऐतराज भी दर्ज किया है। हमने इस बारे मे पजाब सरकार को लिख कर भी भेजा है कि एस0वाई0एल0 नहर मे पानी इस तरह से न छोडा जाए। पजाब सरकार ने बहुत सी जगहो पर बांध बनाए है। पटियाला से आते हुए बनूड से आगे एस0वाई0एल0 जंहा से आती है, वहा पर एक बाधं दिखता है जो कि काफी लम्बा चौडा है। वह बांध 1993 मे टूट गया था। वे एक्केप मे पानी नही जाने देते थे और यह पानी एस0वाई0एल0 मे पडता था इसलिए हमने बुर्जी 140, बुर्जी 157, व बुर्जी 161 जंहा पर ज्यादा पानी आता है सारी जगहो पर हमने ऐतराज किया है और पिछले साल जो बाढ आई थी, वह पजांब से काफी तादाद मे एकदम पानी छोडे जाने के कारण आई थी जिससे काफी हानि हुई। सारी नहरे पजांब की चल रही है बी0एम0बी0 चल रही है। उससे सिरसा जिले मे काफी नुकसान हुआ क्योकि उस नहर से गन्दा पानी भाखडा मेन मे चला गयां। हमारे मुख्यमंत्री जी ने पजांब के मुख्यमंत्री जी ने इस बारे मे बात की। एस0वाई0एल का पानी ड्रैन के रूप मे इस बार कम आया है। बारि ा थोडी थोडी और रूक

रूक कर हुई है, जिससे इतना पानी नही आया जिससे ज्यादा नुकसान हो सके। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो पानी इस बारे बारि ा का आया, वह ज्यादा नही है। क्यो कि बारि ा ठीक ढंग से हुई जिससे खेतो की पैदावार बढने के आसार है। जिन गावो मे नुकसान हुआ है उसमे बहुत से गावो मे माननीय विपक्ष के नेता भी गए है और उन्होने यह ठीक कहा है कि निचले एरिया के गावो मे पानी खडा है। उनकी यह बात ठीक है विपद्वा के नेता ने भी धनान वगैरा, और सोनीपत और रोहतक जिले के गावो मे जा कर उनका दौरा यिका है। वहा पर लोगो को दिक्कत है, इसमे कोई दो राय नही है। इसके लिए डीजल पम्पिग सैट, और दूसार आव यक चीजे उपलब्ध करवा कर पानी को ड्रैन आउट करवाएगे और खेतो मे जो पानी खडा है, उसको ड्रैन आउट करने के लिए पिछली सरकार की भी जो नीति रही है, उसके मुताबिक काम करेगे। पुरानी सरकारो की नीति रही है कि 15 सितम्बार से लेकर 15 अक्तूबर तक जो पानी खडा है। अब जो पानी खेतो मे खडा है, उसके लिए जो मौजूदा प्रावधान है, उसके मुताबिक 15 अक्तूबर तक सारा पानी ड्रैन आउट करवाने की पूरी चेश्टा की जाएगी। मेरे कहने का भाव यह है कि पानी इतना ज्यादा नही है जो कि इस अवधि मे निकल न सके।(विघ्न) फसलो के लिए मुआवजा देने के लिए जो कायदे कानून बनें हुए है, उनके मुताबिक मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए कायदा कानून यह है कि अगर फसल 50 प्रति ात खत्म हो जाए तो 200 रूपये, अगर फसल 75 प्रति ात खराब हो जाए तो 300 रूपये और अगर पूरी फसल बरबाद हो

जाए तो 400 रूपये प्रति एकड का मुआवजा दिया जाएगा और जो दवाईयो आदि छिडकने की जरूरत है, वह भी सरकार ने पूरी भेजी है। आगे भी जहां बीमारियों की बात है वहा पर हैल्थ विभाग को पैसा दिया जाएगा। इसके अलावा अलग अलग विभागो को पैसा दिया है जो कि दस करोड है। हम मुख्यमंत्री के लेवल पर फलड कन्ट्रोंल बोर्ड की मीटिग कर चुके है।

चौधरी ओमप्राक ा चौटाला: अगर कोई मीटिग हुई थी, तो क्या कोई पे ा बन्दी हुई और क्या ड्रैनेज की सफाई हुई है?

चौधरी जगदी ा नहेरा: हमने मीटिग करवा ली है कि इसकी इकटठी सफाई हो जाए। हमने जो पैसा दिया है, वह 2 करोड 25 लाख रूपए है।

प्रो0 सम्पत सिंह: आप हमे ऐग्जैक्ट फिगर बताए।

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्ष: अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय इस आईटम पर डिस्क ान के लिए पांच मिनट के लिए बढा दिया जाए।

आवाजे: ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष: ठीक है । हांउस का समय 5 मिनट के लिए बढाया जाता है।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पुनरारम्भ

राज्य मे बाढ से उत्पन्न स्थिति संबधी

सिचाई तथा मंत्री चौधरी जगदी ा नेहराः सम्पत सिंह जी, हमने ठीक फिगर ही बतायी है। आप पूरे प्रौफेसर नही है। आप बाया भटिण्डा प्रौफेसर है। तो इसी तरह से, उपाध्यक्ष महोदय, हमने स्वास्थय विभाग को 78 लाख रूपए, प ा पालन विभाग को 70 लाख रूपये, पी0 डबलू0 डी0 को 2 करोड 27 लाख और जन स्वास्थय विभाग को 1 करोड 20 लाख रूपए दिए है। कंटीजैन्सी के लिए उपायुक्तो को 2.99 लाख रूपए दिए है। फ्लड संबधित सभी बाते इस सरकार के ध्यान मे है। चाहे वह मवे ियो की बीमारी हो, चाहे आदमियो की बीमारी हो, पीलिए की बात हो या फल्यू की बात हो, उस बारे मे यह सरकार जागरूक है। जहा तक पानी निकालने की दिक्कत की बात है, तो उसके लिए मोटरे लग हुई है। पहले तो हम आबादी वाले इलको से पानी निकालेगे। वैसे बारि ा का मौसम 15 सितम्बर तक है। उसके बाद जहां पर भी पानी खडा होगा, वह निकाल देगे। जिस तहस से इन्होने कहा कि फसल उजड गई है। और रबी की फसल नही हो सकती तो हम उसकी बोआई के लिस वह जमीन खाली करवाएगे, चाह वहा पर हमे कुछ भी करना पडे। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी तरफ से इस तरह की कोई भी ऐसी बात नही होगी जो कि इनके राज मे हुई थी। हम हर काम को ठीक ढंग से करेगे।

Mr Deputy Speaker: Now, the House is adjourned till 9-30 A.M tomorrow, the 13th September, 1994.

5.54 hrs,

(The Sabha then adjourned till 9-30 A.M on Tuesday, the 13th September, 1994.**)**